राष्ट्रीय हिन्दी दैनिक

गौरवशाली भारत

दिल्ली से प्रकाशित

R.N.I. NO. DELHIN/2011/38334 वर्ष- 10, अंक- 205 पृष्ठ - 08, नई दिल्ली, शुक्रवार ,15 जनवरी 2021, मूल्य रु. 1.50

संक्षिप्त समाचार

आज से शुरू होगा नए संसद भवन का निर्माण कार्य

नई दिल्ली, (एजेंसी)। सेंट्रल विस्टा परियोजना के तहत नए संसद भवन का निर्माण कार्य आज शुरू होना है। सूत्रों ने बताया कि मकर संक्रांति के अगले दिन को ऐसी परियोजनाओं की शुरूआत के लिए शुभ मुहुर्त माना जाता है। इस सप्ताह की शुरूआत में 14 सदस्यीय विरासत पैनल ने सरकार की महत्वाकांक्षी सेंट्रल विस्टा पुनर्विकास योजना के तहत नए संसद भवन के निर्माण को मंजूरी दी थी। आधिकारिक सूत्रों ने बताया,केन्द्रीय लोक निर्माण विभाग (सीपीडब्ल्यूडी) ने टाटा प्रोजेक्टस लिमिटेड से 15 जनवरी से नए संसद भवन का निर्माण कार्य शुरू करने को कहा है। मकर संक्रांति के अगले दिन को ऐसी परियोजनाएं शुरू करने के लिए शुभ मुहुर्त माना जाता है। नए भवन का निर्माण टाटा प्रोजेक्ट्स लिमिटेड द्वारा किया जाना है।

मेरे खिलाफ कोई गवाह और सूबत नहीं : एमजे अकबर

नई दिल्ली, (एजेंसी)। पूर्व केन्द्रीय मंत्री एमजे अकबर ने गुरुवार को अदालत से कहा कि पत्रकार प्रिया रमानी को उन पर यौन उत्पीड़न का आरोप लगाने का कोई अधिकार नहीं है क्योंकि उनके पास कोई साक्ष्य नहीं है। यौन उत्पीड़न की यह कथित घटना दशकों पुरानी है।

सीबीआई के डीएसपी के घर सीबीआई का छापा

नई दिल्ली, (एजेंसी)। सेंट्रल ब्यूरो ऑफ इन्वेस्टिगेशन की दिल्ली से आई एक 12 सदस्यीय टीम भ्रष्टाचार से जुड़े किसी मामले में गाजियाबाद में सीबीआई की एंटी करप्शन ब्रांच के हेड डीएसपी आर.के. ऋषि के फ्लैट पर गुरुवार सुबह छापेमारी कर रही है। डीएसपी आर.के. ऋषि कौशांबी के शिवालिक अपार्टमेंट में 402 फ्लैट नम्बर में रहते हैं। शुरूआती जानकारी के अनुसार, भ्रष्टाचार से जुड़े किसी मामले की जांच के लिए सुबह 8:30 बजे उनके घर पहुंची सीबीआई टीम दस्तावेज खंगाल रही है। बताया जा रहा है कि सीबीआई के अधिकारी ने परिवार के सभी सदस्यों से घर के अंदर ही पूछताछ कर रहे हैं।

चुनाव से पहले ममता ने डाले हथियार

कांग्रेस और वाम दलों से गठबंधन की पेशकश की

कोलकाता, (एजेंसी)। पश्चिम बंगाल में कुछ महीनों के बाद विधानसभा चुनाव होने वाले हैं। भारतीय जनता पार्टी बड़े ही आक्रामक ढंग से चुनाव में उतरने की तैयारी कर रही है। इसके लिए केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह और पार्टी अध्यक्ष जेपी नड्डा लगातार बंगाल दौरा कर बंगाल फतह करने के लिए रणनीति बना रहे हैं। वहीं बीजेपी के मिशन पर पानी फेरने के लिए तृणमूल कांग्रेस ने तमाम विपक्षी दलों से साथ देने की अपील की है। यूं कहें तब पार्टी ने बिहार की तर्ज पर महागठबंधन बनाने की अपील की। कांग्रेस पार्टी ने लगे हाथ टीएमसी को नसीहत दे दी।

तृणमूल कांग्रेस ने वाम मोर्चा और कांग्रेस से भाजपा की सांप्रदायिक एवं विभाजनकारी राजनीति के खिलाफ लड़ाई में बंगाल की मुख्यमंत्री ममता बनर्जी का साथ देने की अपील की है। हालांकि, दोनों दलों ने टीएमसी की सलाह को सिर से खारिज कर दिया है। वहीं कांग्रेस ने सलाह के बाद तृणमूल कांग्रेस को पेशकश की है कि वह भाजपा के खिलाफ लड़ाई के लिए गठबंधन बनाने के स्थान पर पार्टी (कांग्रेस) में विलय कर ले।

राज्य में मजबूती से ऊभर रही भाजपा का कहना है कि तृणमूल की पेशकश दिखाती है कि वह बंगाल में होने वाले विधानसभा चुनावों में अपने दम पर भगवा पार्टी का मुकाबला करने का सामर्थ्य नहीं रखती है। वहीं, तृणमूल कांग्रेस के वरिष्ठ सांसद सौगत रॉय ने कहा, अगर वाम मोर्चा और कांग्रेस वास्तव में भाजपा के खिलाफ हैं,तब उन्हें भगवा दल की सांप्रदायिक एवं विभाजनकारी राजनीति के खिलाफ लड़ाई में ममता बनर्जी का साथ देना चाहिए।उन्होंने कहा कि तृणमूल कांग्रेस की प्रमुख ममता बनर्जी ही भाजपा के खिलाफ धर्मनिरपेक्ष राजनीति का असली चेहरा हैं। तृणमूल कांग्रेस के प्रस्ताव पर राज्य कांग्रेस प्रमुख अधीर रंजन चौधरी ने प्रदेश में भाजपा के मजबूत होने के लिए सत्तारूढ़ दल को जिम्मेदार बताया।

उन्होंने कहा, हमें तृणमूल कांग्रेस के साथ गठबंधन में कोई दिलचस्पी नहीं है। पिछले 10 सालों से हमारे विधायकों को खरीदने के बाद तृणमूल कांग्रेस को गठबंधन में दिलचस्पी क्यों है। अगर ममता भाजपा के खिलाफ लड़ने को इच्छुक हैं, तब उन्हें कांग्रेस में शामिल हो जाना चाहिए क्योंकि वहीं सांप्रदायिकता के खिलाफ लड़ाई का एकमात्र देशव्यापी मंच है। बता दें कि ममता बनर्जी ने कांग्रेस से अलग होकर 1998 में तृणमूल कांग्रेस की स्थापना की थी। माकपा के वरिष्ठ नेता सुजान चक्रवर्ती ने आश्चर्य जताया कि तृणमूल कांग्रेस वाम मोर्चा और कांग्रेस को राज्य में नगण्य राजनीतिक बल करार देने के बाद उनके साथ गठबंधन के लिए बेकरार क्यों है। उन्होंने कहा कि भाजपा भी वाम मोर्चा को लुभाने का प्रयास कर रही है। उन्होंने कहा,यह दिखाता है कि वह (वाम मोर्चा) अभी भी महत्वपूर्ण हैं। वाम मोर्चा और कांग्रेस विधानसभा चुनावों में तृणमूल कांग्रेस और भाजपा दोनों को हराएंगे।

पश्चिम बंगाल भाजपा के अध्यक्ष और लोकसभा सदस्य दिलीप घोष ने कहा कि यह तृणमूल कांग्रेस की हताशा को दशार्ता है। उन्होंने कहा, वे हमसे अकेले नहीं लड़ सकते हैं, इसलिए वे अन्य दलों से मदद मांग रहे हैं। इससे साबित होता है कि भाजपा ही तृणमूल कांग्रेस का एकमात्र विकल्प है।

सेना के जवानों का शौर्य और पराक्रम है अभूतपूर्व : राजनाथ

नई दिल्ली, (एजेंसी)। रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह कर्नाटक के दौरे पर हैं। पूर्व सैनिक दिवस को संबोधित करते हुए रक्षा मंत्री ने कहा कि हमारे सेना के जवानों ने जिस शौर्य और पराक्रम का परिचय वह अभूतपूर्व है। हम भारत के सम्मान पर किसी भी तरह आँच नहीं आने देंगे। उन्होंने कहा कि अंग्रेजी में एक कहावत है कि. यह वेटरेंस डे हमें याद दिलाता है उन की जो आपने और आपके परिवार ने आपके द्वारा की गई देश की सेवा के दौरान दी है। पूर्व सैनिक दिवस के एक कार्यक्रम में बोलते हुए उन्होंने कहा कि मेरा हमेशा प्रयास रहता है कि आप लोगों के लिए मैं हमेशा कुछ न कुछ करूं। हालांकि आप लोगों के द्वारा किए गए सेवाओं की कोई कीमत नहीं लगाई जा सकती है, पर सरकार का हमेशा प्रयास रहता है कि वह आप के और आपके परिवार के सम्मान और देखभाल में जितना हो सके वह करे। राजनाथ सिंह ने कहा कि पीएम मोदी ने भारतीय सेना और सैनिकों के लिए दशकों से लम्बित पड़ी वन रैंक वन पेंशन योजना को अपने पहले कार्यकाल के दौरान लागू किया। पिछले साल लालकिले से के गठन की घोषणा की गई। इस निर्णय से सुरक्षा बलों के बीच संयुत बढ़ी है। उन्होंने आगे कहा कि अब सरकार ने देश में रक्षा सेक्टर को बढ़ावा देने के लिए 83 तेजस विमान की निर्माण का ऑर्डर को दिया गया है। इस निर्णय से देश में करीब 50000 नए रोजगार के अवसर पैदा होंगे।

पूरे देश में मकर संक्रांति और पोंगल पर्व की धूम

नई दिल्ली, (एजेंसी)। उत्तर से लेकर दक्षिण भारत में आज सूर्य उपसाना के पर्व संक्रांति और पोंगल समेत कई त्योहार मनाए जा रहे हैं। उत्तर भारत में मकर संक्रांति के पर्व को कहीं-कहीं उत्तरायण भी कहा जाता है। मकर संक्रांति के दिन गंगा स्नान, व्रत, कथा, दान और भगवान सूर्य की उपासना करने का विशेष महत्त्व है। वहीं दक्षिण भारत में पोंगल मनाया जाता है और इसी दिन जलीकट्टू का भी कार्यक्रम है। भाजपा अध्यक्ष जेपी नड्डा और संघ प्रमुख मोहन भागवत समेत कांग्रेस के पूर्व अध्यक्ष आज तमिलनाडु में हैं, जो अलग-अलग कार्यक्रमों में हिस्सा लेंगे। संघ प्रमुख मोहन भागवत पोंगल त्योहार के जश्न में शामिल होने के लिए तमिलनाडु पहुंचे हैं। मोहन भागवत ने सुबह यहां चेन्नई के श्री कादुम्बडी मंदिर में पूजा की और पोंगल के जश्न में शामिल हुए। वहीं भाजपा अध्यक्ष जेपी नड्डा शाम को चेन्नई आएंगे, यहां वो कुछ अन्य कार्यक्रमों में भी शामिल होंगे। पोंगल त्योहार पर तमिलनाडु की एआईएडीएमके सरकार लोगों को 2500 रुपए, गन्ना, शर्ट, साड़ी समेत अन्य कुछ तोहफे दे रही है।

ओवैसी ने बिहार में मदद की, अब यूपी और बंगाल में भी करेंगे : साक्षी

नई दिल्ली, (एजेंसी)। अपने तीखे और तल्ख बयानों के लिए चर्चित भारतीय जनता पार्टी के वरिष्ठ नेता और उन्नाव से सांसद साक्षी महाराज ने एआईएमआईएम प्रमुख असदुद्दीन ओवैसी को लेकर बड़ा बयान दिया है। अभी हाल ही में असदुद्दीन ओवैसी ने अखिलेश यादव के गढ़ आजमगढ़ का भी दौरा किया था। असदुद्दीन ओवैसी ने पश्चिम बंगाल और उत्तर प्रदेश में चुनाव लड़ने का भी ऐलान कर दिया है। भाजपा विरोधी पार्टियां लगातार ओवैसी की पार्टी को भाजपा की बी टीम बताती है। इसी बीच भारतीय जनता पार्टी के वरिष्ठ नेता और उन्नाव से सांसद साक्षी महाराज ने ओवैसी को लेकर बड़ा बयान दिया है।

साक्षी महाराज ने कहा कि जैसे ओवैसी ने बिहार में भाजपा को जिताने में मदद की है, वैसे ही वह उत्तर प्रदेश और बंगाल में करेंगे। साक्षी महाराज का यह वीडियो सोशल मीडिया पर काफी वायरल हो रहा है। महाराज का यह जवाब उस समय आया जब उनसे ओवैसी के आजमगढ़-जौनपुर दौरे को लेकर सवाल किया गया था और उन्हें समर्थन मिलने की बात की गई थी। साक्षी महाराज यहीं नहीं रुके, उन्होंने आगे कहा कि बड़ी मेहरबानी.. भगवान उन्हें ताकत दे... खुदा उनका साथ दें, उन्होंने बिहार में हमारा सहयोग किया, अब यूपी में करेंगे बाद में पश्चिम बंगाल में भी करेंगे।

साक्षी महाराज ने इस दौरान मुसलमानों के लेकर पूछे गए सवालों का भी जवाब दिया। उन्होंने कहा कि हम मुसलमानों का विश्वास जीतने में लगे हुए हैं। 65 सालों से उन्हें तुष्टिकरण की राजनीति के आधार पर डराया गया।

पीएम मोदी टीकाकरण अभियान की कर सकते हैं शुरुआत

नई दिल्ली, (एजेंसी)। पिछले एक साल से कोरोना महामारी के खिलाफ जंग लड़ रहे देश को जल्द बड़ी राहत मिलने वाली है। भारत में 16 जनवरी से कोरोना टीकाकरण अभियान शुरू होने जा रहा है। सूत्रों के अनुसार, प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी टीकाकरण अभियान की शुरूआत कर सकते हैं। सूत्रों ने यह भी बताया कि टीका लगवाने वाले कुछ लोगों से पीएम मोदी की बातचीत होने की भी संभावना है। देश में टीकाकरण अभियान के पहले दिन 16 जनवरी को करीब तीन लाख स्वास्थ्य कर्मियों को 2,934 केंद्रों पर टीके लगाए जाएंगे। प्रत्येक टीकाकरण सत्र में अधिकतम 100 लोग होंगे। केंद्रीय स्वास्थ्य मंत्रालय ने राज्यों से कहा है कि वे हर सेंटर पर ज्यादा संख्या में टीकाकरण न करें। इससे पहले, पीएम मोदी ने टीकाकरण अभियान को लेकर विभिन्न राज्यों के मुख्यमंत्रियों से बातचीत की थी। वर्चुअल तरीके से आयोजित की गई बैठक में पीएम मोदी ने कहा था कि देश में तैयार कोरोना के दोनों टीके दुनिया के अन्य टीकों के मुकाबले किफायती हैं और उन्हें देश की स्थितियों व परिस्थितियों के अनुरूप बनाया गया है। टीकों को लेकर उठ रहे सवालों के मद्देनजर प्रधानमंत्री ने भरोसा दिया कि देशवासियों को प्रभावी वैक्सीन देने के लिए वैज्ञानिक समुदाय ने सभी सावधानियां बरती हैं। देश में दो टीकों को इमरजेंसी इस्तेमाल के लिए मंजूरी मिली है। इन दोनों के नाम सीरम इंस्टीट्यूट ऑफ इंडिया की कोविशील्ड और हैदराबाद स्थित भारत बायोटेक की कोवैक्सीन हैं। 3 जनवरी को दवा नियामक ने अपनी सुरक्षा और इम्युनोजेनेसिटी डेटा के आधार पर दोनों टीकों को मंजूरी देने की घोषणा की थी। सरकार ने कहा है कि दोनों टीकों का हजारों लोगों पर परीक्षण किया गया है और वे सबसे सुरक्षित हैं। हालांकि, टीकाकरण के समय लोगों के पास वैक्सीन के चयन के विकल्प नहीं होंगे कि वे किस कंपनी के टीके लगवाना चाहते हैं। स्वास्थ्य सचिव राजेश भूषण ने हाल ही में कहा था कि दुनिया भर के कई देश एक से अधिक वैक्सीन का उपयोग कर रहे हैं। इन देशों में किसी भी लाभार्थी के पास ऐसा कोई विकल्प उपलब्ध नहीं है। यह दिखाता है कि भारत में भी ऐसा हो सकता है। देश में कोरोना टीकाकरण स्वैच्छिक है। इससे पहले, मंत्रालय ने बुधवार को बताया था कि राज्यों को सलाह दी गई है कि वे 10 फीसदी आरक्षित/बर्बाद खुराकों और रोजाना प्रत्येक सत्र में औसतन 100 टीकाकरण को ध्यान में रखते हुए टीकाकरण सत्रों का आयोजन करें।

कार्टून

डब्ल्यूएचओ ने दिखाया गलत मैप तो भारत ने जताई नाराजगी

नई दिल्ली, (एजेंसी)। विश्व स्वास्थ्य संगठन द्वारा अपनी वेबसाइट पर भारत के मैप को गलत दिखाने के मामले में सरकार ने कड़ा रुख अपनाया है। इस मामले से वाकिफ सूत्रों ने बताया कि नई दिल्ली ने डब्ल्यूएचओ के डायरेक्टर-जनरल टेड्रोस अधनोम घेब्रेसस से दो टूक कहा है कि वे वेबसाइट पर लगे भारत के मैप को नए मैप से तुरंत बदलें। भारत की ओर से डब्ल्यूएचओ को भेजा गया पत्र एक महीने में तीसरा है। इससे पहले, 3 और 30 दिसंबर को डब्ल्यूएचओ के डायरेक्टर-जनरल के ऑफिस को पत्र भेजा जा चुका है। इसमें कहा गया था कि कोरोना वायरस डैशबोर्ड समेत वीडियोज और मैप भारत की वास्तविक सीमाओं को नहीं दशार्ते हैं। पिछले सप्ताह, संयुक्त राष्ट्र में भारत के स्थायी प्रतिनिधि इंद्र मणी पांडे ने टेड्रोस के सामने यह आपत्ति दर्ज करवाई है। जिसे इंद्र मणि पांडे ने 8 जनवरी को टेड्रोस को भेजा था। इसमें वे लिखते हैं, मैं डब्ल्यूएचओ के विभिन्न वेब पोर्टलों के नक्शे में भारत की सीमाओं को गलत दिखाने पर अपनी गहरी नाराजगी व्यक्त करने के लिए यह पत्र लिख रहा हूं। इस संबंध में, मैं डब्ल्यूएचओ को भेजे गए हमारे पिछले मैसेजों पर आपका ध्यान आकर्षित करता हूं जो इसी तरह की गतलियों की ओर इशारा करते हैं। मैं एक बार फिर से डब्ल्यूएचओ के विभिन्न वेब पोर्टलों से भारत की सीमाओं को गलत तरीके से दिखाने वाले नक्शे को तुरंत हटाने के लिए आपके तत्काल हस्तक्षेप का अनुरोध करता हूं। डब्ल्यूएचओ ने भारत के इस मैप में जम्मू-कश्मीर और लद्दाख को देश से अलग दिखाया था। 5,168 स्क्वायर किलोमीटर में फैली शक्सगाम वैली, जिसे 1963 में अवैध रूप से पाकिस्तान द्वारा चीन को सौंप दिया गया था, उसे चीन का हिस्सा दिखा गया। वहीं, साल 1954 से चीन के कब्जे वाले अक्साई चिन क्षेत्र को हल्के नीले रंग की पट्टियों में दिखाया गया है। यह रंग उसी तरह का है, जिसका इस्तेमाल चीनी क्षेत्र को बताने के लिए किया जाता है। बता दें कि भारत के गलत नक्शों को प्रकाशित करना भारतीय कानून के तहत अपराध है, जिसमें छह महीने की जेल की सजा और जुमार्ना लगाया जा सकता है। साल 2016 में, सरकार ने इस सजा को सात साल तक की बढ़ाने और जजों को 100 करोड़ रुपये जुमार्ना लगाने का प्रस्ताव दिया था।

संसद का बजट सत्र 29 जनवरी से शुरू होगा

नई दिल्ली, (एजेंसी)। संसद का बजट सत्र 29 जनवरी से शुरू होगा। इस दौरान एक फरवरी को संसद में वित्त वर्ष 2021-22 का आम बजट पेश होगा। लोकसभा सचिवालय ने इसकी जानकारी दी। राजनीतिक मामलों की मंत्रिमंडलीय समिति (सीसीपीए) ने इस बारे में सिफारिश की थी। लोकसभा सचिवालय के बयान के अनुसार, दो हिस्सों में चलने वाला बजट सत्र 8 अप्रैल तक चलेगा। बजट सत्र पहला चरण 29 जनवरी से शुरू होकर 15 फरवरी तक चलेगा, जबकि दूसरा हिस्सा 8 मार्च से 8 अप्रैल तक चलेगा। वहीं राष्ट्रपति रामनाथ कोविंद 29 जनवरी को पूर्वाह्न 11 बजे संसद के दोनों सदनों लोकसभा और राज्यसभा की संयुक्त बैठक को संबोधित करने वाले है। केंद्रीय बजट 1 फरवरी को पूर्वाह्न 11 बजे पेश किया जायेगा।

संसद की स्थायी समिति को विभिन्न मंत्रालयों/विभागों की अनुदान की मांगों पर विचार करना सुगम बनाने के लिये 15 फरवरी को सत्र का पहला चरण स्थगित कर दिया जाएगा और 8 मार्च से दूसरे चरण की बैठक शुरू होगी। संसद के बजट सत्र के दौरान कोविड-19 से संबंधित सभी दिशानिदेर्शों का पालन किया जाएगा। उल्लेखनीय है कि कोरोना वायरस संक्रमण के चलते संसद का शीतकालीन सत्र नहीं बुलाया गया था। इस पर विपक्ष ने आरोप लगाया था कि सरकार किसानों के विरोध प्रदर्शन एवं अन्य मुद्दों पर चर्चा करने से भाग रही है।

अमेरिकी संसद भवन हिंसा मामले पर ट्रंप ने की स्पष्ट रूप से निंदा

वाशिंगटन, (एजेंसी)। अमेरिकी संसद भवन में बीते दिनों हुई हिंसक घटनाओं पर यहां के निवर्तमान राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने गुरुवार को स्पष्ट रूप से निंदा की और कहा कि इस तरह की हिंसा को लेकर कोई सफाई नहीं दी जा सकती। व्हाइट हाउस के ओवल कार्यालय में रिकॉर्ड की गई एक वीडियो में ट्रंप ने कहा, हिंसा और बर्बरता की हमारे देश में कोई जगह नहीं है...और न ही हमारे प्रदर्शन में इसके लिए कोई स्थान है। राष्ट्रपति ने कहा, अमेरिका को फिर से महान बनाने का अभियान हमेशा से कानून के शासन का बचाव करने, कानून लागू करने वाली एजेंसियों से जुड़े पुरुषों तथा महिलाओं का सहयोग करने और देश की सबसे पवित्र परंपराओं एवं मूल्यों को बनाए रखने से जुड़ा रहा है। उन्होंने कहा, यूएस कैपिटल पर हुए हमले ने हमारे गणतंत्र को ठेस पहुंचाया है। इसने करोड़ों अमेरिकियों को दुखी और नाराज किया है, चाहे वे किसी भी राजनीतिक दल में विश्वास रखते हों। मैं स्पष्ट रूप से पिछले सप्ताह हुए हमले की निंदा करता हूं।

उन्होंने कहा, भीड़ द्वारा हिंसा करना, उन सभी चीजों, जिस पर मैं विश्वास करता हूं और जिस बारे में हमारा अभियान है, उन सभी के खिलाफ है। मेरा सच्चा समर्थक कभी ऐसी राजनीतिक हिंसा का समर्थन नहीं करेगा। मेरा सच्चा समर्थक कभी कानून या हमारे अमेरिका के महान झंडे का निरादर नहीं करेगा। मेरा कोई समर्थक कभी अपने साथी अमेरिकियों को डराएगा या धमकाएगा नहीं। ट्रंप ने कहा कि निश्चित तौर पर कोविड-19 की वजह से पिछला साल मुश्किलों भरा था और देश ने राजनीतिक हिंसा को अनियंत्रित होते भी देखा। उन्होंने कहा, हमने कई दंगे, कोलाहल करने वाली भीड़, डराने-धमकाने और तबाही मचाने के कई कृत्य देखे। इसे निश्चित रूप से रोकना होगा। ट्रंप ने कहा, चाहे आप, दक्षिणपंथी हों या वामपंथी, डेमोक्रेट हों या रिपब्लिकन, हिंसा की कोई सफाई नहीं दी जा सकती। कोई बहाना नहीं दिया जा सकता, कोई छूट नहीं दी जा सकती। पिछले सप्ताह हिंसा में शामिल सभी लोगों पर कानूनी कार्रवाई की जाएगी। राष्ट्रपति ने कहा कि वह उनके एजेंडे में विश्वास रखने वाले सभी लोगों से देश में शांति बनाए रखने में मदद करने की भी अपील करते हैं।

नेबल्स में फीलिस्तीनी प्रदर्शनकारियों की इजरायली सैनिकों से झड़पें हुईं।

अंकारा में पहली बर्फबारी के बीच फेस मास्क लगाकर सड़क से गुजरती हुई एक महिला।

आरएसएस पर प्रतिबंध के लिए यूएन पहुंचा पाकिस्तान

इस्लामाबाद, (एजेंसी)। पाकिस्तान अपने यहां पनप रहे आतंकी संगठनों पर अंकुश लगाने में भले ही असफल है पर भारत के राष्ट्रवादी संगठन राष्ट्रीय स्वयं सेवक संघ को लेकर एक बार फिर वह संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद के मंच का उपयोग भारत के खिलाफ प्रोपगेंडा फैलाने और गलतबयानी करने के लिए किया है। संयुक्त राष्ट्र में पाकिस्तान के राजदूत ने दुनिया के सबसे शक्तिशाली मंच से राष्ट्रीय स्वंयसेवक संघ पर प्रतिबंध लगाने की मांग कर डाली। इतना ही नहीं, पाकिस्तान ने बीजेपी और कश्मीर को लेकर भी यूएन में खूब झूठ बोला। संयुक्त राष्ट्र में पाकिस्तान के राजदूत मुनीर अकरम ने मंगलवार को संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद में दुनियाभर के हिंसक राष्ट्रवादी समूहों को आतंकवादी संगठन घोषित करने की मांग की। उन्होंने अपने भाषण के दौरान बीजेपी और भारत में हिंदू-मुसलमान का राग भी अलापा, लेकिन अपने देश के अल्पसंख्यकों के हालात पर चुप्पी साधे रखी। वैश्विक शांति और सुरक्षा के लिए नए खतरे पैदा करने वाले पाकिस्तान ने दुनिया को आतंकवाद से निपटने के गुर सिखाए। पाकिस्तानी राजदूत ने कहा कि हिंदू राष्ट्रवादी पार्टी बीजेपी हिंदुत्व विचारधारा को मानती है। उनके जहरीले बयान यहीं नहीं रुके। अकरम ने यहां तक कहा कि बीजेपी अपने देश के मुस्लिमों को धमकी भी देती है। खुद के लोगों पर फौज से हमले करवाने वाले पाकिस्तान ने यूएएनएससी को हिंसक राष्ट्रवाद के उदय को रोकने के लिए सुझाव भी दिया। पाकिस्तान ने अपने सुझाव में यूएनएससी से मांग करते हुए कहा कि वह सभी देशों से अपने यहां के हिंसक राष्ट्रवादी संगठनों को आतंकवादी संगठन के रूप में नामित करने के लिए कहे। इसमें श्वेत वर्चस्व, अन्य नस्लीय और जातीय रूप से प्रेरित समूहों को भी शामिल किया जाए। इसके अलावा पाकिस्तान ने कहा कि इन समूहों की हिंसक विचारधाराओं, भर्ती और वित्तपोषण पर तत्काल रोक लगाई जाए। पाकिस्तान ने संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद से कहा कि उसे आरएसएस जैसे राष्ट्रवादी आतंकवादी समूहों को शामिल करने के लिए 1267 प्रतिबंध समिति का विस्तार करना चाहिए। पाकिस्तानी राजदूत ने अपने देश में जारी आतंकवाद को छोड़कर बाकी सभी विषयों पर ज्ञान दिया, जिससे उनका कोई लेना-देना नहीं है।

पिछले मई माह के बाद चीन में कोरोना संक्रमण से पहली मौत, लॉकडाउन के हालात बने

हेबेई, (एजेंसी)। दुनिया भर में घातक कोरोना वायरस महामारी को फैलाने वाले चीन में पिछले साल मई के बाद अब पहली मौत दर्ज की गई है। यही नहीं, 10 महीने बाद एक दिन में सबसे ज्यादा संक्रमण के मामले भी सामने आए हैं। इससे पहले चीन इस संकट से बाहर निकलता हुआ दिखाई दे रहा था और प्रशासन इस कोशिश में जुटा था कि वायरस को दोबारा फैलने से रोका जा सके। इसी बीच विश्व स्वास्थ्य संगठन की एक्सपर्ट्स की टीम भी वायरस की उत्पत्ति को लेकर जांच करने वुहान पहुंचने वाली है। नैशनल हेल्थ कमीशन ने ताजा मौत के बारे में ज्यादा जानकारी तो नहीं दी है। हालांकि, यही बताया गया है कि हेबेई प्रांत में आठ महीने बाद पहली मौत हुई है। वहीं, 5 मार्च के बाद गुरुवार को सबसे ज्यादा इन्फेक्शन के 138 मामले सामने आए हैं। इससे एक दिन पहले यह संख्या 115 थी। कमीशन ने बताया है कि 124 मामले स्थानीय इन्फेक्शन के थे जिनमें से 81 हेबेई प्रांत के थे और 41 हेलॉन्गजियान्ग के 3.8 करोड़ की आबादी वाले हेलॉन्गजियान्ग में बुधवार को आपातकाल भी लागू कर दिया गया था। लोगों से कहा गया है कि जब तक बिल्कुल जरूरी न हो, प्रांत से बाहर ना जाएं। वहीं हेबेई प्रांत में कड़ाके की ठंड के बीच लोग कोरोना वायरस टेस्ट के दूसरे चरण के लिए पहुंचते रहे। 7.5 करोड़ की आबादी वाला यह प्रांत देश में कोरोना की दूसरी वेव का केंद्र बन गया है। हालांकि, पहले की तुलना मे मामलों की संख्या पहले की तुलना में काफी कम है, हालात को और बिगड़ने से रोकने के लिए 2.8 करोड़ लोगों को जनवरी में होम क्वारंटीन कर दिया गया था। डब्ल्यूएचओ के 10 सदस्यीय दल गुरुवार को सिंगापुर से वुहान के लिए उड़ान भरने वाला है।

एक साल तक कोरोना से बचाव करेगी मॉडर्ना की वैक्सीन

लंदन, (एजेंसी)। दवा निमार्ता कंपनी मॉडर्ना ने दावा किया है कि उसकी कोविड-19 वैक्सीन आपके शरीर में कम से कम सालभर तक कोरोना से बचाने की प्रतिरोधक क्षमता यानी इम्युनिटी बनाकर रखेगी। कंपनी ने कहा कि उसकी वैक्सीन बनाने की टेक्नोलॉजी इतनी जबरदस्त है कि वह कोरोना वायरस के नए वैरिएंट्स यानी स्ट्रेन पर भी असरकारक होगी। मॉडर्ना के चीफ एग्जीक्यूटिव ऑफिसर स्टैफनी बैंसल ने कहा कि हमारी मैसेंजर आरएनए वैक्सीन टेक्नोलॉजी बेहद अत्याधुनिक है। हमारी वैक्सीन का नाम है मैसेंजर आरएनए-1273। इस वैक्सीन में एक सिथेंटिक मैसेंजर आरएनए है, जो कोरोना वायरस की बाहरी परत की नकल करता है। इससे शरीर में कोरोना वायरस के प्रति प्रतिरोधक क्षमता विकसित हो जाती है। शरीर में जब कोरोना वायरस का हमला होता है, तब शरीर पहले से तैयार इम्युनिटी के जरिए कोरोना वायरस के हमले को निष्क्रिय या कमजोर कर देती है। कंपनी ने दिसंबर में कहा था कि वह हर प्रकार के कोरोना वैरिएंट और स्ट्रेन पर अपनी वैक्सीन का टेस्ट करेगी। अब कंपनी ने दावा किया है कि उसकी वैक्सीन फिलहाल दुनिया में मौजूद कोरोना वायरस के हर वैरिएंट पर असरदायक है।

कंपनी ने दावा किया है कि वह सन 2021 के अंत तक 60 करोड़ से 100 करोड़ वैक्सीन डोज का उत्पादन करेगी। एडवांस परचेज एग्रीमेंट और सरकारों द्वारा की गई मांग के अनुसार मॉडर्ना अपनी वैक्सीन से अगले एक साल में 11।7 बिलियन डॉलर्स यानी 85,837 करोड़ रुपए की आमदनी करेगा। मॉडर्ना के सीईओ स्टैफनी ने कहा कि मुझे पूरी उम्मीद है कि हमारी टीम 60 करोड़ वैक्सीन डोज आराम से तैयार कर लेगी। हम इसे सही समय पर पूरी दुनिया को दे पाएंगे।

कोशिश करेंगे कि इससे ज्यादा डोज बनाकर दुनिया को दें। सूत्रों से मिली जानकारी के मुताबिक हालांकि अभी मॉडर्ना की वैक्सीन को भारत में लाने के लिए आईआईएल से बात चल रही है। हालांकि अभी केवल इस बात की संभावना तलाशी जा रही है कि ऐसा हो सकता है या नहीं और चर्चा भी सिर्फ शुरूआती दौर में है। बीच में खबर है कि मॉडर्ना भारत में अपनी वैक्सीन बनाना चाहती है। मॉडर्ना और फाइजर जैसी वैक्सीनें अगर किसी कंपनी के सहयोग से भारत में बनती हैं तो उनकी कीमत कम होगी।

सूत्रों ने कहा है कि भारत में मैसेंजर आरएनए टेक्नॉलजी के टीकों का उत्पादन करना आसान है। अगर बातचीत सफल रहती है तो भारत में 2-3 महीनों के भीतर ही मॉडर्ना वैक्सीन का उत्पादन शुरू हो जाएगा। हालांकि इस बारे में सूत्रों का कहना है कि वर्तमान समय में, फाइजर और मॉडर्ना को भारत में लाना बहुत ही अव्यवहारिक है। भारत में बीमारी की स्थिति अन्य देशों से बहुत अलग है। ब्रिटेन के नियामक प्राधिकरण ने शुक्रवार को कोविड-19 के तीसरे वैक्सीन को मंजूरी दी है। जिसे मॉर्डना कंपनी ने विकसित किया है। इसे बाजार में पहुंचने में एक सप्ताह का समय लग सकता है। यूके सरकार ने मॉर्डना को 70,00,000 डोज के लिए पहले ही ऑर्डर दे रखा है। जानकारी के मुताबिक 30 हजार से अधिक लोगों पर मॉडर्ना वैक्सीन का परीक्षण किया गया था। इसके परिणाम करीब 95 प्रतिशत सुरक्षित देखे गए हैं। मॉडर्ना की वैक्सीन, फाइजर और बायोएनटेक के टीके की तरह ही काम करती है। इसे -20 डिग्री सेल्सियस तापमान पर रखना होता है।

एलिजाबेथ द्वितीय के संबंधी ने अतिथि से की थी रेप की कोशिश, होगी जेल

लंदन, (एजेंसी)। इंग्लैंड की महारानी क्वीन एलिजाबेथ द्वितीय के करीबी संबंधी साइमन बोवेस-लियोन को एक अतिथि से रेप की कोशिश के मामले में जेल की सजा सुनाई गई है। स्ट्रैथमोर और किंगहॉर्न के वर्तमान अर्ल साइमन बोवेस-लियोन ने ब्रिटिश महारानी की मां के घर ग्लेमिस कैसल में पिछले साल आयोजित एक समारोह के दौरान यह हरकत की थी। उस समय पीड़ित महिला एक कमरे में सो रही थी। रिपोर्ट के अनुसार, 34 साल के साइमन बोवेस-लियोन ने करीब 20 मिनट तक उस महिला के साथ जबरदस्ती करने की कोशिश की। उन्होंने उस महिला को कई बार पकड़ने की भी कोशिश की। महिला ने आरोप में बताया कि उस दौरान स्ट्रैथमोर और किंगहॉर्न के अर्ल खूब शराब भी पीये हुए थे। उन्होंने महिला के नाइट ड्रेस को भी फाड़ने की कोशिश की थी। महिला ने पूरी ताकत से अर्ल का विरोध किया और उन्हें ऐसा करने से मना कर दिया। जिसके बाद भड़के हुए अर्ल ने असभ्य, मतलबी, बुरा और भयानक महिला जैसे बुरे विश्लेषणों से छलनी किया।

गुरुद्वारा ननकाना साहिब में तोड़फोड़ मामले में तीन दोषियों को दो साल कैद की सजा

लाहौर, (एजेंसी)। पाकिस्तान स्थित पंजाब प्रांत में सिखों के पवित्र स्थल गुरुद्वारा ननकाना साहिब में तोड़फोड़ मामले में यहां की आतंकवाद निरोधी अदालत ने तीन लोगों को दोषी करार देते हुए दो साल तक की जेल की सजा सुनाई है। जनवरी, 2020 में एक हिंसक भीड़ ने गुरुद्वारे पर हमला कर दिया, उस पर पत्थर फेंके और इसे नष्ट करके इस्लामिक तीर्थ स्थान बनाने की धमकी दी थी। गुरुद्वारा ननकाना साहिब को गुरुद्वारा जन्म स्थान के नाम से भी जाना जाता है। यह स्थान लाहौर के निकट है और यहीं सिखों के पहले गुरु, गुरु नानक देव का जन्म हुआ था। अदालत के एक अधिकारी ने बताया, मंगलवार को लाहौर की एक आतंकवाद रोधी अदालत ने मुख्य आरोपी इमरान चिश्ती को दो साल की सजा सुनाई और 10,000 पाकिस्तानी रुपये का जुमार्ना भी लगाया। वहीं दो अन्य आरोपी मोहम्मद सलमान और मोहम्मद अहमद को भी दोषी करार दिया गया और उन्हें छह महीने की सजा सुनाई गई। वहीं चार अन्य आरोपी सबूतों के अभाव में रिहा हो गए। सजा सुनाए जाने के दौरान अदालत में इस मामले से जुड़े सभी संदिग्ध मौजूद थे। आरोपियों के दोषी साबित होने की स्थिति में धार्मिक तत्वों द्वारा किसी भी विरोध प्रदर्शन से निपटने के लिए भी यहां सुरक्षा के कड़े इंतजाम किए गए थे। चिश्ती मत्स्य विभाग में काम करनेवाला सरकारी कर्मचारी है। उसे और अन्य संदिग्धों को आतंकवाद और ईशनिंदा के आरोप में पिछले साल हमले के बाद गिरफ्तार किया गया था। प्राथमिकी के अनुसार चिश्ती पर धर्म के नाम पर हिंसा भड़काने का आरोप था। वह इसके जरिए पारिवारिक मुद्दे को निपटाना चाहता था और उसने ननकाना शहर में काननू-व्यवस्था की दिक्कतें पैदा कीं। दोषी चिश्ती मोहम्मद हसन का बड़ा भाई है। हसन ने सिख धर्म से ताल्लुक रखने वाली एक किशोरी जगजीत कौर से कथित तौर पर उसका अपहरण करने और उसका धर्म परिवर्तन कराने के बाद शादी की थी। इस मुद्दे को लेकर ननकाना साहिब के मुस्लिम और सिख आमने-सामने आ गए थे। चिश्ती ने दावा किया था कि हसन को पुलिस ने वैध और मर्जी से गुरुद्वारे की ग्रंथी की लड़की से शादी करने पर पीटा था। वह लाहौर के दारूल अमन (सरकारी आश्रय गृह) में रह रही है और उसका नाम आयशा है और उसने कथित तौर पर अब वापस धर्म परिवर्तन करने और घर लौटने से इनकार कर दिया है।

सीएटल में आये तूफान के बाद बोइंग के पार्किंग में पड़े खंभे।

वैक्सीन के बाद भी हर्ड इम्युनिटी की संभावना नहीं, चीन में फिर बिगड़े हालात : डब्ल्यूएचओ

बीजिंग, (एजेंसी)। कोरोना संक्रमण के खिलाफ दुनिया के कई देशों में इमरजेंसी और मास वैक्सीनेशन शुरू कर दिया गया है। हालांकि विश्व स्वास्थ्य संगठन ने यह कहकर सबको चौंका दिया है कि म्यूटेटेड कोरोना वायरस और दुनिया के हालातों के मद्देनजर फिलहाल दुनिया में कहीं भी हर्ड इम्युनिटी की संभावना नजर नहीं आ रही है। उधर चीन में कोरोना वायरस के कारण फिर से गंभीर हालात को देखते हुए लॉकडाउन की अवधि को बढ़ा दिया गया है। बीजिंग के करीब स्थित प्रांत में होने वाली बड़ी राजनीतिक कॉन्फ्रेंस को भी टाल दिया गया।

दरअसल, बीजिंग के दक्षिण में स्थित गुआन शहर के निवासियों को मंगलवार से घर के भीतर ही रहने के निर्देश दिए गए हैं। यह निर्देश सात दिनों के लिए है, जो देश भर के विभिन्न प्रांतों में विशेषकर वुहान में लागू किया गया है। वुहान में पिछले साल महामारी की शुरूआत के बाद 11 मिलियन लोगों को 76 दिनों के लिए लॉकडाउन के तहत घरों में बंद कर दिया गया था। हेबेइ में हर साल फरवरी में होने वाले पीपुल्स कांग्रेस और इसकी एडवाजरी बॉडी की मीटिंग को भी टाल दिया। अभी यह स्पष्ट नहीं है कि ये राजनीतिक कॉन्फ्रेंस दोबारा कब होगी। पिछले साल चीन में मार्च में होने वाले नेशनल पीपुल्स कांग्रेस और इसकी एडवाइजरी की बैठक को मई तक टाल दिया था। इसके सत्र की अवधि को कम कर दिया गया। हेबेइ के प्रांतीय स्वास्थ्य आयोग ने मंगलवार को 40 नए मामले रिपोर्ट किए। एक मीडिया ब्रीफिंग में डॉ सौम्या स्वामीनाथन ने कहा कि निकट भविष्य में कई देशों को कोरोना का प्रसार रोकने के लिए शारीरिक दूरी समेत अन्य सख्त उपायों को अपनाना होगा। ब्रिटेन, अमेरिका, फ्रांस, कनाडा, जर्मनी, इजरायल और नीदरलैंड समेत अनेक देशों ने अपने नागरिकों को कोरोना का टीका लगाना शुरू कर दिया है। डॉ स्वामीनाथन ने कहा कि भले ही वैक्सीन संवेदनशील लोगों की रक्षा करना शुरू कर दे, लेकिन 2021 में हम हर्ड इम्यूनिटी विकसित नहीं कर पाएंगे। अगर कुछ जगहों या कुछ देशों में ऐसा होता है, तो भी यह दुनियाभर के लोगों की रक्षा करने वाला नहीं है। वैज्ञानिक के अनुसार हर्ड इम्यूनिटी के लिए लगभग 70 फीसदी टीकाकरण दर की आवश्यकता होती है।

ट्विटर प्रमुख ने ट्रंप पर लगे प्रतिबंध का किया बचाव

सैन फ्रांसिस्को, (एजेंसी)। सोशल मीडिया प्लेटफार्म ट्विटर के मुख्य कार्यकारी अधिकारी (सीईओ) जैक डोर्सी ने अपनी चुप्पी तोड़ते हुए कंपनी द्वारा अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प के अकाउंट पर प्रतिबंध लगाने के निर्णय का बचाव किया है और इसे सही फैसला बताया है। हालांकि, उन्होंने आगाह किया कि यह एक खतरनाक उदाहरण कायम कर सकता है। डोर्सी ने कहा कि यह प्रतिबंध वैश्विक सार्वजनिक बातचीत के लिए एक खुली और स्वस्थ जगह बनाने में ट्विटर की विफलता को दिखाता है। हालांकि कंपनी के सह-संस्थापक ने यह नहीं बताया कि ट्विटर या ऐसी अन्य बड़ी कंपनियां भविष्य में इस तरह के विकल्पों से कैसे बच सकती हैं।

दिल्ली के लोगों को मुफ्त में वैक्सीन उपलब्ध कराएंगे : केजरीवाल

नई दिल्ली, (संवाददाता)। कोरोना वैक्सीन को लेकर मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल ने कहा कि मुझे खुशी है कि 16 जनवरी से दिल्ली में वैक्सीन लगनी चालू हो जाएगी। सबसे पहले कोरोना योद्धा, जो स्वास्थ्यकर्मी हैं, उनको वैक्सीन दी जाएगी, उसके बाद फ्रंटलाइन वर्कर्स को वैक्सीन दी जाएगी। मैं उम्मीद करता हूं कि पिछला एक साल जो बहुत ही तकलीफ में गुजरा है, वैक्सीन के आने से लोगों को राहत मिलेगी और कोरोना से सब लोगों को छुटकारा मिलेगा। मैं सभी लोगों से अपील करना चाहता हूं कि कोरोना वैक्सीन के बारे में कोई भ्रांति न फैलाई जाए। मैं समझता हूं कि केंद्र सरकार ने और हमारे वैज्ञानिकों ने सभी प्रोटोकॉल्स और सुरक्षा से संबंधित सभी बचाव का अनुसरण किया है। उन सभी सेफगार्ड्स का अनुसरण करके यह दवाई लाई गई है। इसलिए किसी के मन में किसी तरह की कोई भी शंका नहीं होनी चाहिए।

सीएम केजरीवाल ने कहा कि मैंने केंद्र सरकार से अपील की थी कि हमारा देश बहुत गरीब है। इस तरह की महामारी 100 साल में पहली बार आई है। इससे पहले 1918 में इस तरह की महामारी आई थी और अब 100 साल के बाद इस तरह की महामारी आई है। बहुत सारे लोग हैं, जो हो सकता है कि इस दवा की कीमत देने में समर्थ न हों। इसलिए मेरी केंद्र सरकार से अपील थी कि पूरे देश में सभी लोगों को यह वैक्सीन मुफ्त उपलब्ध कराई जाए। हम देखते हैं कि केंद्र सरकार क्या करती है केंद्र सरकार अगर मुक्त वैक्सीन नहीं उपलब्ध कराती है और अगर दिल्ली के लोगों के लिए जरूरत पड़ती है, तो हम कम से कम दिल्ली के लोगों को मुफ्त में वैक्सीन उपलब्ध करवाएंगे।

नई दिल्ली में मकर संक्रांति, गुड़ी पड़वा और पोंगल के अवसर पर कोविड-19 मुक्त दुनिया के लिए नई दिल्ली जिला मजिस्ट्रेट कार्यालय द्वारा आयोजित पतंग उत्सव में भाजपा नेता विजय गोयल ने पतंग उड़ाई।

दिल्ली के मुर्गों के 100 नमूने मिले नेगेटिव, केजरीवाल सरकार ने ली राहत की सांस

नई दिल्ली । राजधानी दिल्ली में फैले बर्ड फ्लू के दौरान दिल्ली मे सत्तासीन आम आदमी पार्टी सरकार और मुर्गा कारोबारियों को बुधवार को कुछ राहत मिली है। दरअसल, जालंधर (पंजाब) भेजे गए गाजीपुर मंडी के मुर्गों के (पाल्ट्री बर्ड) के 100 नमूने नेगेटिव मिले हैं। ये नमूने 35 मुर्गों से लिए गए थे। दिल्ली सरकार का पशुपालन विभाग जांच के लिए विभिन्न पक्षियों के अभी तक 158 नमूने भेज चुका है। इसमें 18 नमूने मंगलवार को भेजे गए थे। कुल 108 नमूनों की रिपोर्ट आ चुकी है।

दिल्ली के अतिरिक्त मुख्य सचिव ने ली बैठक- बर्ड फ्लू पर आम आदमी पार्टी सरकार गंभीरता से नजर गड़ाए हुए है। सावधानी के मद्देनजर दिल्ली के अतिरिक्त मुख्य सचिव सत्यगोपाल ने बर्ड फ्लू को लेकर बुधवार को बैठक ली। बैठक में पशुपालन विभाग, तीनों नगर निगम, नई दिल्ली नगरपालिका परिषद, लोक निर्माण विभाग, परिवहन विभाग व राजस्व विभाग के अधिकारियों के साथ वीडियो कान्फ्रेंसिंग पर सभी डीएम शामिल हुए। अतिरिक्त मुख्य सचिव ने उन सभी दिशा निर्देशों का अनिवार्य रूप से पालन करने के लिए कहा गया है, जो मुख्य सचिव ने मंगलवार की बैठक में दिए थे। अतिरिक्त मुख्य सचिव ने दिल्ली की सीमाओं पर विशेष रूप से सख्ती बरतने के निर्देश दिए हैं। हेल्पलाइन पर शिकायतें जारी बुधवार को सरकार की हेल्पलाइन पर 150 से यादा कॉल आईं। हेल्पलाइन पर अभी तक 400 से अधिक काल आ चुकी हैं। इसमें लोगों ने कौए और कबूतर मरने की सूचना दी है। इसमें कौए से यादा कबूतर के मृत मिलने की शिकायत मिली।

वहीं, बाहरी दिल्ली के रोहिणी इलाके में बगुला मरा मिलने से हड़कंप मच गया। दरअसल, यहां के रोहिणी में एक बगुला भी मृत मिला। पशुपालन विभाग ने इसका नमूना लेकर जांच के लिए भेज दिया। सरकार ने जलशाय वाले पार्कों में पक्षियों की निगरानी बढ़ाने के निर्देश दिए हैं।

दिल्ली में कोरोना के 357 नए मामले आए, 11 और मरीजों की मौत

नयी दिल्ली, (संवाददाता)। दिल्ली में कोविड-19 के 357 नए मरीज सामने आने के बाद महामारी के मामले 6.31 लाख के पार चले गये जबकि संक्रमण दर घटकर 0.50 फीसद हो गयी। अधिकारियों ने यह जानकारी दी। यह जनवरी में दसवीं बार है जब दैनिक मामले 500 से कम आए हैं। अधिकारियों ने बताया कि इस बीमारी से 11 और मरीजों की मौत होने से मृतकों की संख्या 10,718 हो गई। एक जनवरी को दिल्ली में कुल 585 मामले दर्ज किए गए, जबकि दो जनवरी को 494 नए, तीन जनवरी को 424, चार जनवरी को 384, पांच जनवरी को 442, छह जनवरी को 654, सात जनवरी को 486, आठ जनवरी को 444, नौ जनवरी को 519, 10 जनवरी को 399 , 11 जनवरी को306 और 12 जनवरी को 386 नए मामले सामने आए थे। दिल्ली में उपचाराधीन मरीजों की संख्या 2991 रही जबकि संक्रमण दर घटकर 0.50 फीसद दर्ज की गयी। दिल्ली के स्वास्थ्य मंत्री सत्येंद्र जैन ने कहा था कि पिछले सात दिनों में संक्रमण दर एक फीसद के नीचे है जो यहां इस महमारी की स्थिति में सुधार का संकेत है। दिल्ली स्वास्थ्य विभाग द्वारा जारी नवीनतम बुलेटिन के अनुसार, 37,812 आरटी-पीसीआर जांच और 32,933 रैपिड एंटीजन जांच सहित पिछले दिन की गईं 70,745 जांचों के बाद ये 357 नए मामले सामने आए। बुलेटिन में कहा गया कि राष्ट्रीय राजधानी में कोरोना वायरस मामलों की कुल संख्या बढ़कर 6,31,249 हो गई है।

चांदनी चौक का हनुमान मंदिर बनाने की मांग को लेकर सुप्रीम कोर्ट पहुंचे भक्त

नई दिल्ली । दिल्ली के चांदनी चौक में गत तीन जनवरी को ढहाए गए हनुमान मंदिर के मामले में सुप्रीम कोर्ट में याचिका दाखिल हुई है। याचिकाकर्ताओं ने स्वयं को हनुमान भक्त बताते हुए पांच दशक पुराना हनुमान मंदिर तोड़े जाने से धार्मिक भावनाएं आहत होने की बात कही है। मंदिर तोड़ने को हरी झंडी देने वाले दिल्ली हाई कोर्ट के आदेश को चुनौती देते हुए याचिका में तोड़े गए हनुमान मंदिर को चांदनी चौक में ही सुंदरीकरण योजना के तहत दोबारा स्थापित करने की मांग की गई है।

सुप्रीम कोर्ट में यह याचिका दिल्ली के रहने वाले जितेंद्र सिंह सहित चार लोगों ने वकील विष्णु शंकर जैन के जरिये दाखिल की है। याचिका में दिल्ली हाई कोर्ट के 30 अप्रैल, 2015 और 20 नवंबर, 2020 के आदेश को चुनौती दी गई है। 30 अप्रैल, 2015 को हाई कोर्ट ने दिल्ली सरकार और उत्तरी दिल्ली नगर निगम को चांदनी चौक में अवैध रूप से बनाए गए धार्मिक स्थलों को हटाने का आदेश दिया था। 20 नवंबर, 2020 को हाई कोर्ट ने श्री मनोकामना सिद्ध श्री हनुमान सेवा समिति की मंदिर बचाने के लिए दाखिल अर्जी खारिज कर दी थी।

याचिका में कहा गया है कि मंदिर ढहाने से पहले कानून में तय प्रक्रिया का पालन नहीं किया गया, जिससे याचिकाकर्ताओं के पूजा के अधिकार बाधित हुए हैं। हाई कोर्ट ने आदेश देते वक्त इस पर ध्यान नहीं दिया कि वह मंदिर पांच दशक पुराना था। कहा गया है कि दिल्ली सरकार और नगर निगम को इम्प्रूवमेंट स्कीम सहित मास्टर प्लान और जोनल प्लान तैयार करने का अधिकार है। प्रविधानों के मुताबिक दिल्ली सरकार और नगर निगम सुंदरीकरण और इम्प्रूवमेंट योजना में इस मंदिर को समायोजित कर सकते थे।

इस मामले में धार्मिक समिति ने नई सुंदरीकरण योजना में इस मंदिर और अन्य धार्मिक स्थलों को समायोजित करने की योजना तैयार की थी, लेकिन हाई कोर्ट ने इन प्रविधानों पर ध्यान दिए बगैर कह दिया कि धार्मिक कमेटी को सुंदरीकरण योजना में धार्मिक स्थलों को शामिल करने का अधिकार नहीं है। याचिका में हाई कोर्ट के आदेशों को रद करने की मांग की गई। हनुमान मंदिर को फिर स्थापित करने का अंतरिम आदेश भी मांगा गया है। दिल्ली सरकार और नगर निगम को चांदनी चौक सुंदरीकरण योजना लागू करने से रोकने की मांग की गई है।

सफदरजंग अस्पताल के नर्सिंग रूम में लगी आग

नई दिल्ली, (संवाददाता)। देश की राजधानी दिल्ली के बड़े अस्पतालों शुमार सफदरजंग से खबर आ रही है कि वहां आग लग गई, जिस पर समय रहते काबू पा लिया गया है। इस आग के चलते किसी के हताहत होने की खबर नहीं है। वहीं, इस आग से कितनी आर्थिक हानि हुई है इसका पता पूरी जांच के बाद ही चल पाएगा। सफदरजंग अस्पताल के नर्सिंग रूम में शॉर्ट सर्किट के कारण अचानक आग लग गई। वहीं, दिल्ली दमकल विभाग के अधिकारी के मुताबिक दोपहर एक बजकर करीब 18 मिनट पर नर्सिंग रूम में अचानक आग लगने की सूचना मिली थी। मौके पर मौजूद अस्पताल कर्मचारियों और पुलिस के जवानों द्वारा तत्काल आग को बुझाया गया। दमकल विभाग को सूचित किए जाने के करीब पांच मिनट के अंदर ही उस आग पर काबू पा लिया गया था। बताया जा रहा है कि शॉर्ट सर्किट की वजह से निकली चिंगारी के चलते अस्पताल की चौथी मंजिल पर स्थित नर्सिंग रूम में आग लगी थी। आग मामूली इसलिए अस्पताल में मौजूद कर्मचारियों ने ही इस पर काबू पा लिया। इससे पहले 16 सितंबर को भी दिल्ली के सफदरजंग अस्पताल में भीषण आग लग गई थी। इस दौरान अस्पताल में आग लगने की सूचना मिलते ही चारों ओर अफरा-तफरी मच गई थी। घटना की सूचना मिलते ही मौके पर पहुंचीं दमकल की आधा दर्जन से अधिक गाड़ियों ने आग पर काबू पाया था। दरअसल, आग अस्पताल में स्थित कचरे के प्लांट में लगी थी। इस आगजनी में कोई नुकसान नहीं हुआ था। वहीं, आग लगने के कारणों का पता भी नहीं चल सका था।

हेमा मालिनी के बयान पर राघव चड्ढा ने कसा तंज

नई दिल्ली, (एजेंसी)। किसान आंदोलन को लेकर बीजेपी सांसद और एक्ट्रेस हेमा मालिनी के एक बयान पर आप नेता राघव चड्ढा ने तंज कसा है। राघव चड्ढा ने कहा कि हेमा मालिनी जी किसानी के बारे में कितना जानती हैं ये पूरा देश जानता है। कमाल है कि वे समझ रही है कि इन कानूनों से किसानों को क्या फायदा होगा लेकिन देश का एक भी किसान नहीं समझ रहा है। ये फायदा देश के 2-3 उद्योगपतियों को होगा। बता दें कि हेमा मालिनी ने किसान आंदोलन को लेकर कहा था कि इस प्रदर्शन में शामिल तमाम लोगों को पता भी नहीं है कि उन्हें कृषि कानूनों के किन प्रावधानों से आपत्ति है। हेमा मालिनी ने कहा था कि वह यह भी नहीं जानते हैं कि आखिर किसान बिलों को लेकल उनकी समस्या क्या है। इससे पता चलता है कि वे लोग आंदोलन इसलिए कर रहे हैं क्योंकि उन्हें इसके लिए कहा गया है। हेमा मालिनी के पति और अभिनेता धर्मेंद्र की ओर से किसान आंदोलन को लेकर ट्वीट करने और फिर उसे डिलीट करने पर भी कुछ लोगों ने उन पर हमला बोला था। इस पर जवाब देते हुए धर्मेंद्र ने कहा था कि आप जैसे लोगों की वजह से ही मैंने ट्वीट डिलीट किया था। कुमार विश्वास ने ट्विटर पर हेमा मालिनी की ओर से दिए बयान को रीट्वीट करते हुए तंज कसा है, उनकी अपील है कि उन्हें हम मदद करें, चाकू की पसलियों से गुजारिश तो देखिये ! इससे पहले भी कुमार विश्वास किसान आंदोलन को लेकर मुखरता से अपनी बात रखते रहे हैं। पिछले दिनों बारिश की एक खबर को लेकर कुमार विश्वास ने लिखा था, हे इंद्रप्रस्थ अधिपति, हे इंद्रदेव ! आपको पता तो है कि किसानों के लिए बेहद कष्टकर है आपका ये अकारण-कौतुक ! फिर भी यह सब भूमिपुत्रों के पसीने पर अपनी अहमन्यताओं से बबार्दी का पानी फेरने वाले इंद्रासनों में थोड़ी सी करुणा कब जागेगी हेमा मालिनी के सौतेले बेटे सनी देओल भी बीजेपी से सांसद हैं और उन्होंने एक ट्वीट में कहा था कि कुछ लोग इस मूवमेंट का लाभ उठाने की कोशिश कर रहे हैं। यह मसला किसानों और सरकार के बीच का है, दोनों को इस पर आपसी बातचीत से मामला निपटाना चाहिए।

गणतंत्र दिवस के कार्यक्रम में 321 विद्यार्थी और 80 लोक कलाकार प्रस्तुति देंगे

नई दिल्ली, (एजेंसी)। राष्ट्रीय राजधानी दिल्ली के राजपथ पर गणतंत्र दिवस के अवसर पर आयोजित परेड के सांस्कृतिक कार्यक्रम में यहां के चार विद्यालयों के 321 विद्यार्थी और कोलकाता के 80 लोक कलाकार प्रस्तुति देंगे। रक्षा मंत्रालय ने बताया कि कोलकाता के ईस्टर्न जोनल कल्चरल सेंटर (पूर्वी आंचलिक सांस्कृतिक केंद्र) से कलाकारों का चयन हुआ है। वहीं, डीटीईए सीनियर सेकेंडरी स्कूल, माउंट आबू पब्लिक स्कूल, विद्या भारती स्कूल, गर्वन्मेंट गर्ल्स सीनियर सेकेंडरी स्कूल के विद्यार्थियों का चयन सांस्कृतिक प्रस्तुति के लिए हुआ है। कोविड-19 के मद्देनजर कार्यक्रम में हिस्सा लेने वाले बच्चों और कलाकारों की संख्या में कटौती हुई है। पिछले साल जहां 600 से ज्यादा बच्चों और कलाकारों ने हिस्सा लिया था, वहीं इस साल यह संख्या 401 है। बयान में बताया गया है कि गवर्नमेंट गर्ल्स सीनियर सेकेंडरी स्कूल के 102 विद्यार्थी हम फिट तो इंडिया फिट के विषय पर कार्यक्रम की प्रस्तुति देंगे। यह प्रस्तुति प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी द्वारा अगस्त, 2019 में शुरू किए गए फिट इंडिया मुवमेंट से प्रेरित है। वहीं डीटीईए सीनियर सेकेंडरी स्कूल के 127 बच्चे तमिलनाडु के लोक नृत्य की प्रस्तुति पारंपरिक परिधान में देंगे। माउंट आबू पब्लिक स्कूल और विद्या भारती स्कूल के बच्चे आत्मनिर्भर भारतः विजन ऑफ सेल्स रिलायंट इंडिया कार्यक्रम में हिस्सा लेंगे। वहीं 80 लोक कलाकार कालाहांडी के लोक नृत्य बजाशाल की प्रस्तुति देंगे।

राम मंदिर निर्माण के लिए शुरू हुआ निधि समर्पण, विश्व के सबसे बड़े अभियान पर रहेगी गृह मंत्रालय की नजर

नई दिल्ली । अयोध्या में भव्य राममंदिर निर्माण के लिए वैसे तो विश्व हिंदू परिषद (विहिप) ने देशव्यापी निधि समर्पण महाभियान शुरू किया है, पर इस पर देश के गृहमंत्रालय की भी निगरानी रहेगी। मंत्रालय यह आश्वस्त करेगा कि विश्व के सबसे बड़े इस अभियान में कोई असमाजिक तत्व गड़बड़ी न कर सकें। गृह मंत्रालय से मदद के लिए विहिप ने खुद ही उससे संपर्क साधा है।

मकर संक्रांति से 45 दिनों का यह महाभियान ऐसे वक्त में आरंभ हुआ है जब देश में इंटरनेट मीडिया, फर्जी काल व एसएमएस के माध्यम से लोगों से ठगी की शिकायतें बढ़ी है। खुद इस अभियान के नाम पर देश के कुछ भागों से फर्जी तरीके से चंदा वसूलने के भी मामले सामने आए हैं।

लोगों को किया जा रहा जागरूक

ऐसे में रामभक्तों के साथ विहिप में इसकी चिंता देखी जा रही है। विहिप व श्री राम जन्मभूमि तीर्थ क्षेत्र ट्रस्ट द्वारा अपनी वेबसाइट के साथ ही अधिकारिक फेसबुक, ट्विटर व यूट्यूब पेज के माध्यम से भी लोगों को अभियान के बारे में नियमित तौर पर जागरूक कर रहा है। उनसे जरूरी सूचनाओं के साथ बैंक अकाउंट और निधि समर्पण के माध्यमों की जानकारी दी जा रही है।

विश्व का सबसे बड़ा अभियान

विहिप के कार्याध्यक्ष आलोक कुमार ने कहा कि इतना बड़ा अभियान है। सवा पांच करोड़ गांवों में 65 करोड़ से अधिक लोगों से संपर्क साधा जाना है।

ऐसे में गड़बड़ियों की आशंका से इंकार नहीं किया जा सकता है। कुछ असमाजिक तत्व गड़बड़ी कर सकते हैं। इंटरनेट मीडिया में कुछ गलत सूचनाएं प्रसारित हो सकती है, जिससे समाज में भ्रम फैलाने की कोशिश होगी। इसलिए भी गृह मंत्रालय से संपर्क साधा गया है।

कार्यकर्ता भी रखेंगे नजर-

अभियान के लिए विहिप ने कैलाश कालोनी में केंद्रीय समन्वय कार्यालय बनाया है, जहां आइटी की सशक्त टीम भी इलेक्ट्रानिक माध्यमों से गड़बड़ियों पर नजर रखेगी। इसी तरह देशभर के कार्यकर्ताओं को भी जमीनी स्तर पर ऐसी गड़बड़ी पर नजर रखने को कहा गया है। आलोक कुमार ने कहा कि अभियान में जुटे 10 लाख से अधिक कार्यकर्ता इसके लिए चौकन्ने रहेंगे। उन्होंने आग्रह करते हुए कहा कि किसी भी गड़बड़ी से बचने के लिए लोग विहिप व ट्रस्ट की वेबसाइट व इंटरनेट मीडिया के अधिकारिक पेज से सही जानकारी लें तथा गड़बड़ी होने पर तत्काल पुलिस व विहिप के स्थानीय संगठन को सूचित करें।

सीएए के विरुद्ध प्रदर्शनों की वीडियो प्रति मुहैया कराने वाली याचिका सुनवाई योग्य नहीं

नई दिल्ली, (एजेंसी)। देश की राजधानी दिल्ली में पुलिस ने दिल्ली हाईकोर्ट से कहा कि जवाहरलाल नेहरू यूनिवर्सिटी (जेएनयू) छात्रा और पिंजड़ा तोड़ अभियान की कार्यकर्ता तथा उत्तर पूर्वी दिल्ली में हुए दंगों के एक मामले में आरोपी देवांगना कलिता की नागरिकता संशोधन विधेयक (सीएए) के खिलाफ प्रदर्शनों की वीडियो की प्रति मुहैया कराने का अनुरोध करने वाली याचिका सुनवाई योग्य नहीं है। दिल्ली पुलिस की ओर से पेश हुए अतिरिक्त सॉलिसिटर जनरल एस वी राजू ने न्यायमूर्ति सुरेश के. कैत के समक्ष याचिका के सुनवाई योग्य होने या नहीं होने का मामला उठाया। अदालत ने कहा कि प्रतिवादी (पुलिस) को याचिका के सुनवाई योग्य होने या नहीं होने के संबंध में एक सप्ताह में शपथपत्र दायर करने दीजिए और इसके बाद यदि कोई जवाब होता है, तो उसे उसके बाद पांच दिन के भीतर दायर किया जाएगा। मामले की आगे की सुनवाई के लिए चार फरवरी की तारीख तय की गई। वकील अदित एस. पुजारी, तुषारिका मट्टू और कुणाल नेगी के माध्यम से दायर याचिका में कलिता ने सीएए के खिलाफ प्रदर्शनों के वीडियो और पुलिस के पास मौजूद अन्य इलेक्ट्रॉनिक डेटा की प्रति मुहैया कराए जाने का अनुरोध किया है, जिन्हें आरोपपत्र के साथ दायर किया गया था। कलिता अवैध गतिविधियां (निवारण) कानून के तहत न्यायिक हिरासत में है लेकिन उसे जाफराबाद क्षेत्र में दंगों के सिलसिले में जमानत मिल गई थी। संशोधित नागरिकता कानून के समर्थकों और विरोधियों के बीच संघर्ष के बाद 24 फरवरी को उत्तरपूर्वी दिल्ली में सांप्रदायिक दंगे भड़क गए थे, जिसमें कम से कम 53 लोग मारे गए और करीब 200 लोग जख्मी हो गए थे।

आप ने पंजाब के सीएम अमरिंदर सिंह को किया कटघरे में खड़ा, लगाया गंभीर आरोप

नई दिल्ली । सुप्रीम कोर्ट के हस्तक्षेप के बाद आम आदमी पार्टी ने केंद्र सरकार से तीनों कृषि कानूनों को वापस लेने की मांग की है। इस कड़ी में आम आदमी पार्टी के राष्ट्रीय प्रवक्ता और पार्टी के विधायक राघव चड्ढा ने बुधवार को प्रेसवार्ता कर कहा कि किसान विरोधी कानूनों को वापस लेने की शक्ति केंद्र की मोदी सरकार के पास है, कोई कमेटी इसे वापस नहीं करा सकती है। इसीलिए आम आदमी पार्टी केंद्र सरकार से इन तीनों कानूनों को तत्काल वापस लेने की मांग करती है।

पत्रकार वार्ता के दौरान दिल्ली जल बोर्ड के उपाध्यक्ष राघव चड्ढा ने कहा कि किसान संगठनों के साथ अब तक आठ दौर की बात हो चुकी है, लेकिन कोई निष्कर्ष नहीं निकल सका है। मोदी सरकार की नियत ठीक नहीं है, सरकार तीनों कानून वापस नहीं करना चाहती है।

राघव चड्ढा ने कहा कि किसानों को न्याय दिलाने के लिए सुप्रीम कोर्ट द्वारा गठित कमेटी में शामिल चारों सदस्य कृषि कानूनों के समर्थक हैं, इसीलिए किसानों को कमेटी के सदस्यों से न्याय की उम्मीद नहीं है। कमेटी के सदस्य बीएस मान ने इन कृषि कानूनों का समर्थन किया है, वह पंजाब के सीएम कैप्टन अमरिंदर सिंह के समर्थक और करीबी भी हैं।

राघव चड्ढा ने कहा कि मैंने विस्तार से कमेटी में शामिल चार लोगों के बारे में बताया कि पिछले छह-सात महीनों में इन तीन कानूनों के बारे में इनकी क्या प्रतिक्रिया रही है और उसके बारे में बताया। देश का किसान क्या इन चार लोगों से न्याय की उम्मीद भी कर सकता है उन्होंने कहा कि हमारी मांग है कि प्रधानमंत्री किसानों के साथ 15 जनवरी को होने वाली अगली बैठक में खुद आएं और तीनों कानूनों को रद करें।

संपादकीय

हल की तलाश में

अगले आदेश तक तीनों कृषि कानूनों के क्रियान्वयन पर रोक लगाने और इनसे जुड़ी आपत्तियों पर चर्चा के लिए चार सदस्यीय समिति के गठन का सुप्रीम कोर्ट का फैसला सराहनीय है और इसका स्वागत किया जाना चाहिए। हालांकि, आंदोलित किसानों के संगठनों ने इस समिति में शामिल सदस्यों के नाम पर आपत्ति जताई है। उन्होंने इसके आगे उपस्थित न होने और आंदोलन जारी रखने का भी एलान किया है। बहरहाल, शीर्ष अदालत के पूर्व के संकेतों और सोमवार की टिप्पणियों से उसके रुख का साफ पता चल गया था, पर सरकार अपनी भूमिका से पीछे हटने को तैयार नहीं हुई। वह चाहती, तो इस पूरे प्रकरण को एक लोकतांत्रिक मोड़ देते हुए अपने लिए उदार सरकार का श्रेय अर्जित कर सकती थी, मगर आंदोलन की शुरुआत में ही दोनों पक्षों ने ऐसा रुख अपना लिया कि बातचीत एक औपचारिकता भर रह गई। नौवें दौर में इस बातचीत का पहुंचना ही यह बता देता है कि वार्ता में लचीलापन किसी पक्ष ने नहीं दिखाया। निस्संदेह, ऐसी किसी भी स्थिति में सरकार की भूमिका बड़ी होती है, और उसी के कंधे पर अपेक्षाओं का भार भी सर्वाधिक होता है। इसमें कोई दोराय नहीं कि सरकारें अपने इकबाल से चला करती हैं और शायद यही वजह है कि केंद्र सरकार के लिए अब अपने कदम को पीछे खींचना मुश्किल है। कृषि क्षेत्र में सुधारों से संबंधित इन कानूनों के प्रति अपनी प्रतिबद्धता वह बढ़-चढ़कर जताती रही है। लेकिन यह दायित्व भी उसी का है कि इन कानूनों के फायदों को लेकर वह किसानों को आश्वस्त करे और इनमें उनका भरोसा बहाल करे। कोर्ट ने इसी अपेक्षा से सरकार को इतना वक्त भी दिया था। शीर्ष अदालत ने इन कानूनों को कुछ समय के लिए स्थगित करके दोनों पक्षों को यह मौका दिया है कि वे इस दौरान संवेदनशील नजरिया रखते हुए कोई सर्वमान्य हल तलाश सकें। किसी भी लोकतांत्रिक देश में नागरिकों को अपनी असहमति जताने और शांतिपूर्ण आंदोलन करने का हक हासिल होता है। पिछले करीब पचास दिनों से दिल्ली की सीमाओं पर आंदोलनरत किसानों ने धैर्य के साथ अब तक अपने नागरिक धर्म का निर्वाह किया है और कहीं कोई उपद्रव नहीं होने दिया। इस कंपकंपाती सर्दी में बुजुर्गों, महिलाओं और बच्चों को सड़कों पर रात बिताते देखकर देश का हरेक संवेदनशील नागरिक दुखी है और यही दुख सरकार व प्रधान न्यायाधीश की अपील में भी ध्वनित हुआ कि उन्हें फौरन घर भेजा जाए। हरेक आंदोलन की एक मीयाद होती है। किसानों को अब अदालत की कोशिश पर भरोसा करना चाहिए और उन्हें लौट जाना चाहिए। आखिरकार अदालत ने उनकी चिंताओं को समझने के लिए ही इस समिति का गठन किया है। उन्हें यह भी समझने की जरूरत है कि शीर्ष अदालत इस समिति की रिपोर्ट के आधार पर अपने अंतिम निर्णय पर पहुंचेगी। ऐसे में, उनके पास एक बेहतर मौका है कि वे अपनी पुरानी जिद छोड़कर इस समिति के सामने अपनी आपत्तियों को मजबूती से रखें, ताकि न्यायालय एक मुनासिब फैसले तक पहुंचे। किसानों को यह भी नहीं भूलना चाहिए कि उनका कोई भी अराजक प्रदर्शन न सिर्फ न्यायिक प्रक्रिया में उनके पक्ष को कमजोर करेगा, बल्कि आम लोगों में उनके प्रति अब तक जो सहानुभूति है, उसे भी चोट पहुंचाएगा।

अमेरिका का सकारात्मक रुख

भारत और अमेरिका परस्पर व्यापार को नया आयाम देंगे। एक हालिया रिपोर्ट के मुताबिक, दोनों देश व्यापार का दायरा विस्तृत करेंगे। अमेरिका की कोशिश होगी कि अपने कृषि उत्पादों की भारतीय बाजार में ज्यादा से ज्यादा पहुंच बनाए। ऐसा तभी संभव है, जब भारत के लिए सामान्यीकृत तरजीही प्रणाली (जीएसपी) को बहाल कर दिया जाए। गौरतलब है कि राष्ट्रपति ड़ोनाल्ड़ ट्रंप ने 2019 मं जीएसपी व्यापार कार्यक्रम के तहत लाभार्थी विकासशील देश के रूप में भारत का दरजा खत्म कर दिया था। बहाना बनाकर कि भारत ने अपने बाजारों को न्यायसंगत और उचित पहुंच देने का भरोसा नहीं दिया। लेकिन अब स्थितियां खासी बदल गई हैं। खास तौर पर निर्यात-व्यापार के मोर्चे पर। नये राष्ट्रपति के रूप में जो बाइड़न की ताजपोशी होने वाली है। कह सकते हैं कि दोनों देशों के बीच परस्पर व्यापार के लिएस्थितियां अब पहले से कहीं ज्यादा माकूल होंगी। हालांकि मोदी सरकार पहले ही भारतीय कृषि को वैश्विक बाजार के साथजोड़ने के लिए पिछले साल सितम्बर में तीन कानून बना कर स्थितियों को कमोबेश माकूल चुकी है। वाणिज्य एवं उद्योग मंत्री पीयूष गोयल के मुताबिक, भारत और अमेरिका के बीच सीमित व्यापार समझौते में बाधक अधिकांश मुद्दों को हल कर लिया गया है। अब अमेरिका की स्वतंत्र कांग्रेस शोध सेवा (सीआरएस) की ताजा रिपोर्ट आई है। इसमें जिक्र तो है कि दोनों देश परस्पर व्यापार को विस्तार देने पर शिद्दत से विचार कर रहे हैं, लेकिन यह खुलासा नहीं किया गया है कि वातचीत किस चरण में है। वैसे, यह रिपोर्ट आधिकारिक रिपोर्ट नहीं है। इसे विषय विशेषज्ञ अमेरिकी सांसदों को विभिन्न आयामों की जानकारी देने की गरज से तैयार करते हैं। '117वीं कांग्रेस में प्रमुख कृषि व्यापार मुद्दे' नाम की रिपोर्ट में भारत के साथव्यापार के संदर्भ में टिप्पणी की गई है। अमेरिका भारत के बाजार अपने कृषि उत्पादों के लिएज्यादा पहुंच चाहता है, तो भारत इस्पात और एल्यूमीनियम उत्पादों पर अमेरिका द्वारा लगाए गए भारी करों में छूट की मांग कर रहा है। कृषि, ऑटोमोबाइल एवं कलपुर्जों और इंजीनियरिंग जैसे क्षेत्रों में अपने उत्पादों के लिए अधिक बाजार पहुंच चाहता है। सबसे महद्मवपूर्ण बात है कि दोनों देशों के बीच परस्पर विश्वास के नये युग का आगाज होने वाला है।

प्रवीण कुमार सिंह

संतूर वाले पं. शिवकुमार

चौं रे चम्पू! का है रह्यौ ऐ?

-संगीत-सरताज पं शिवकुमार शर्मा का संतूर सुन रहा हूं। आज उनका तिरासीवां जन्मदिन है। बहुत ही सुरीला बजाते हैं चचा और सौम्य-सुरीली बातें करते हैं।

-नैंक देर कूं संतूर रोक दै! उनकी सुरीली बात बता।

-एक बार उनके और बांसुरीवादक पं. हरिप्रसाद चौरसिया के साथ सिटिंग थी। मैंने 'कॉल ऑफ द वैली' की प्रशंसा की, तो उन्होंने कहा कि उस अलबम में हम दोनों के अलावा गिटार पर स्व. ब्रजभूषण काबरा जी भी थे। रिकॉतडंग के दौरान हम तीनों के तीनों, सुर में पूरी तरह डूब गए। एक डिवाइन पल ऐसा आया कि सुरीलेपन का क्लाइमैक्स हुआ और काबराजी का गिटार चटक गया।

-तार जादा खैंच दियौ होयगौ!

-कुछ तो हुआ ही होगा! सुरों की बिजली जब दिल को छूकर गुजरती है तो गिटार पर भी गिर सकती है। चचा, उनका एक वीडियो देख रहा था। किसी ने पूछा कि इतने संगीत-साधक हैं फिर शीर्ष तक गिने-चुने ही क्यों पहुंचते हैं? उन्होंने सरल शब्दों में अपने अनुभव का सार बताया कि अनेक कारण हैं, जिनसे साधक को ऊंचाई मिलती है। सिर्फ सीखने, रियाज करने से कलाकार बनते तो लाखों कलाकार होते। देखिए, हर इलाके का खानपान अलग होता है। बचपन से ही हमारे स्वाद का एक टेम्प्रामेंट बन जाता है। इसी तरीके से, जिसने अपने बचपन में जैसा संगीत सुना, वैसा ही उसका टेस्ट बन गया। ये भाग्य की बात है कि कई लोगों को अपने गुणी गुरुओं से अच्छी किस्म का संगीत सुनने को मिला, तो उनका टेस्ट भी वैसा ही बन गया। उस किस्म के संगीत की खोज में वे निकल पड़े। गुरु ओं से सीखा। तारीफ मिली, लेकिन तारीफ को पचा नहीं पाए। यहीं से रिवर्स गियर लग जाता है। शीर्ष तक पहुंचने के लिए जो जैकपॉट लगता हैग उसके पीछे बहुत कॉम्बीनेशन होते हैं। हम पहाड़ी लोग चढ़ाई पर झुककर चढ़ते हैं, ढलान पर तनकर उतरते हैं। संगीत में अगर आप तन गए तो समझिए ढलान शुरू। रिवर्स गियर लग गया!

-तौ रात में बगीची पै लोहड़ी मनैगी! संतूर बजैगौ!! और हम नायं रोकिंगे!!!

वेलकम कमला, गुडबॉय तुलसी

अमेरिका के 40 लाख से अधिक भारतीय मूल के लोगों में दो राजनीतिक शख्सियतों के प्रति स्वाभाविक आकषर्ण रहा है। दोनों महिला हैं और एक ही दल डेमोक्रेटिक पार्टी की नेता हैं। एक ही पार्टी में होने के बावजूद घरेलू और अंतरराष्ट्रीय मामलों में उनका रवैया एकदम अलग है। इतना ही नहीं उनकी राजनीतिक प्रतिद्वंद्विता और नोंक-झोंक सुर्खियों में रही है। यह एक संयोग है कि इनमें से एक कमला देवी हैरिस 20 जनवरी को देश की पहली महिला और गैर`त व्यक्ति के रूप में उपराष्ट्रपति पद की शपथ लेंगी, जबकि तुलसी गबार्ड ने 8 वर्षो के सक्रिय और सार्थक संसदीय कार्यकाल को फिलहाल अलविदा कह दिया है। उनका कार्यकाल 3 जनवरी को पूरा हो गया। इस बार उन्होंने संसद के लिए चुनाव नहीं लड़ने का फैसला किया।

कमला विष्णु की जीवनसंगिनी हैं तो तुलसी विष्णु प्रिया हैं। भारतीयों के नामों को लेकर अमेरिका में इतनी उत्सुकता पैदा हुई कि वहां ट्विटर पर ट्रेंड करने लगा-माई नेम इज। इसमें भारतीय मूल के ही नहीं बल्कि सभी लोग अलग-अलग भाषा के नामों का मतलब बताने लगे। तुलसी और कमला पृष्ठभूमि बहुत अलग है। तुलसी राजनीति में सक्रिय होने के साथ ही अमेरिकी सेना के नेशनल गार्ड में मेजर हैं। कमला मूलत- कानून के पेशे से जुड़ी हैं। तुलसी भारतीय मूल की नहीं हैं, लेकिन आस्थावान हिन्दू हैं। तुलसी की मां कैरोल पोर्टर गबार्ड जर्मन मूल की हैं, जबकि पिता माइक गबार्ड सामोआ द्वीप की मूल निवासी प्रजाति के हैं। मां कैरोल ने वैष्णव हिन्दू धर्म में दीक्षा ली है तो पिता ने अपना कैथोलिक धर्म बनाए रखा है। बच्चों के नाम तुलसी और वृन्दावन (पुत्रियां) तथा भक्ति, जय और आर्यन (पुत्र) हैं। कमला हैरिस भारतीय मूल की हैं, उनके पिता अफ्रीका मूल के थे और मां श्यामला दक्षिण भारत के परम्परागत ब्राह्मण परिवार से थीं। कमला स्वयं बैप्टिस्ट चर्च से जुडी ईसाई हैं। गैर भारतीय होने के कारण हिन्दू होने के बावजूद तुलसी की कोई जाति नहीं है, जबकि कमला मातृ पक्ष (श्यामला गोपालन) से श्रेष्ठता का दावा करने वाली अयंगर ब्राह्मण है। इन दोनों महिला राजनीतिज्ञों को 'वीमेन ऑफ कलर' (अेत या भूरी त्वचा वाला) कहा गया। तुलसी और कमला में धार्मिक पहचान को लेकर एक बड़ा अंतर यह है कि तुलसी अपनी हिन्दू पहचान को छिपाती नहीं बल्कि हर अवसर पर उजागर करती हैं, जबकि कमला अपनी पहचान को सार्वजनिक नहीं करतीं। इसका एक व्यावहारिक कारण है। अमेरिका जैसे आधुनिक और खुले समाज में नस्ल और धर्म आज भी एक महत्त्वपूर्ण कारक है। शिक्षण संस्थाओं से लेकर समाज जीवन के हर क्षेत्र में गैर ईसाई धर्मावलम्बी को जूझना पड़ता है। राजनीति में तो यह और भी अधिक हावी है। हाल के वर्षो में हालात बदले हैं और सिलिकॉन वैली में भारतीयों की सफलता ने सकारात्मक असर डाला है। फिर भी यह यथार्थ कायम है कि मुखर हिन्दू पहचान के साथ सत्ता की सीढ़ियों पर चढ़ना बहुत दुष्कर है। अपनी उम्मीदवारी की मुहिम में तुलसी ने धार्मिक पूर्वाग्रह के इन अवरोधों का जिक्र किया था। उनके खिलाफ ईसाई कट्टरपंथियों ने ही नहीं बल्कि भारतीय मूल के लेफ्ट-लिबरल लोगों ने भी दुष्प्रचार अभियान चलाया था।

> "तुलसी और कमला में धार्मिक पहचान को लेकर एक बड़ा अंतर यह है कि तुलसी अपनी हिन्दू पहचान को छिपाती नहीं बल्कि हर अवसर पर उजागर करती हैं, जबकि कमला अपनी पहचान को सार्वजनिक नहीं करती। इसका एक व्यावहारिता कारण है। अमेरिका जैसे खुले समाज में नस्ल और धर्म आज भी एक महत्वपूर्ण कारक है। शिक्षण संस्थाओं से लेकर समाज जीवन के हर क्षेत्र में गैर ईसाई धर्मावलम्बी को जूझना पड़ता है। राजनीति में तो यह और भी अधिक हावी है."

एक आरोप यह था कि तुलसी भारत के कट्टरपंथी हिन्दू संगठनों से जुड़ी हैं। उन्हें ऐसे संगठनों और लोगों से चन्दा मिलता है। बैप्टिस्ट चर्च से जुड़े होने के कारण कमला को कभी ऐसे आरोपों का सामना नहीं पड़ा। वैसे भी वह भारत और वहां की राजनीति के बारे में अमेरिकी मुख्यधारा की सोच और रवैये को ही प्रकट करती हैं। यही कारण है कि अमेरिका में सक्रिय पाकिस्तान समर्थक और अन्य संगठन कश्मीर के बारे में बाइडेन प्रशासन से भारत के खिलाफ सख्त रवैया अपनाये जाने की आस लगाए बैठे हैं। दूसरी ओर तुलसी सऊदी अरब और कतर जैसे देशों की ओर से प्रायोजित वहाबी इस्लाम को अमेरिका ही नहीं पूरी दुनिया के लिए खतरा मानती हैं। ट्विन टावर पर हुए हमले के लिए वह सऊदी अरब सत्ता प्रतिष्ठान को जिम्मेदार ठहराती हैं। इस्लामी उग्रवाद के बारे में उनकी सोच डेमोक्रेटिक पार्टी से अलग तथा डोनाल्ड ट्रम्प से मिलती-जुलती है। पिछले वर्ष 31 जुलाई को मिशीगन राज्य के डेट्रॉइट में तुलसी और कमला के बीच ऐतिहासिक मुठभेड़ हुई। अवसर था-डेमोक्रेटिक पार्टी के संभावित उम्मीदवारों के बीच सार्वजनिक मंच पर दूसरी बहस का। मंच पर अन्य उम्मीदवारों के अलावा जो बाइडेन भी थे। कमला ने अपने परिचय में कैलिफोर्निया राज्य के अटॉर्नी जनरल के रूप में न्याय व्यवस्था सम्बन्धी अपनी उपलब्धियों को गिनवाया। साथ ही उन्होंने कहा कि वह अपनी कानूनी सोच-समझ व्हाइट हाउस में ले जाएंगी। जवाब में तुलसी ने कमला के अटॉर्नी जनरल कार्यकाल की बखिया उधेड़ दी।

तुलसी ने कहा, 'अमेरिका के लोगों को कमला की इन्हीं तथाकथित उपलब्धियों को लेकर चिंता है। कैलिफोर्निया में सैकड़ों लोगों को मारिजुआना पीने के मामूली अपराध में जेल में डाल दिया गया। दूसरी ओर जब कमला से पूछा गया कि क्या उन्होंने कभी मारिजुआना पिया है तो उन्होंने अट्टहास किया।' तुलसी का इशारा इस ओर था कि जब आप खुद ऐसा कर चुकी हैं तो किस आधार पर लोगों को जेल में डाल रही हैं। तुलसी ने इस रिपोर्ट का भी हवाला दिया कि किस प्रकार अटॉर्नी जनरल की हैसियत से कमला ने मौत की सजा पाए एक कैदी के पक्ष में आए नये सबूतों को अदालत में पेश किए जाने से रोका। बाद में अदालत ने सबूतों का संज्ञान लिया और कैदी को राहत मिली। तुलसी के इस अप्रत्याशित हमले से जहां पूरा सभागार तालियों के गूंज उठा वहीं कमला हैरिस का पसीना छूट गया। कानून व्यवस्था बनाये रखने के नाम पर कमला के जोर जबरदस्ती वाले कार्यकाल की समीक्षा होने लगी। विशेषकर कार्यकाल को भुगतने वाले अेत समुदाय के बीच उनकी साख गिरने लगी। एक समय ऐसा आया जब कमला की जनसमर्थन की रेटिंग तुलसी से भी नीचे आ गई। निराशा में कमला को मैदान से हटना पड़ा। उनकी राजनीतिक महत्त्वाकांक्षा पर लगा 'तुलसी ग्रहण' तब हटा जब जो बाइडेन ने डेमोक्रेटिक उम्मीदवारी जीतने के बाद उन्हें उपराष्ट्रपति साथी के रूप में चुना।

संसद के बाहर अब तुलसी अब अपनी युद्ध विरोधी और अन्य देशों में हस्तक्षेप नहीं करने वाली राजनीति कैसे आगे बढ़ाती हैं यह देखने वाली बात होगी। वैसे संसद भवन कैपिटोल पर हमले के कई महीने पहले ही उन्होंने चेतावनी दी थी कि देश गृह युद्ध की ओर बढ़ रहा है। नेता समाज में विभाजन पैदा कर रहे हैं, जो विस्फोटक रूप ले लेगा।

डीआरडीओ का रक्षा कवच

मुकाबले को आक्रामक सांचे में ढलती सेना

चीन की सीमा पर उसके साथ पिछले वर्ष जो तनाव शुरू हुआ था, वह अभी तक समाप्त नहीं हुआ है। गलवान घाटी में चीनी सैनिकों को माकूल जवाब देकर भारतीय सैनिकों ने अपनी ताकत का परिचय दे दिया है। चीन ने अरुणाचल प्रदेश, लद्दाख, हिमाचल प्रदेश व उत्तराखण्ड से सटी सीमा तक अपनी सैन्य तैयारी बढ़ा रखी है। चुनौती से मुकाबले को सेना के जवानों को मजबूत किया जा रहा है।

सीमा की रक्षा करने वाले जवानों को बुलेटप्रूफ जैकेट एवं माइनस डिग्री के तापमान से निपटने के लिए वर्दी जैसी मूलभूत रक्षा जरूरतों से सुसज्जित कर दिया गया है। पूर्वी लद्दाख में खून जमा देने वाली ठंड में सेना के 50000 हजार जवान तैनात हैं। इनकी रोजमर्रा की जरूरतों के लिए डीआरडीओ ने कई ऐसी जरूरी चीजें विकसित की हैं जो सैनिकों को काफी सहूलियतें प्रदान कर रही हैं। देश के पूर्वी लद्दाख, सियाचिन और कश्मीर जैसे बर्फीले व ऊंचाई वाले इलाकों में सीमा पर ठंड से जूझने वाले सेना के जवानों के लिए रक्षा अनुसंधान एवं विकास संगठन (डीआरडीओ) ने विशेष तोहफा दिया है। इनमें वातावरण को गर्म करने वाला हिम तापक और बर्फ पिघलाने वाला डिवाइस भी है। जिसके जरिए सेना का बंकर माइनस 40 डिग्री सेल्सियस तापमान में गर्म रहेगा। इस डिवाइस को डीआरडीओ की शाखा डिफेंस इंस्टीट्यूट फार फिजियोलॉजी एंड एलाइड साइंसेज ने तैयार किया है।

यह डिवाइस सोलर एनर्जी, इलेक्ट्रिसिटी और केरोसिन तीनों से चल सकती है। इससे 20 वर्ग मीटर के एरिया वाला बंकर या टेंट गर्म रखा जा सकता है। चार्जर कंट्रोलर वोल्टेज को कंट्रोल करने के साथ-साथ पंखे को भी चलाता है। यही पंखा टेंट या बंकर में गर्म हवा फैलाता है। इस डिवाइस से नीले रंग की रोशनी फैलती है जो आक्सीजन लेवल को कम नहीं होने देती। इसीलिए यह डिवाइस किसी तरह के ब्लास्ट के दौरान निकलने वाली जहरीली गैस कार्बन डाईआक्साइड से भी सैनिकों को बचाएगी। सेना ने इस डिवाइस को खरीदने के लिए 420 करोड़ रुपये का आर्डर भी डीआरडीओ को दे दिया है। इसी संस्था ने एक एलोक्रीम भी तैयार की है जो भीषण ठंड से त्वचा को होने वाले नुकसान से बचाती है। इस संस्था ने फ्लेक्सिबिल बोतल और सोलर स्नो मेल्टर भी तैयार किया है। ये दोनों चीजें जवानों को अत्यन्त ऊंचाई वाले इलाकों में पीने का पानी मुहैया कराती हैं।

लद्दाख क्षेत्र में सीमा पर टैंक व सुपरसोनिक क्रूज मिसाइल ब्रह्मोस की तैनाती कर दी गई है। सेना की आपूर्ति व्यवस्था में कोई परेशानी न आए, इसके लिए सीमा पर बिछाए सड़कों के जाल ने स्थिति को बेहतर बना दिया है। इस वर्ष कई हथियार परीक्षण के बाद सेना को सौंप दिये जाएंगे। चीन के साथ सीमा पर जारी तनाव के बीच सैन्य ताकत बढ़ाने के उद्देश्य से सेना को दस दिन से बढ़ाकर अब 15 दिनों के गहन युद्ध हेतु हथियार-गोला बारूद एकत्र रखने की छूट मिली है।

सेना की वित्तीय शक्तियों को भी बढ़ाया जा चुका है। सितम्बर 2020 में निर्णय लिया गया है कि आपातकालीन खरीद की शक्तियों का इस्तेमाल करके सेना के लिए तकरीबन 50000 करोड़ रुपये के नये हथियार खरीदे जाएं। डीआरडीओ की नयी मशीनगन परीक्षण में सफल हो चुकी है। यह गन एक मिनट में 700 राउंड फायर करती है। सेना हथियार और मिसाइल सिस्टम की खरीद कर रही है, जिससे हालात बिगड़ने पर चीन व पाक के मोर्चों पर असरदार कार्रवाई की जा सके।

खेल

नस्लीय टिप्पणी से क्रिकेट शर्मसार

भारत और ऑस्ट्रेलिया के बीच सिडनी में खेले गए तीसरे टेस्ट मैच के दौरान भारतीय खिलाड़ियों पर नस्लीय टिप्पणियों की घटनाओं ने क्रिकेट को एक बार फिर शर्मसार कर दिया है।

इस मामले में क्रिकेट ऑस्ट्रेलिया और आईसीसी दोनों ने ही सख्त रुख अपनाकर कहा है कि इस मामले में हमारी शून्य सहिष्णुता की नीति है, लेकिन भारतीय टीम के तीसरे दिन का खेल खत्म होने पर इस संदर्भ में मैच रेफरी डेविड बून और अंपायरों से शिकायत दर्ज करा देने पर भी चौथे दिन फिर से इस तरह की घटना होना दर्शाता है कि क्रिकेट ऑस्ट्रेलिया के सुरक्षा उपायों में कही न कहीं कुछ कमी रह गई। हालांकि चौथे दिन मोहम्मद सिराज के फिर से अपने ऊपर की जाने वाली टिप्पणियों की अंपायरों से शिकायत करने पर आरोपित छह दर्शकों को स्टेडियम से बाहर करने के साथ हिरासत में ले लिया गया।

क्रिकेट ऑस्ट्रेलिया इस संबंध में जांच करा रहा है और जांच की रिपोर्ट अभी आना बाकी है। क्रिकेट मैचों में खिलाड़ियों पर नस्लीय टिप्पणियां करना और उन्हें अपशब्द कहना अब आम होता जा रहा है। इसमें ऑस्ट्रेलिया, न्यूजीलैंड, दक्षिण अफ्रीका और वेस्टइंडीज जैसे देशों में मैचों के दौरान शराब पीने की अनुमति होना भी प्रमुख भूमिका निभाता है। गावस्कर कहते हैं कि चायकाल के बाद तक कुछ दर्शक नशे में धुत हो जाते हैं और वह अक्सर विपक्षी टीम के क्रिकेटरों से गाली-गलौज करते नजर आते हैं। यह मेजबान देश की जिम्मेदारी बनती है कि वह इस तरह की घटनाओं को रोके। इसके लिए न्यूजीलैंड क्रिकेट बोर्ड द्वारा 2019 में जिस तरह की कार्रवाई की गई, थी, वैसी कार्रवाई करने की जरूरत है। इस समय इंग्लैंड के लिए खेलने वाले बारबाडोज के क्रिकेटर जोफ्रा आर्चर पर पहले टेस्ट के आखिरी दिन पेवेलियन लौटते समय उनके ऊपर नस्लीय टिप्पणी की गई थी। इस पर उस दर्शक पर न्यूजीलैंड क्रिकेट बोर्ड ने 2022 तक के लिए घरेलू और अंतरराष्ट्रीय मैचों को देखने पर पाबंदी लगा दी थी।

भारतीय टीम प्रबंधन ने भले ही तीसरे दिन की घटना की शिकायत दिन का खेल खत्म होने के बाद की थी। पर आधुनिक दौर में कैमरों की सीसीटीव फुटेज निकालकर आसानी से उन दर्शकों की पहचान की जा सकती थी, लेकिन अगले दिन फिर से सिराज को बाउंड्री लाइन पर फील्डिंग करते समय दर्शकों के वर्ग द्वारा उसे 'ब्राउन डॉग' और 'बिग मंकी' कहना सुरक्षा में ढील की बात उजागर करता है। पर बाद में क्रिकेट ऑस्ट्रेलिया का घटना की जांच कराने और टीम इंडिया से इसके लिए माफी मांगने से लगता है कि ऐसी हरकत करने वालों को उनका सबक सिखाने का इरादा जरूर है। पिछले कुछ सालों से माहौल जरूर बदला है अन्यथा ऑस्ट्रेलियाई क्रिकेटर भी मैच के दौरान अपशब्द कहने में कभी पीछे नहीं रहते थे। डेरेन लीमेन ने 2002-03 में श्रीलंका के साथ वनडे सीरीज के दौरान नस्लीय टिप्पणी कर दी थी। इस पर श्रीलंका टीम की शिकायत पर उनके ऊपर पांच मैचों का प्रतिबंध लगा दिया गया था। बाद में उन्होंने अपनी गलती मानी थी और इसे अपनी जिंदगी की सबसे बड़ी भूल करार दिया था। कई बार किसी खिलाड़ी विशेष को निशाना बनाने के लिए उस पर इस तरह के आरोप लगाकर दबाव बनाने का प्रयास भी किया जाता है। 2008 में भारतीय दौरे के सिडनी टेस्ट का 'मंकी गेट' ऐसी ही घटना है। इस टेस्ट में सायमंड्स ने हरभजन सिंह पर 'मंकी' कहने का आरोप लगाया था। यह आरोप साबित नहीं किया जा सकता था, इस कारण हरभजन सिंह पर लगाए गए प्रतिबंध को वापस ले लिया गया था। जहां तक माहौल बदलने की बात है तो यह बदलाव आईपीएल की वजह से आया है।

हम सभी जानते हैं कि इस टी-20 लीग में खेलने के लिए बड़ी रकम मिलती है, इसलिए इससे कोई दूर नहीं रहना चाहता है। ऑस्ट्रेलियाई खिलाड़ी भी इसमें दिलचस्पी रखते हैं। इसलिए उनके बर्ताव में थोड़ा फर्क आ गया है। इसके बावजूद भी सिराज पर नस्लीय टिप्पणियां किए जाने पर ऑस्ट्रेलिया के स्टीव स्मिथ और डेविड वॉर्नर जैसे दिग्गज क्रिकेटर सामने नहीं आए। अब आप याद करें 2019 के विश्व कप की। इसमें भारत और ऑस्ट्रेलिया के मैच के दौरान भारतीय प्रशंसक स्टीव स्मिथ की खिंचाई कर रहे थे, क्योंकि वह गेंद से छेड़छाड़ के मामले में पाबंदी लगने के बाद यहां खेलने आए थे। इस पर भारतीय कप्तान विराट कोहली ने दर्शकों तक जाकर उनसे ऐसा नहीं करने को कहा था और उनकी खिंचाई बंद हो गई थी। इसी तरह ऑस्ट्रेलियाई खिलाड़ियों को भी अपने दर्शकों को समझाने के लिए आगे आना चाहिए।

गौरवशाली भारत के स्वामी प्रकाशक एवं मुद्रक प्रवीण कुमार सिंह द्वारा आला प्रिंटिंग प्रेस 3636 कटारा दिना बेग लाल कुआं, दिल्ली.... से मुद्रित एवं, ब्लॉक नं. 23 मकान नं. 399 त्रिलोकपुरी दिल्ली....91 से प्रकाशित संपादक -प्रवीण कुमार सिंह, टेलीफोन नं. 011.22786172 फैक्स नं. 011.22786172
RNI, No. DELHIN383334, E-mail: gauravashalibarat@gmail.com इस अंक में प्रकाशित समस्त समाचारों के पीआरबी एट के तहत

फेस्टिवल: रंग बिरंगी पतंगों से रंगा आसमान

आकाश में उड़ती दस फीट की पतंग रही मुख्य आकर्षण | स्मार्ट रोड पर काइट फेस्टिवल का आयोजन | तिल, गुड़ और आर्ट-क्राफ्ट के लगे स्टॉल

भोपाल, एजेंसी । मकर संक्रांति पर श्यामला हिल्स स्थित स्मार्ट रोड पर स्ट्रीट फॉर पीपुल्स चैजेंज के तहत गुरुवार को काईट फेस्टिवल का आयोजन किया गया। इस मौके पर स्मार्ट रोड और स्मार्ट पार्क का आसमान रंग-बिरंगी पतंगों से भर गया। कार्यक्रम का मुख्य आकर्षण आसमान में उड़ती 10 की बड़ी पतंग रही। आसमान सतरंगी पतंगों से पट गया। इसके साथ ही लोगों ने जुम्बा, सायकिलिंग, पिट्ठू सहित विभिन्न खेलों का भी लुत्फ उठाया। नगर निगम और भोपाल स्मार्ट सिटी डेवलपमेंट कॉर्पोरेशन लिमिटेड ने यह आयोजन किया था। कार्यक्रम सुबह 8 बजे शुरू हुआ। ठंड और सर्द हवाओं के बीच लोग सुबह से ही पतंगबाजी और स्ट्रीट ऑफपीपुल्स का लुत्फ उठाने पहुंचे। अलग-अलग आकार और रंगो की पतंगों से आसमान पट गया, कुछ देर के लिए तो ऐसा लग मानों आसमान में इंद्रधनुष निकल आया हो। लोगों ने पतंगों से पैंच लड़ाए और एक-दूसरे की पतंगों को काट कर पतंगबाजी का लुत्फ उठाया। दूसरी तरफ जुम्बा, क्रिकेट, बैडमिंटन, बॉलीबॉल, रस्सा कस्सी और अन्य खेलों का भी आयोजन किया गया। इसमें बड़ी संख्या में लोगों ने भाग लिया। जिसमें महिलाएं बच्चे और बुजुर्गों ने भी जोश-खरोष के साथ गतिविधियों में हिस्सा लिया। कार्यक्रम में संभागायुक्त व प्रशासक कविन्द्र कियावत, कलेक्टर अविनाश लवानिया, निगम कमिश्नर केवीएस चौधरी और स्मार्ट सिटी के सीईओ आदित्य सिंह मौजूद भी शामिल हुए।

महिलाओं के लिए मेंहदी और तिल के लड्डू

कार्यक्रम में विभिन्न तरह के स्टॉल लगाए गए, जिसमें महिलाओं के लिए निःशुल्क मेंहदी, तिल के लड्डू, गजक, गन्ने, मूंगफली, गुड़, आदि के स्टॉल रहे। इसके साथ ही हैंडी क्राफ्ट, ऑर्गन डोनेशन जागरुकता व स्वच्छता संबंधी स्टॉल भी लगाए गए। वही काइट फेस्टिवल में पतंगबाजी का आनंद उठाने में अधिकारी भी पीछे नहीं रहे। संभागायुक्त श्री कियावत सहित कलेक्टर और कमिश्नर ने भी पतंगें उड़ाई। इसके बाद अधिकारियों ने क्रिकेट और अन्य खेलों का भी लुत्फ उठाया। जबकि निगम ने स्वच्छता सर्वेक्षण 2021 के तहत ऑनलाइन स्वच्छता प्रतियोगिता आयोजित कर विजेताओं को पुरस्कार व सर्टिफिकेट दिए। ऑनलाइन प्रतियोगिताओं में जिंगल लेखन, शार्ट मूवी, वीडियो क्लिप, पोस्टर डिजाइन व स्ट्रीट प्ले जैसी प्रतियोगिताएं शामिल थीं।

मसाला फैक्टरी से मिर्च और धनिया पाउडर के लिये सेंपल

भोपाल। मिलावट से मुक्ति अभियान के तहत खाद्य सुरक्षा अधिकारियों की टीम लगातार भोपाल जिले में खाद्य पदार्थों की जांच के लिए अभियान चला रही है। बुधवार को खाद्य सुरक्षा अधिकारियों की टीम ने बैरागढ़ स्थित जय माता दी मसाला फैक्टरी और राहुल ट्रेडर्स पर छापामार कार्रवाई की। खाद्य सुरक्षा अधिकारियों की टीम ने मसाला फैक्टरी से मिर्च और धनिया पाउडर के सेंपल कलर की मिलावट की आशंका के चलते लिए। वहीं राहुल ट्रेडर्स से टीम ने काली मिर्च, कोकोनट पाउडर और तिली के सेंपल लिए।

यह सेंपल खाद्य सुरक्षा अधिकारी भोजराज सिंह धाकड़ और अरूणेश सिंह पटेल की टीम ने लिए। इसके अतिरिक्त दूसरी टीम विट्ठल मार्केट पहुंची यहां पर उन्होंने काऊ ब्वॉय रेस्टोरेंट और आमेर बेकरी से पनीर व अन्य खाद्य पदार्थ के चार सेंपल लिए। इसके बाद टीम गोविंदपुरा औद्योगिक क्षेत्र स्थित माडर्न ब्रेड फैक्ट्री पहुंची जहां से टीम ने मैदा, मॉडर्न ब्रेड, सोया पाउडर व पॉव के सेंपल लिए। टीम ने जांच करते हुए कुल 20 सेंपल लिए।

न्यू मार्केट से लिए 110 सर्विलेंस सेंपल

खाद्य सुरक्षा अधिकारियों की टीम के साथ साथ मोबाइल फू ड लैब भी रोजाना शहर की सड़कों पर दौड़ रही है। बुधवार को लैब न्यू मार्केट में घूमी। टीम ने विभिन्न दुकानों से 110 खाद्य पदार्थों के सर्विलेंस सेंपल लिए। इन सभी सेंपलों की मौके पर ही जांच की गई। कुछ सेंपल मिसब्रांडेड भी निकले। इन खाद्य पदार्थों को बेंच रहे दुकानदारों को हिदायत दी गई कि वे ऐसे खाद्य पदार्थ न बेचें। जनता से प्राप्त खाद्य पदार्थों की जांच भी 10 रुपए प्रति सेंपल के आधार पर करके दी गई।

विक्ट्री मार्च एनसीसी मुख्यालय में आज

भोपाल। भारत.पाक युद्ध 1971 में भारतीय सेनाओं की विजय के 50 वर्ष पूर्ण होने पर भारत वर्ष में निकाली जा रही स्वर्णिम विजय मशाल का शुक्रवार 15 जनवरी को प्रातः 10.30 बजे एनसीसी मुख्यालय राजभवन के पास स्वागत. अभिनंदन किया जायेगा। इस अवसर पर समारोहपूर्वक विजय मशाल को भावभीनी श्रद्धांजलि अर्पित की जायेगी।

नर्सिंग वालों के लिए रोजगार मेला

भोपाल। जिला रोजगार कार्यालय द्वारा 17 जनवरी सुबह 10 बजे से केवल नर्सिंग आवेदकों के लिए जिला रोजगार कार्यालय परिसर ईदगाह हिल्स में रोजगार मेले का आयोजन किया जा रहा है। अपोलो होम हेल्थ केयर लिमिटेड, न्यू दिल्ली में होम केयर नर्स एवं होम केयर नर्सिंग असिस्टेंट के लिए महिला एवं पुरुष आवेदक की योग्यता डिप्लोमा, जनरल नर्सिंग, बीएससी नर्सिंग, एएनएम, आयु 21 से 32 वर्ष के बीच होना चाहिए। होम केयर नर्सिंग असिस्टेंट के लिए वेतन 9 हजार से 30 हजार रुपए मासिक है। इच्छुक आवेदक बायोडाटा सहित जिला रोजगार कार्यालय में साक्षात्कार के लिए उपस्थित होंगे।

परेशानी | **बहुउद्देशीय स्वास्थ्य कार्यकर्ताओं को मिले सिर्फ वादे**

बजट भाषण में भी उठा मुद्दा फिर भी नहीं सुधर पाई वेतन विसंगति

दिया काम बंद करने का अल्टीमेटम

भोपाल, (एजेंसी)। प्रदेश के दूरस्थ ग्रामीण अंचलों में जनता को स्वास्थ्य सुविधाएं मुहैया कराने वाले बहुउद्देशीय स्वास्थ्य कार्यकर्ताओं ने सरकार को काम बंद करने की चेतावनी दे डाली है। इनका कहना है कि, वर्ष 2018 के दौरान राज्य सरकार ने अपने बजट भाषण में भी हमारी वेतन विसंगति सुधारने का उल्लेख किया था। उसके बावजूद आज तक की स्थिति में कोई सुधार नहीं हो पाया है। गुरुवार को प्रदेश के बहुउद्देशीय स्वास्थ्य कार्यकर्ता राजधानी भोपाल आए और उन्होंने एक बैठक करने के बाद यह निर्णय लिया है कि अब काम बंद कर सड़कों पर उतरना ही एकमात्र विकल्प बचा हुआ है। बहुउद्देशीय स्वास्थ्य कार्यकर्ता के संगठन का कहना है कि वर्ष 2018 में तत्कालीन स्वास्थ्य मंत्री रुस्तम सिंह ने विधानसभा के बजट भाषण में कहा था कि बहुउद्देशीय स्वास्थ्य कार्यकर्ताओं की वेतन विसंगति को सुधारा जाएगा। इसके लिए एक अलग से कमेटी बनाई जाएगी। लेकिन दुर्भाग्य है कि आज तक ना तो कमेटी बनाई गई है ना ही हमारी मांग पर कोई ध्यान नहीं दिया गया है। इनका कहना है कि सरकार ने स्वयं कहा था कि इस मामले में जल्द ही विभाग से चर्चा कर समस्या का समाधान कर लिया जाएगा। आरोप लगाया गया है कि एक प्रकार से बहुउद्देशीय स्वास्थ्य कार्यकर्ताओं के साथ छलावा किया गया है। इनका कहना है कि कोरोना जैसे संकटकाल में प्रदेश भर में कार्यरत करीब 34000 बहुउद्देशीय स्वास्थ्य कार्यकर्ताओं ने जोखिम उठाकर काम किया है। कई साथी संक्रमित भी हुए हैं। उसके बाद भी न्याय नहीं किया गया है। स्वास्थ्य कार्यकर्ताओं का कहना है कि विभाग के संविदा कर्मचारी भी सरकार से पीड़ित हैं।

चिकित्सा मंत्री के साथ हुई बैठक

प्रदेश के नर्सेज कर्मचारियों की लंबित मांगो को लेकर संघ द्वारा 6 सूत्रीय मांग पत्र विश्वास सारंग चिकित्सा शिक्षा मंत्री मध्यप्रदेश शासन को दिया गया। इस दौरान सुरेंद्र सिंह कौरव के नेतृत्व में उनसे विस्तार से मंत्रालय में प्रदेश प्रतिनिधि मंडल के साथ बिंदु बार चर्चा हुई। मंत्री ने सभी मांगो को सहानुभूति पूर्वक विचार कर एसहमति देते हुए प्रतिनिधि मंडल को अस्वासन दिया कि 1 से 6 बिंदु के मांग पत्र पर शीघ्र ही कार्यवाही कर निराकरण किया जाएगा। प्रतिनिधि मंडल में पीडी खरे, रमेश कुमार जाट, धर्मेन्द्र पाठक, सोहनलाल शर्मा, लोकेश जेम्स, केएके, हिरनखेड़े, ब्रजेश शर्मा, वीरा जोसफ बिंदा चौधरी, बीएभारती, रुबीना, शिलॉगना आदि प्रदेश प्रतिनिधि मंडल उपस्थित थे ।

अब हम करेंगे प्रदेश में चरणबद्ध संघर्ष

मध्य प्रदेश बहुउद्देशीय स्वास्थ्य कार्यकर्ता संघ के अध्यक्ष राम किशोर सिंह भदौरिया का कहना है कि, सरकार से इंसाफ न मिलने के कारण हमने बैठक में चरणबद्ध आंदोलन करने का निर्णय लिया है। 21 से 25 जनवरी तक जिला मुख्यालयों पर प्रदर्शन किया जाएगा। दूसरे चरण में प्रदेश के सभी विधायकों को ज्ञापन दिए जाएंगे। इसके बाद अगर 8 मार्च तक मांगों का निराकरण नहीं किया गया तो प्रदेश में काम बंद हड़ताल प्रारंभ कर दी जाएगी। भदौरिया का कहना है कि कोरोना संकट में काम किया है, उसके बाद भी सरकार ने हमारी समस्याओं का समाधान नहीं किया है।

संविदा नीति का भी नहीं किया पालन

संविदा कर्मचारी एवं बहुउद्देशीय स्वास्थ्य कार्यकर्ता संगठन की वरिष्ठ पदाधिकारी अलका अनुरागी का कहना है कि राज्य सरकार ने धोखे में रखा है। संविदा कर्मचारियों के लिए जो नीति बनाई गई थी। उसका भी आज तक लाभ नहीं दिया गया है। उन्होंने कहा है कि प्रदेश भर में हजारों संविदा कर्मचारी पीड़ित जनता की दिन-रात सेवा कर रहे हैं। लेकिन दुर्भाग्य की सरकार की ओर से कोई समुचित सुविधाएं मुहैया नहीं कराई जा रही है। इस कारण लगातार विरोध बढ़ रहा है।

वृद्धजन हमारी छाया, उनका हर क्षण वंदन-अभिनदंन होना चाहिए : शर्मा

प्रोटेम स्पीकर ने वृद्धजनों को किया सम्मानित

भोपाल, एजेंसी)। हर वर्ष की भांति इस वर्ष भी जय हो सेवा समिति के तत्वावधान में मकर संक्रांति के पुनीत और पावन अवसर पर रातीबढ़ स्थित सूर्य मंदिर प्रांगण में वृद्धजन सम्मान समारोह का आयोजन किया गया। मध्यप्रदेश विधानसभा के प्रोटेम स्पीकर रामेश्वर शर्मा की मुख्य आतिथ्य में आयोजित इस आयोजन में शर्मा द्वारा बड़ी संख्या में पधारे वृद्धजनों को शाल श्रीफल भेंट कर वृद्ध जनों को सम्मानित किया। सैकड़ों की संख्या में उपस्थित नागरिक बंधुओं को संबोधित करते हुए प्रोटेम स्पीकर श्री शर्मा ने कहा कि घर-परिवार-गांव-शहर के बुजुर्ग हमारी छाया हैं उनकी उपस्थिति मात्र से एक अद्भुत ऊर्जा और अनुशासन की अनुभूति होती है। शर्मा ने कहा कि प्रतीकात्मक तौर पर भले ही दिन विशेष पर यह आयोजन पिछले कई वर्षों से किया जा रहा है, परंतु यह सम्मान केवल एक दिन तक सीमित नहीं अपितु वृद्ध जनों का हर पल हर क्षण सम्मान दिया जाए, ऐसा हमारे जीवन का संकल्प होना चाहिए। शर्मा ने कहा कि इस देश में वृद्ध आश्रम खुलते जा रहे हैं, निश्चित रूप से यह हमारे लिए चिंता की बात है। समाज में संस्कारों की ज्योति का प्रकाश वृद्धजनों के अनुभव से ही प्राप्त की जा सकता है। शर्मा ने शाल श्रीफल भेंट कर वृद्धजनों के पैर पखारे और आशीर्वाद लिया।

श्रीराम मंदिर निर्माण में हर हिन्दू को जुटना है, हर घर जाएं निधि समर्पण अभियान को सफल बनाएं

समारोह में प्रोटेम स्पीकर श्री शर्मा ने कहा कि 450 वर्षों बाद आज हम हिंदुओं को यह अवसर प्राप्त हुआ है कि अब हम शान से प्रभु श्रीराम का भव्य मंदिर अयोध्या जी में बनाने जा रहे हैं। जगत नारायण प्रभु श्रीराम जिनकी कृपा आशीर्वाद से हम सब के सर पर पक्की छत है उन्हें आजाद भारत में भी हिन्दू विरोधी तथाकथित नेताओं की वजह से फटे हुए टेंट में रहना पड़ा। परंतु प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व वाली केंद्र सरकार की वजह से हमारे स्वाभिमान के प्रतीक श्रीराम लला के मंदिर निर्माण का रास्ता साफ हुआ है और अयोध्या जी में श्रीराम का भव्य मंदिर निर्माण हो रहा है। श्रीराम की कृपा से ऐसे अनेक उद्योगपति, समृद्धशाली लोग हैं, जो मंदिर निर्माण करा सकते हैं, परंतु जिस प्रकार पूरे देश के हिंदुओं की भावनाएं और एकता की दम पर मंदिर निर्माण की लड़ाई लड़ी गई उसी प्रकार हर हिन्दू के अंश से श्रीराम मंदिर का निर्माण कराया जाए यह सुनिश्चित किया गया है। शर्मा ने कहा कि 15 जनवरी से आरंभ हो रहे निधि समर्पण अभियान से जुड़ें, घर घर जाएं।

ये रहे उपस्थित : वृद्धजन सम्मान समारोह में भाजपा जिला अध्यक्ष भोपाल ग्रामीण केदार मंडलोई, मंडल अध्यक्ष मनोज कामबार, लिलेंद्र मारण, हेमंत बिरथरिया, बनवारी लाल शर्मा, बाबू लाल मस्ताना, संजय पाराशर, वीरेंद्र मारण, अखिलेश मुद्गल, अनिल सरपंच रामस्वरूप वर्मा, मुकेश रजक, सरपंच लाल सिंह मीणा, सरपंच छतर सिंह मेवाड़ा, सरपंच छितर सिंह मारण, सरपंच सुदामा अहिरवार, भारती सरपंच सरपंच पुरषोत्तम मेवाड़ा, दिनेश चंद्र पटेल, राहुल मेवाड़ा, होतम प्रजापति, घनश्याम पाटीदार, सतीश वर्मा, घनश्याम मेवाड़ा, ज्ञान सिंह भिलाला, कृष्णकांत पाल, कैलाश कुशवाह, जगदीश मालवीय, मोहन विश्वकर्मा, राजकुमार राजवंश सहित अन्य उपस्थित रहे।

प्रदेश का पहला ड्राइव इन सिनेमा बनकर तैयार

लेक व्यू भोपाल के परिसर में जल्द होगा शुभारंभ

भोपाल, एजेंसी । राजधानीवासियों और सिने प्रेमियों को सिनेमा देखने का एक नया अनुभव देने के लिए मप्र पर्यटन अब भोपाल में जल्द ही ड्राइव-इन सिनेमा शुरू करने जा रहा है, इस ड्राइव इन सिनेमा का कार्य अब अंतिम चरणों है। कुछ दिन पहले ही इसका पहला 40 मिनट का ट्रायल और टेस्टिंग हुई है। टेस्टिंग टीम द्वारा शॉर्ट फिल्म चलाई और पिक्चर और साउंड क्वालिटी चेक की गयी। 'मप्र राज्य पर्यटन विकास निगम के प्रबंध संचालक एस विश्वनाथन ने लेक व्यू रेसीडेंसी परिसर भोपाल के परिसर में जल्द ही शुरू होने जा रहे इस ड्राइव-इन सिनेमा की तैयारियों का जायज़ा लियाए विश्वनाथन ने बताया कि, ड्राइव-इन-सिनेमा में मूवी लवर्स कार में बैठकर फैमिली या फ्रेंड्स के साथ फिल्म देख सकेंगे, जिसे जल्द ही शुरू कर दिया जाएगा। होटल लेक व्यू परिसर में 90 हजार वर्गफीट में तैयार सिनेमा में विशेष स्क्रीन, हाईटेक साउंड इंस्टॉल है। श्री विश्वनाथन ने आगे बताया कि, इस परिसर में 100 वाहनों की क्षमता है, 100 कारें एक शो में खड़ी हो सकेंगी, परिसर में वृहद स्क्रीन के लिए 70 गुणा 30 की आरसीसी स्ट्रक्चर पर ब्रिक्स वॉल बनाई गई है और एक प्रोजेक्शन रूम भी निर्मित किया जा रहा है। इस परिसर में 100 वाहनों के अलावा लगभग 100 लोगों के बैठकर देखने की व्यवस्था भी की गई है। इसके लिए लेक व्यू परिसर आगे की ओर 100 चियर्स भी लगाई जा रही हैं, जहां से सिने प्रेमी मूवी लवर्स आराम और सुविधाजनक ढंग से सिनेमा देख सकेंगे। परिसर में लगभग 1000 स्क्वायर फीट में एक फूड कोर्ट भी बनाया जा रहा है, जहां से मूवी लवर्स अपने मनपसंद फूड का मजा ले सकेंगे, इसके साथ ही यहां जनसुविधा टॉयलेट आदि की निर्माण किया गया है, साथ ही परिसर में दो गेट भी बनाये गए हैं।

युवाओं का बडवे लिमिटेड अहमदाबाद में हुआ चयन

भोपाल, (एजेंसी)। शासकीय संभागीय औद्योगिक प्रशिक्षण संस्था गोविंदपुरा द्वारा ऑनलाइन चयनित आईटीआई उत्तीर्ण प्रशिक्षणार्थियों को गुरुवार को संस्था से बस द्वारा रवाना किया गया। चयनित युवा बडवे लिमिटेड अहमदाबाद, गुजरात में प्रशिक्षण प्राप्त करेंगे।

जिला पंचायत सीईओ विकास मिश्रा एवं अतिरिक्त संचालक कौशल विकास संचालनालय मप्र जीएन अग्रवाल ने हरी झंडी दिखाकर बस को रवाना किया गया। इस अवसर पर संयुक्त संचालक कौशल कौशल विकास भोपाल डीएस ठाकुर, प्राचार्य संभागीय आईटीआई भोपाल, श्रीकांत गोलाईत, टीपीओ विलास नागदवने सहित समस्त प्रशिक्षणकीय स्टाफ मौजूद था।

रेलवे के जरिये बढ़ाएं माल लदान, आकर्षक योजनाओं का उठाएं लाभ

भोपाल। मण्डल रेल प्रबंधक उदय बोरवणकर नें गुरुवार को इटारसी पहुंचकर माल परिवहन से जुड़े व्यापारियों के साथ माल गोदाम में बैठक की। मण्डल रेल प्रबंधक ने व्यापारियों से कहा कि ज्यादा से ज्यादा माल रेलवे के जरिये परिवहन करें। आपके माल के लदान और उतरान एवं परिवहन में व्यवस्थाओं में सुधार के लिए रेलवे पूरा प्रयास करेगी।

मण्डल रेल प्रबंधक ने कहा कि माल व्यापारियों की सुविधा के लिए हम मण्डल के सभी माल गोदामों का सुधार करते हुए वहां पर जरूरी सुविधाएं उपलब्ध करा रहे हैं। इस अवसर पर मण्डल रेल प्रबन्धक ने व्यापारियों की समस्याओं को सुना और शीघ्र निराकरण करने का आश्वासन दिया। उन्होंने बताया कि माल गोदाम परिसर में मर्चेंट रूम निर्माण किया जा रहा है जिसे 15 दिनों में चालू कर दिया जाएगा। रिलीज्ड स्लीपर से सड़क को चौड़ा किया जाएगा तथा मार्च तक लाइट टावर लगा दी जायेगी। मण्डल रेल प्रबंधक ने स्टेशन की साफ सफाई और संरक्षा एवं सुरक्षा से जुड़े कार्यों, खानपान व्यवस्था का जायजा लिया और बेहतर रख रखाव के निर्देश दिए । उन्होंने स्टेशन पर चल रहे निर्माण कार्यों एवं यात्री सुविधाओं का निरीक्षण करते हुए निर्माण कार्यों को गति देने का भी निर्देश दिया। स्टेशन पर जगह जगह लगे पोस्टेरों की वजह से रेल संपत्ति की दुर्गति को देखकर नाराज़गी जताई। यही नहीं, मण्डल रेल प्रबंधक नें रेलवे कालोनी में चल रहे सुधार, मरम्मत कार्यों की प्रगति का जायजा लिया।

कोलार तहसील में 20 करोड़ भी नहीं है राजस्व वसूली, टारगेट मिला 50 करोड़

अधिकारी हो रहे परेशान, राजस्व वसूली का दायरा नहीं तो कैसे हो वसूली

जिले का टारगेट 110 करोड़, 160 करोड़ का लक्ष्य देकर कराई जा रही राजस्व वसूली

भोपाल, (एजेंसी)। कोरोना संक्रमणकाल अभी खत्म नहीं हुआ है और राजस्व विभाग ने अपनी राजस्व वसूली खासी तेज कर दी है। बीते ड़ेढ़ माह में तीन तहसीलों व पांच सर्कलों के राजस्व अधिकारियों ने 18 करोड़ से अधिक की वसूली की है, लेकिन अधिकारियों को अपने दिए हुए लक्ष्य तक पहुंच पाना मुश्किल ही नहीं बल्कि नामुमकिन ही लग रहा है।

दरअसल, शासन की ओर से भोपाल जिले को राजस्व वसूली का टारगेट 110 करोड़ रुपए मिला है, लेकिन राजस्व वसूली का प्रभार देख रहे एडीएम आशीष वशिष्ठ ने इस लक्ष्य को 160 करोड़ रुपए तय कर वसूली करा रहे हैं। कोलार तहसील में 20 करोड़ रुपए से अधिक की वसूली होना मुश्किल है, लेकिन उस क्षेत्र के एसडीएम को 50 करोड़ रुपए वसूली का टारगेट दे दिया है। ऐसे में अधिकारी ही नहीं बल्कि कर्मचारी भी टारगेट को लेकर खासे परेशान है। यही स्थिति बैरागढ़ और बैरसिया तहसील की है। बैरागढ़ सर्कल क्षेत्र में आधे से अधिक क्षेत्र मर्जर और ईदगाह ड्यूढ़ी वाला है। इसके अतिरिक्त अधिकतर क्षेत्र सरकारी है। गिने चुने क्षेत्रों से ही वसूली होती है। ऐसे में 25 करोड़ रुपए का टारगेट पूरा होना नामुमकिन है। ऊपर से आला अधिकारी, वसूली के लिए लगातार सर्कल के अधिकारियों को हिदायतें दे रहें हैं। यही वजह है कि अधिकारी लगातार डायवर्सन और राजस्व वसूली के प्रकरण बनाने में लगे हुए हैं, ताकि राजस्व की वसूली हो सके।

अब तक 40 करोड़ रुपए की हो चुकी वसूली

160 करोड़ रुपए के तय किए गए लक्ष्य के आधार पर अब तक 40 करोड़ रुपए (39.92 करोड़) की वसूली हो सकी है, जो कि 24.95 प्रतिशत है। यानि जिले में अभी तक केवल 25 प्रतिशत ही राजस्व वसूली हो सकी है। राजस्व अधिकारियों के पास अब केवल ढाई माह का ही समय शेष है। ऐसे में पिछले वर्ष 2019-20 में हुई 92 करोड़ से अधिक की राजस्व वसूली के लक्ष्य को छू पाए यह भी मुश्किल लग रहा है। सूत्रों की मानें तो कान्हासैया में अजीज प्रेमजी यूनिवर्सिटी के लिए जमीन आवंटित की गई है, यदि उसकी प्रीमियम और भू-भाटक की राशि 11 करोड़ रुपए जमा होती है तो इस लक्ष्य तक पहुंच पाना आसान हो जाएगा।

ये है राजस्व वसूली की स्थिति

कोलार तहसील को 25 करोड़ का टारगेट दिया गया है, जबकि वसूली अब तक 8.40 करोड़ की हुई है। इसी तरह हुजूर तहसील को 25 करोड़ का टारगेट दिया गया है, जबकि वसूली अब तक 6.40 करोड़ की हुई है। बैरागढ़ सर्कल को 25 करोड़ का टारगेट दिया गया है, जबकि वसूली मात्र 4.10 करोड़ हुई है। टीटी नगर सर्कल को 20 करोड़ वसूली का टारगेट दिया गया है, जबकि वसूली अब तक 5.30 करोड़ की हुई है। बैरसिया तहसील को 5 करोड़ का वसूली टारगेट दिया गया है, जबकि यहां अब तक वसूली 4.10 लाख हुई है। गोविंदपुरा सर्कल को 15 करोड़ वसूली का टारगेट दिया गया है,जबकि वसूली अब तक 4 करोड़ हुई है। एमपी नगर सर्कल को 10 करोड़ का टारगेट दिया गया है, जबकि यहां वसूली 5.15 लाख हो पायी है। इसी तरह शहर सर्कल को 10 करोड़ का टारगेट दिया गया है, जबकि यहां अब तक वसूली 4 करोड़ हो सकी है। ऐसे में 160 करोड़ के टारगेट के विरूद्ध मात्र 39.92 करोड़ ही राजस्व वसूली अब तक हो पाई है।

कंपनी के आगे झुका निगम, शहर में खड़ी हुई पार्किंग की समस्या

नगर निगम खाली करा रहा शहर की सभी पार्किंग

भोपाल, (एजेंसी)। राजधानी में पेड पार्किंग में वाहनों को इंट्री नहीं दी जा रही है। जिससे शहर में वाहन पार्क करने की समस्या खड़ी हो गई। क्योंकि नगर निगम अपनी सभी पार्किंग को खाली करवा रहा है। यह सब कंपनी की शर्त पर हो रहा है। बीते दो दिनों से शहर की पेड पार्किंग में लगातार हंगामे देखे जा रहे हैं। दिल्ली की एक कंपनी ने निगम के आगे शर्त रख दी है कि सभी पार्किंग खाली करवाकर हैंडओवर की जाएं, ताकि अनुबंध के मुताबिक पार्किंग में बूम बेरियर सहित अन्य सुविधाएं दी जा सकें। लेकिन कंपनी ऐसा न करते हुए पेटी कांट्रेक्ट के दवाब में बिना सिविल वर्क किए ही पार्किंग हैंडओवर करना चाहती है। गुरुवार को आईएसबीटी पार्किंग में भी इसी मामले को लेकर काफी हंगामा हुआ। दरअसल नगर निगम ने हाल ही में शहर की सभी पार्किंग के लिए टेंडर निकाले थे। जिसमें दिल्ली की विक्टोरियस रियल स्टेट कंपनी को पार्किंग का ठेका मिल गया है। अनुबंध के मुताबिक पार्किंग का संचालन तब होगा, जब बूम बेरियर सहित अन्य सुविधाएं कंपनी पार्किंग में देगी। लेकिन शहर की अधिकांश पार्किंग में यह सुविधाएं नहीं हैं। ऐसे में कंपनी ने निगम के आगे शर्त रख दी कि पहले सभी पार्किंग खाली करवाकर हैंडओवर की जाएं, ताकि कंपनी अनुबंध के मुताबिक सभी सुविधाएं दे सके। लेकिन सूत्रों के मुताबिक कंपनी पार्किंग का संचालन खुद न करते हुए स्थानीय नेताओं को पेटी कांट्रेक्ट पर दे रही है। सूत्रों की माने तो पेटी कांट्रेक्टर्स के दवाब के चलते बिना सिविल वर्क किए ही पार्किंग शुरू हो सकती हैं। इसमें निगम अधिकारियों की भी भूमिका संदिग्ध नजर आ रही है।

`पार्किंग खाली करवाने दिया अल्टीमेटम

वर्तमान में शहर की पार्किंग का संचालन विभागीय हो रहा है। यानि जिस इलाके की पार्किंग, वहां के जोनल अधिकारी और वार्ड प्रभारी अपने कर्मचारियों से वसूली करवा रहे हैं। कंपनी शर्त के मुताबिक निगम ने मौखिक सभी कवर्ड पार्किंग को खाली करवाने के लिए जोनल अधिकारियों को निर्देश दिए हैं।

जगह-जगह हो रहे हंगामे

बताया जाता है कि रंग महल टॉकीज सहित टाईटन शोरूम से बीएनबी, न्यू मार्केट टू, विठठल मार्केट सब्जी मण्डी, आईएसबीटी, हबीबगंज नाका, भोपाल को-अपरेटिव से टाईटन शोरूम और न्यू मार्केट की ओपन पार्किंग खाली करवाने में निगम को कोई समस्या नहीं आई। लेकिन मल्टीलेबल पार्किंग में हंगामे हो रहे हैं। गुरुवार को निगम अधिकारियों ने जब इब्राहिमपुरा मल्टीलेबल पार्किंग खाली करवाने को कहा तो वाहन मालिकों ने वाहन हटाने से इंकार कर दिया। क्योंकि जोनल अधिकारियों के स्टॉफ ने एक-एक महीने का पहले से ही पार्किंग शुल्क एडवांस ले रखा है। यही स्थिति आईएसबीटी पार्किंग की है। जहां वाहनों को पार्किंग में इंट्री न देने पर काफी देर तक हंगामा हुआ।

मुख्यमंत्री ने वन्यप्राणी बोर्ड की 19वीं बैठक को किया संबोधित

वन्यप्राणी संरक्षण और विकास में संतुलन हो

भोपाल (एजेंसी)। मुख्यमंत्री शिवराज सिंह चौहान ने कहा है कि वन्य क्षेत्रों और वन्यप्राणियों का संरक्षण एवं वन क्षेत्रों में विकास कार्य इस तरह संपादित हों कि इससे मानव जीवन पर भी विपरीत प्रभाव न पड़े। दोनों के मध्य संतुलन स्थापित हो। अभयारण्य और राष्ट्रीय उद्यान क्षेत्रों में सड़क निर्माण, संचार विकास और अन्य आवश्यक कार्य वन्यप्राणियों को क्षति पहुंचाए बिना सम्पन्न हों, इसका ध्यान रखा जाए। मुख्यमंत्री श्री चौहान गुरुवार को मध्यप्रदेश राज्य वन्यप्राणी बोर्ड की 19वीं बैठक को संबोधित कर रहे थे। बैठक में वन मंत्री कुंवर विजय शाह, मुख्य सचिव इकबाल सिंह बैंस, प्रमुख सचिव वन अशोक बर्णवाल और अन्य अधिकारी उपस्थित थे।

अफ्रीकी चीतों को बसाने के लिए अनुकूल है मध्यप्रदेश

बैठक में बताया गया कि प्रदेश के कूनो राष्ट्रीय उद्यान और नौरादेही वन्यप्राणी अभयारण्य में चीतों के रहवास के लिए उपयुक्त पाए जाने की स्थिति है। कूनो राष्ट्रीय उद्यान जो करीब 750 वर्ग किमी में स्थित है वहां मात्र एक गांव है जिसके विस्थापन की प्रक्रिया चल रही है। इसी तरह एक हजार किमी से अधिक वर्ग किलोमीटर में स्थित नौरादेही वन्यप्राणी अभयारण्य सागर, दमोह और नरसिंहपुर जिलों में स्थित है। यहां वर्तमान में 63 ग्रामों में से 13 गांव विस्थापित किए जा चुके हैं। अन्य 15 ग्रामों के विस्थापन की प्रक्रिया प्रचलन में है। इसके दृष्टिगत मध्यप्रदेश के इन संरक्षित क्षेत्रों में अफ्रीकी चीते की स्थापना की संभावनाएं देखी जा रही हैं। इसके लिए मध्यप्रदेश में तैयारियां प्रारंभ की गई हैं। प्रस्तावित वैकल्पिक संरक्षित क्षेत्र गांधीसागर अभयारण्य मंदसौर में शाकाहारी वन्यप्राणियों के ट्रांसलोकेशन के लिए नरसिंहगढ़ अभयारण्य राजगढ़ से 500 चीतों ट्रांसलोकेशन करने की अनुमति भी प्राप्त हुई है।

शिवराज सिंह ने तेंदुआ स्टेट बनने पर दी बधाई

सीएम ने मध्यप्रदेश को टाइगर स्टेट के बाद तेंदुआ स्टेट बनने पर बधाई दी। मुख्यमंत्री ने प्रदेश में 3421 तेंदुए होने पर भी प्रसन्नता व्यक्त की। श्री चौहान ने कहा कि राज्य में तेंदुआ संख्या लगभग साढ़े तीन हजार है। यह निश्चित ही एक उपलब्धि है। देश में कुल 12852 तेंदुएं हैं। बोर्ड के सदस्य अभिलाष खांडेकर ने सुझाव दिया कि राजस्थान में तेंदुआ रिजर्व बनाया जा रहा है, मध्यप्रदेश में भी ऐसा संभव है। मुख्यमंत्री ने श्री खांडेकर के इस सुझाव पर सहमति जताई।

मध्यप्रदेश पहले ही बना है बाघ प्रदेश: मध्यप्रदेश ने अखिल भारतीय बाघ गणना 2018 में 526 बाघ पाए जाने के साथ बाघ प्रदेश का दर्जा हासिल किया था। अब तेंदुआ स्टेट का दर्जा मिलने से मप्र प्रथम और कर्नाटक एवं महाराष्ट्र द्वितीय एवं तृतीय क्रम पर हैं। प्रदेश में वन्यप्राणियों के संरक्षण के लिए 16,794 वर्ग किमी क्षेत्र में छह टाइगर रिजर्व सहित 11 राष्ट्रीय उद्यान एवं 24 वन्यप्राणी अभ्यारण्यों का गठन किया गया है। बैठक में मध्यप्रदेश की टाइगर स्टेट के रूप में स्थिति सुदृढ़ करने की योजना पर भी चर्चा हुई। साथ ही प्रदेश में बाघों की पुनर्स्थापना के लिए सतपुड़ा, नौरादेही, संजय गांधी अभयारण्य में आवश्यक परिस्थितियों के निर्माण के संबंध में और स्टेट टाइगर स्ट्राइक फोर्स के सशक्तिकरण पर भी चर्चा हुई।

राज्य मछली महाशीर को बचाएंगे: बैठक में बताया गया कि प्रदेश के बड़वान वनमंडल में महाशीर संरक्षण योजना लागू की गई है। राज्य शासन ने महाशीर संरक्षण और प्रजनन पर 61 लाख रुपए की राशि खर्च की है। वर्ष 2020 में महाशीर का चार बार कृत्रिम प्रजनन कराया गया जिसके फलस्वरूप 4000 फ्राई प्राप्त किए गए। ये स्वस्थ स्थिति में है, इन्हें नर्मदा के जल प्रवाह में छोड़ा जाएगा।

बंद नहीं होगा हीरा खनन कार्य

बैठक में पन्ना जिले में गंगऊ अभयारण्य में एनएमडीसी की 275 हेक्टेयर में हीरा खनन कार्य के संबंध में बोर्ड के सदस्यों ने विचार-विमर्श किया। मुख्यमंत्री श्री चौहान ने कहा कि यह सुनिश्चित करें कि हीरा खनन का कार्य बंद न हो, साथ ही विकास भी हो और वन्य प्राणी संरक्षण भी हो। दोनों में संतुलन आवश्यक है।

संचार संबंधी अनुमतियां

बोर्ड की बैठक में गांधी सागर अभ्यारण्य क्षेत्र में सड़क निर्माण, वीरांगना दुर्गावती अभयारण्य दमोह के क्षेत्र में बेहतर संचार सुविधा के लिए ओएफसी केबल डालने की अनुमति भी प्रदान की गई। इसी तरह की अनुमतियां ग्वालियर के घाटीगांव हुकना पक्षी सोनचिड़िया अभयारण्य, माधव राष्ट्रीय उद्यान शिवपुरी, नरसिंहगढ़ अभ्यारण्य एवं कान्हा टाइगर रिजर्व मंडला के क्षेत्र के अंतर्गत भी प्रदान की गईं। इसके अलावा ओरछा अभयारण्य क्षेत्र में 132 केव्ही विद्युत पारेषण लाइन और 14 टॉवर के निर्माण के लिए 13.50 हेक्टयर भूमि मध्यप्रदेश पावर ट्रांसमिशन कंपनी सागर को प्रदान की गई। यह सभी अनुमतियां वन्यप्राणी संरक्षण अधिनियम 1972 के अंतर्गत प्रदान की गईं।

किसानों का भी पक्ष जानें, समाधान निकाला जाए

मुख्यमंत्री ने कहा कि प्रदेश के कुछ स्थानों से नीलगाय और अन्य पशुओं द्वारा खेतों में नुकसान पहुंचाने के समाचार मिलते हैं। ऐसे मामलों में किसानों का पक्ष जानते हुए आवश्यक उपाय किए जाएं। वन्यप्राणियों और मनुष्यों के बीच द्वंद्व की स्थिति निर्मित हो तो उसका समाधान निकाला जाए। मुख्यमंत्री श्री चौहान ने सागर जिले में प्रस्तावित डॉ. अंबेडकर अभ्यारण्य के संबंध में जिला योजना समिति के अनुमोदन के पश्चात बोर्ड के समक्ष प्रस्ताव रखने के निर्देश दिए। यह अभ्यारण्य 258 वर्ग किलोमीटर में प्रस्तावित है।

आपकी समस्या का हल-आपके घर अभियान को तत्परता से चलाएं

कृषि मंत्री पटेल ने अभियान की समीक्षा बैठक में दिए निर्देश

भोपाल (एजेंसी)। प्रदेश के कृषि मंत्री कमल पटेल ने हरदा में आम नागरिकों की समस्याओं का त्वरित निराकरण करने के लिए चलाए जा रहे आपकी समस्या का हल-आपके घर, अभियान की गुरुवार को कलेक्ट्रेट सभागार हरदा में समीक्षा की। उन्होंने सभी जिला अधिकारियों को आमजन को विभागीय योजनाओं का अधिकतम लाभ दिलाने के लिए अभियान का संचालन तत्परतापूर्वक करने के निर्देश दिए।

मंत्री श्री पटेल ने कहा कि अभियान गरीबों और वंचितों के सामाजिक एवं आर्थिक सुदृढ़ीकरण के लिए चलाया जा रहा है। सभी अधिकारी कार्य को गंभीरतापूर्वक पूर्ण समर्पण भाव से करना सुनिश्चित करें। इससे समाज को एक नई दिशा मिल सकेगी। बैठक के प्रारंभ में जिला पंचायत के मुख्य कार्यपालन अधिकारी द्वारा अभियान की प्रगति के संबंध में प्रजेंटेशन दिया गया। उन्होंने बताया कि जिले के 173 गांव में सर्वे का कार्य पूर्ण हो चुका है। सर्वे का कार्य 340 गांव में प्रगतिरत है। शहरी क्षेत्र में भी 27 वार्डों में सर्वे कार्य पूर्ण कर लिया गया है। उल्लेखनीय है कि अभियान के अंतर्गत हरदा जिले में परिवारों को विभिन्न प्रकार की पेंशन, जाति प्रमाण-पत्र, विकलांगता प्रमाण-पत्र, आवास योजना का लाभ, आयुष्मान कार्ड, बीपीएल कार्ड और नामांतरण बंटवारा जैसे 26 प्रकार की अनिवार्य सेवाओं का लाभ वंचितों को दिलाया जाना है। मंत्री श्री पटेल ने कहा कि हमें प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के आत्मनिर्भर भारत के सपने और पूर्व प्रधानमंत्री स्वर्गीय अटल बिहारी वाजपेयी के सुशासन के सपने को साकार करना है।

महिलाओं के प्रति अपराध रोकने जागरूकता रथ को दिखाई हरी झंडी

मंत्री श्री पटेल ने महिलाओं के प्रति अपराध रोकने के लिए जागरूकता रथ को हरदा के मुख्य चौराहे से हरी झंडी दिखाकर रवाना किया। रथ के द्वारा महिलाओं को समाज में सुरक्षित वातावरण उपलब्ध कराने और महिलाओं के प्रति अपराधों में रोकथाम के साथ ही उनकी सुरक्षा के प्रति आमजन को जागरूक करने के लिये शासन द्वारा चलाई जा रही योजनाओं का व्यापक प्रचार-प्रसार किया जा रहा है। इस दौरान हस्ताक्षर अभियान भी चलाया जा रहा है।

पतंग उत्सव में सियासत, भाजपा ने काटी कमलनाथ की पतंग!

भोपाल । मकर संक्रांति के मौके पर राजधानी भोपाल में भाजपा के कार्यकर्ताओं ने पतंग उत्सव का आयोजन किया। पतंग उत्सव में प्रदेश अध्यक्ष वीडी शर्मा और प्रदेश मीडिया प्रभारी लोकेंद्र पाराशर भी शामिल हुए। आसमान में उड़ती पतंगों के बीच कार्यकर्ता हंसी ठहाके भी लगा रहे थे। इसी बीच किसी कार्यकर्ता ने कहा, अध्यक्ष जी, बगल में कमलनाथ की तस्वीर वाली पतंग है। ये सुनते ही लोकेंद्र पाराशर कहते हैं, कटेगी तो कमलनाथ की ही। कुछ कार्यकर्ता कहते हैं कमलनाथ की तो कट गई, अब आगे कौन आएगा उसकी काटनी है, उसे तो दिल्ली भेज दिया। इसी वार्तालाव के बीच वीडी शर्मा पतंग की डोर प्रदेश मीडिया प्रभारी लोकेंद्र पाराशर को दे देते हैं और पाराशर एक मंझे हुए खिलाड़ी की तरह आसमान में उड़ती एक पतंग को काट देते हैं, कार्यकर्ता चिल्लाते हैं, तालियां बजाते हैं। लोकेंद्र पाराशर ने ये पूरा घटनाक्रम अपने ट्विटर एकाउंट पर शेयर किया है। पाराशर ने लिखा मेरा सौभाग्य कि अध्यक्ष जी ने यह दायित्व मुझे सौंपा, पलक झपकते ही कमलनाथ की पतंग कट गई।

हादसों के आंकड़ों का डाटाबेस तैयार कर रणनीति बनाएं : डॉ. मित्तल

भोपाल (एजेंसी)। सड़क दुर्घटनाओं के आंकड़ों का डाटाबेस तैयार कर रणीनीति बनाएं। यह बात पीटीआरआई द्वारा आयोजित छह दिवसीय ऑनलाइन वर्कशाप को संबोधित करते हुए डॉ. श्रीमती निशी मित्तल सदस्य माननीय सुप्रीम कोर्ट कमेटी ऑन रोड सेफ्टी ने कही। वर्कशाप के द्वितीय सत्र में अपने संबोधन में पीटीआरआई के अतिरिक्त महानिदेशक डीसी सागर ने कहा कि सभी नोडल एजेंसियों को मौजूद संसाधनों का समुचित उपयोग कर अधिकतम परिणाम देना चाहिए।

सड़क सुरक्षा को लेकर ऑनलाइन वर्कशाप का चौथा दिन

ऑनलाइन वर्कशाप के प्रथम को सत्र को संबोधित करते हुए डॉ. निशी मित्तल ने कहा कि जहां सड़क दुर्घटनाएं अधिक होती हैं उन क्षेत्रों में अधिक निगरानी की जाए। उन्होंने मोटर व्हीकल एक्ट के अंतर्गत पुख्ता कार्यवाही की आवश्यकता जताई। डॉ. मित्तल ने कहा कि जहां तेज गति से वाहन चलते है वहां स्पीड रडारगन एवं अन्य यंत्रों से सड़क दुर्घटनाओं को रोकने के प्रयास किए जाने चाहिए। उन्होंने यातायात नियमों से लोगों में जन-जागृति लाने पर बल दिया। खराब सड़कों के सुधार के लिए सड़क निर्माण एजेंसियों को दुर्घटनाओं के आंकड़े देखकर सुधारात्मक कार्य करने को भी कहा।

न्यूनतम संसाधनों में अधिकतम परिणाम दें : एडीजी सागर

ऑनलाइन वर्कशाप के द्वितीय सत्र को संबोधित करते हुए एडीजी श्री सागर ने पुलिस को यातायात के नियमों जैसे ओवर स्पीडिंग, ओवरलोडिंग, शराब पीकर वाहन चालन, बिना लायसेंस, बिना हेलमेट एवं बिना सीटबेल्ट धारण किए एवं मोबाइल फोन का उपयोग करते हुए वाहन चालन इत्यादि के उल्लंघन पर सख्त कार्रवाई करने को कहा। उन्होंने कहा कि यद्धपि प्रदेश में सड़क दुर्घटनाओं के तथ्यों को दृष्टिगत रखते हुए नोडल एजेंसियों के पास संसाधनों की कमी है तथापि न्यूनतम संसाधनों में सभी को मिलकर अधिकतम बेहतर परिणाम देना है, जिससे कि दुर्घटनाओं में कमी लाई जा सके और दुर्घटना पीड़ितों के प्राणों की रक्षा की जा सके। श्री सागर ने सड़क दुर्घटनाओं को रोकने के लिए अपनाए जाने वाले उपायों को सरल एवं सुबोध तरीके से पुलिस एवं अन्य सड़क सुरक्षा से संबंधित नोडल एजेंसियों को बहुत ही रोचक एवं रोमांचक तरीके से समझाया।

राष्ट्रीय बाल संरक्षण आयोग ने सज्जन वर्मा को नोटिस भेजा

भोपाल (एजेंसी)। कांग्रेस नेता एवं पूर्व मंत्री सज्जन सिंह वर्मा द्वारा बालिकाओं के बारे में दिए गए बयान को लेकर राष्ट्रीय बाल सरंक्षण आयोग ने उन्हें नोटिस भेजकर दो दिन में स्पष्टीकरण मांगा है। प्राप्त जानकारी के अनुसार आयोग ने श्री वर्मा के बयान को भारतीय दंड विधान (भादवि) की धारा 505 का उल्लंघन मानते हुए यह नोटिस भेजा है। आयोग ने इस नोटिस के बारे में मध्यप्रदेश विधानसभा अध्यक्ष को भी अवगत करा दिया है।

इनका कहना है

सज्जन सिंह वर्मा के बयान को आयोग ने भादवि की धारा 505 का उल्लंघन मानते हुए उनसे दो दिन में स्पष्टीकरण मांगा है और इस संबंध में हमने मध्यप्रदेश विधानसभा के अध्यक्ष को भी पत्र लिखा है।

प्रियंक कानूनगो अध्यक्ष, राष्ट्रीय बाल संरक्षण आयोग, नई दिल्ली

बालिकाओं तथा महिलाओं का सम्मान मेरे लिए हमेशा सर्वोपरि रहा : वर्मा

भोपाल । बालिकाओं पर की गई अपनी टिप्पणी पर स्पष्टीकरण देते हुए प्रदेश के पूर्व कैबिनेट मंत्री एवं वरिष्ठ कांग्रेस नेता सज्जन सिंह वर्मा ने कहा है कि बालिकाओं तथा महिलाओं के बारे में उनके बयान को लेकर भाजपा द्वारा राई का पहाड़ बनाकर अपनी डर्टी पॉलिटिक्स की जा रही है। उन्होंने कहा कि इससे अच्छा है कि बेटियों की सुरक्षा और विकास के लिए शिवराज कोई ठोस कदम उठाएं। श्री वर्मा ने कहा कि बालिकाओं तथा महिलाओं के मुद्दों पर में पिछले 15 सालों से भाजपा की शिवराज सरकार के खिलाफ अपनी बात रखता आया हूं, उनका सम्मान मेरे लिए हमेशा सर्वोपरि रहा है। शिवराज सरकार ने 15 वर्षों में महिलाओं की सुरक्षा के लिए कुछ नहीं किया, शादी की उम्र बढ़ाने को लेकर ग्रामीण अंचलों की युवतियों तथा गरीब मां-बाप की पीड़ा को क्यों नहीं समझते शिवराज। दबंगों तथा असामाजिक तत्वों से डरी सहमी रहती हैं बेटियां। हाल ही में रतलाम और सीधी की घटना ने हम सबको झंझोड़ दिया है। मेरा बयान उसी को लेकर था। अपनी नाकामी को ढकने के लिए 21 वर्ष का नया जुमला लाए है शिवराज। लाड़ली लक्ष्मी योजना और कन्यादान योजना के भुगतान को टालने के लिए शिवराज शादी की उम्र बढ़ाना चाहते हैं। उन्होंने कहा कि गलती से मुंह से मातृत्व की जगह प्रजनन शब्द निकला, जिसका मुझे खेद हैं। लेकिन में अपनी बात पर अब भी कायम हूं। बेटियों की शादी करने की उम्र 18 वर्ष ही रहना चाहिए। उसे 21 नहीं करना चाहिए। उन्होंने कहा कि शिवराज और भाजपा राई का पहाड़ बना अपनी डर्टी पॉलिटिक्स करने से अच्छा है कि बेटियों की सुरक्षा और विकास के लिए कोई ठोस कदम उठाएं।

कांग्रेस आज करेगी प्रदेश में 500 स्थानों पर चक्काजाम

भोपाल (एजेंसी)। किसान आंदोलन के समर्थन में मप्र कांग्रेस शुक्रवार को प्रदेश भर में 500 से अधिक स्थानों पर दो घंटे का चक्काजाम करेगी। प्रदेश कांग्रेस के वरिष्ठ उपाध्यक्ष चंद्रप्रभाष शेखर ने बताया कि कृषि कानूनों के माध्यम से किसानों का दमन करने और ग्रामीण अर्थव्यवस्था को देश के चंद पूंजीपतियों के हाथों में गिरवी रख देने के हथकंडों का कांग्रेस पुरजोर विरोध करती है और 15 जनवरी को पूरे प्रदेश में जिला एवं ब्लाक स्तरों पर एक व्यापक प्रदर्शन कर चक्काजाम करेगी।

किसान आंदोलन के समर्थन में करेगी प्रदर्शन

चक्का जाम की तस्वीरें और वीडियो जिला कमेटी द्वारा सोशल मीडिया पर अपलोड कर किसानों की मांगों के समर्थन का प्रांतव्यापी वातावरण बनाया जाएगा। श्री शेखर ने बताया कि सभी जिला कमेटियों एवं ब्लाक कमेटियों को ऐसे निर्देश दिए जा चुके हैं। इसी तारतम्य में 20 जनवरी को मुरैना में विशाल किसान पंचायत का आयोजन किया गया है जिसमें चंबल संभाग के किसान महा पंचायत करेंगे। उसमें प्रदेश कांग्रेस के अध्यक्ष कमलनाथ सहित कांग्रेस के सभी वरिष्ठ नेता भाग लेंगे। वहीं 23 जनवरी को भोपाल में राजभवन घेरकर किसानों की मांगे उठाई जाएंगी। जिसमें पूरे प्रदेश से किसान भाग लेंगे।

कल से फिर शुरू होगी पुलिस कांस्टेबल भर्ती परीक्षा के लिए आनलाइन आवेदन प्रक्रिया

भोपाल (एजेंसी)। पुलिस में भर्ती होने वाले उम्मीदवारों के लिए खुशखबरी है। मध्यप्रदेश में 4200 पदों पर होने जा रही पुलिस कांस्टेबल भर्ती परीक्षा के लिए आवेदन फिर से आमंत्रित किए गए हैं। इस संबंध में गृह विभाग के निर्देश पर प्रोफेशनल एग्जामिनेशन बोर्ड (पीईबी) ने 16 जनवरी से ऑनलाइन आवेदन की लिंक ओपन करने का फैसला लिया है।

पीईबी ने आवेदन अप्लाई करने की नई तारीख संबधी नोटिस अपनी ऑफिशियल वेबसाइट पर जारी कर दी है। इसकी अंतिम तारीख 30 जनवरी रखी गई है। जारी नोटिस के मुताबिक एमपी पुलिस कांस्टेबल भर्ती परीक्षा 6 मार्च 2021 से आयोजित की जाएगी। यह परीक्षा कब तक चलेगी इसका फैसला आवेदकों की संख्या के आधार पर तय किया जाएगा। शनिवार, 16 जनवरी 2021 से ऑनलाइन आवेदन की प्रक्रिया शुरू होगी और 30 जनवरी 2021 तक चलेगी, जो अभ्यर्थी मध्य प्रदेश पुलिस विभाग में कांस्टेबल की भर्ती के लिए इच्छुक हैं वे अब 16 से 30 जनवरी तक एमपीपीईबी की ऑफिशियल वेबसाइट पर जाकर अपना आवेदन अप्लाई कर सकते हैं।

यहां बता दें कि पुलिस कांस्टेबल भर्ती के लिए 3862 पद कांस्टेबल(जीडी) और 138 पद कांस्टेबल (रेडियो) के पदों पर भर्तियां की जानी है। अभ्यर्थियों की न्यूनतम आयु 18 वर्ष और अधिकतम आयु 33 वर्ष रखी गई है। अनारक्षित वर्ग की महिलाओं, ओबीसी, एससी, एसटी वर्ग को अधिकतम आयु सीमा में पांच वर्ष की छूट भी दी गई थी।ह लांकि आयु में नया क्या बदलाव किया गया है, यह अभी स्पष्ट नही हैं।

मंत्री डंग किया ने ग्रामीण स्वच्छता एवं पेयजल अभियान का शुभारंभ

भोपाल । प्रदेश के पर्यावरण मंत्री हरदीप सिंह डंग ने गुरुवार को मंदसौर जिले के सुवासरा विधानसभा क्षेत्र के गांव महुवी से ग्रामीण स्वच्छता एवं पेयजल अभियान का शुभारंभ किया। उन्होंने कहा कि ग्रामीण क्षेत्रों में स्वच्छता पर विशेष ध्यान दिया जाएगा। सभी को पर्याप्त पेयजल उपलब्ध होगा। सरकार भी नल जल योजना पर विशेष कार्य कर रही है। प्रत्येक घर तक नल कनेक्शन पहुंचाने का सरकार का लक्ष्य है। इस लक्ष्य के लिए भारत सरकार के साथ-साथ प्रदेश सरकार भी लगातार प्रयासरत है एवं मिशन युद्ध स्तर पर काम कर रहा है। कुछ स्थानों पर नल-जल कनेक्शन का कार्य प्रारंभ हो चुका है एवं जिन स्थानों पर अभी यह काम शुरू नहीं हुआ है, वहां पर बहुत जल्द शुरू हो जाएगा। अभियान के शुभारंभ के पहले मंत्री श्री डंग श्री पंचमुखी हनुमान गौशाला पहुचे तथा गो पूजन कर आशीर्वाद प्राप्त किया। इस अवसर पर उन्होंने सभी को मकर संक्रांति के पावन पर्व की हार्दिक शुभकामनाएं दी। उन्होंने कहा कि यह पर्व सभी के जीवन में सुख, शांति, समृद्धि एवं खुशहाली लेकर आए। हर घर खुशी हो, हर व्यक्ति प्रसन्न हो। हर व्यक्ति की प्रसन्नता और प्रदेश के विकास के लिए सरकार लगातार निरंतर प्रयास कर रही है।

प्रदेश भाजपा कार्यकारिणी घोषित करने के बाद मीडिया से रूबरू हुए पार्टी के प्रदेश अध्यक्ष वीडी शर्मा

बूथ को मजबूत करने के अभियान में जुटेगी नई टीम

यह टीम वीडी नहीं, टीम भाजपा है

भोपाल (एजेंसी)। भारतीय जनता पार्टी पद्धति पर चलने वाला दल है, यहां सभी कार्यकर्ता है और दायित्वों के अनुरूप काम करते हैं। यहां प्रत्येक कार्यकर्ता के लिए काम और प्रत्येक काम के लिए कार्यकर्ता है और इसी व्यवस्था पर पार्टी लगातार आगे बढ़ती है। परिस्थितियों के अनुसार जो आवश्यकता है, उसके आधार पर ही भाजपा में निर्णय होते हैं। यह टीम वीडी नहीं टीम भाजपा है। पूरी टीम अपनी जिम्मेदारी के साथ बूथ को मजबूत करने के अभियान में जुटेगी। यह बात पार्टी के प्रदेश अध्यक्ष व सांसद विष्णुदत्त शर्मा ने गुरुवार को प्रदेश कार्यालय में पत्रकारों से चर्चा करते हुए कही।

प्रदेश अध्यक्ष ने नव मनोनीत पार्टी पदाधिकारियों और मोर्चा अध्यक्षों को बधाई देते हुए कहा कि सभी पदाधिकारी अनुभवी और पारंगत कार्यकर्ता हैं। सभी पदाधिकारी अपने क्षेत्रों में संगठन को मजबूत करेंगे। अयोध्या में भव्य राम मंदिर के लिए कांग्रेस द्वारा चंदा मागने के सवाल पर श्री शर्मा ने कहा कि यह अच्छी बात है कि कांग्रेस के ज्ञान चक्षु खुल गए हैं, नहीं तो इन्हीं कि पार्टी के नेता कोर्ट में और सार्वजनिक सभाओं में राम मंदिर का कोई अस्तित्व ही नहीं है, राम सेतु का कोई अस्तित्व नहीं है। लेकिन अब कांग्रेस राम मंदिर निर्माण में खुद को सक्रिय बता रही है। कांग्रेस अगर राम मंदिर निर्माण के लिए धन संग्रह का आग्रह कर रही है तो यह भगवान राम की ही कृपा है। उन्होंने कहा कि राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के प्रयासों से राम मंदिर निर्माण को लेकर आमजन में जो देशभक्ति का भाव जाग्रत हुआ है। आज मंदिर निर्माण होने से 500 साल पुराना एक संकल्प पूरा हो रहा है। यह कार्य कोई संगठन या दल नहीं कर रहा है बल्कि पूरा भारत इसमें लगा हुआ है।

कोरोना काल में प्रधानमंत्री ने चुनौतियों को अवसर में बदला

16 जनवरी को कोरोना के टीकाकरण की शुरुआत होने पर श्री शर्मा ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी को बधाई दी है और कहा कि कोरोना काल में प्रधानमंत्री मोदी ने चुनौतियों को अवसर में बदला है। उन्होंने कोरोना काल में गरीबों को राहत पैकेज देकर आत्मनिर्भर भारत बनाने का संकल्प पूरा किया। देश और प्रदेश की जनता को कोरोनाकाल में कई सौगाते मिली ताकि वे कोरोना के खिलाफ चल रही जंग में मजबूती के साथ खडे रहे।

सज्जन सिंह वर्मा का बयान कांग्रेस का चरित्र

कांग्रेस नेता सज्जन सिंह वर्मा द्वारा बालिकाओं पर दिए गए आपत्तिजनक बयान पर श्री शर्मा ने कड़ी आलोचना की। उन्होंने कहा कि वर्मा का बयान कांग्रेस के चरित्र को दर्शाता है। महिलाएं सम्मान और आदर का केंद्र होती है, लेकिन उनके लिए इस तरह की भाषा का प्रयोग करना सिर्फ कांग्रेस ही कर सकती है। वर्मा ने ऐसे शब्द प्रयोग किए हैं जिन्हें हम बोल नहीं सकते। कांग्रेस का चरित्र जनता के सामने है, जो इन नेताओं के बयानों में झलकता है।

कहां हो पूजा का स्थान

घर में पूजा के कमरे का स्थान सबसे महत्वपूर्ण होता है। यह वह जगह होती हैं, जहां से हम परमात्मा से सीधा संवाद कर सकते हैं। ऐसी जगह जहां मन को सर्वाधिक शांति और सुकून मिलता है। प्राचीन समय में अधिकांशतः पूजा का कमरा घर के अंदर नहीं बनाया जाता था।

घर के बाहर एक अलग स्थान देवता के लिए रखा जाता था जिसे परिवार का मंदिर कहा जाता था। दौर बदला और एकल परिवार का चलन बढ़ा, इसलिए पूजा का कमरा घर के भीतर ही बनाया जाने लगा है। अतएव वास्तु अनुसार पूजा घर का स्थान नियोजन और सजावट की जाए तो सकारात्मक ऊर्जा अवश्य प्रवाहित होती है।

स्थान पूजा का कमरा घर के उत्तर पूर्व कोने में बनाने से शांति सुकून, स्वास्थ्य, धन और प्रसन्नता मिलती है। पूर्व या उत्तर दिशा में भी पूजा स्थल बना सकते हैं। पूजाघर के ऊपर या नीचे की मंजिल पर शौचालय या रसोई घर नहीं होना चाहिए, न ही इनसे सटा हुआ । सीढ़ियों के नीचे पूजा का कमरा कदाचित नहीं बनवाना चाहिए। यह हमेशा ग्राउंड फ्लोर पर होना चाहिए, तहखाने में नहीं। पूजा का कमरा खुला और बड़ा बनवाना चाहिए।

मूर्तियां- कम वजन की तस्वीरें और मूर्तियां ही पूजाघर में रखनी चाहिए। इनकी दिशा पूर्व, पश्चिम, उत्तरमुखी हो सकती है, दक्षिण मुखी नहीं। भगवान का चेहरा किसी भी वस्तु से ढंका नहीं होना चाहिए, फूल और माला से भी नहीं ढका होना चाहिए। इन्हें दीवार से एक इंच दूर रखना चाहिए, एक दूसरे के सम्मुख नहीं। इनके साथ अपने पूर्वजों की तस्वीर नहीं रखनी चाहिए। खंडित मूर्तियां पूजाघर के अंदर कभी नहीं रखना चाहिए। अगर कोई मूर्ति खंडित हो जाए तो उसे तुरन्त प्रवाहित करा देना चाहिए।

दीपक- दीया पूजा की थाली में, भगवान के सामने रखा होना चाहिए। यह दरवाजे में रखा होना चाहिए, ऊँची जगह या प्लेटफार्म पर नहीं। दीपक में दो जली हुई बत्तियां होनी चाहिए। एक पूर्व और दूसरी पश्चिम मुखी।

दरवाजा- दरवाजा या खिड़की उत्तर या पूर्व में होना चाहिए। यह टीन या लौहे का नहीं होना चाहिए। यह दीवार के बीचोबीच स्थित होना चाहिए। अलमारी, टांड या कैबिनेट की ऊँचाई मूर्तियों के स्थान की ऊँचाई से अधिक नहीं होना चाहिए।

अन्य- धूप, अगरबत्ती या हवन कुंड पूजाघर के दक्षिण-पूर्व कोण में रखने चाहिए। सौंदर्य प्रसाधन की या कोई भी अन्य वस्तु यहां नहीं रखनी चाहिए। पूर्व दिशा की और मुख करके पूजा करनी चाहिए, दक्षिण दिशा की और मुख करके पूजा नहीं करनी चाहिए। पूजा स्थल के ऊपर भारी सामान नहीं रखना चाहिए। धन या गहने पूजाघर में नहीं रखना चाहिए।

यज्ञ-देवताओं को दी जाती है आहुति

हवन यज्ञ का छोटा रूप है। किसी भी पूजा अथवा जप आदि के बाद अग्नि में दी जाने वाली आहुति की प्रयिा हवन के रूप में प्रचलित है। यज्ञ किसी खास उद्देश्य से देवता विशेष को दी जाने वाली आहुति है। इसमें देवता, आहुति, वेदमंत्र, ऋत्विक, दक्षिणा अनिवार्य रूप से होते हैं।

प्रमुख यज्ञ-

पुत्रेष्ठि- पुत्र प्राप्ति की कामना से। महाराज दशरथ ने यही यज्ञ किया था, परिणामस्वरूप श्रीराम सहित चार पुत्र जन्मे।

अश्वमेघ- जो सौ बार यह यज्ञ कर लेता है उसे इंद्र पद की प्राप्ति हो जाती है।

राजसूर्य- राजा द्वारा किया जाता है। अपनी कीर्ति और राय की सीमाएं बढ़ाने के लिए। युधिष्ठिर ने यह यज्ञ किया था।

विश्वजीत- विश्व को जीतने के उद्देश्य से विश्वजीत यज्ञा किया जाता है। साथ ही इस यज्ञ से सभी कामनाएं पूरी करता है। राम के पूर्वज महाराज रघु ने विश्वजीत यज्ञ किया था।

सोमयज्ञ- सभी के कल्याण की कामना से सोमयज्ञ किया जाता है। आज के युग में सोमयज्ञ सर्वाधिक किए जाते हैं। इनके अलावा आजकल विष्णु यज्ञ, शतचंडी यज्ञ, रूद्र यज्ञ, गणेश यज्ञ आदि किए जाते हैं। ये सभी परंपरा में हैं।

ऐसी देव पूजा में जरूरी नहीं मंत्र या मंदिर, फिर भी मिलती है सिद्धि!

ईश्वर में विश्वास करने वाले देव पूजा के लिये देवालय जाते हैं। वहां देव उपासना के लिये मंत्र स्मरण या स्तुति पाठ भी करते हैं। अनेक लोग ऐसे हैं जो ईश्वर में विश्वास नहीं करते, जिनको नास्तिक भी कहा जाता है। वहीं, ईश्वर में विश्वास करने वाले कुछ लोग व्यस्तता के चलते देव आराधना का समय निकाल नहीं पाते।

ईश्वर उपासना से दूर रहने वाले ऐसे लोगों के लिये ही यहां बताया जा रहा है एक ऐसा व्यावहारिक सूत्र, जिसके लिये अगर आप देव उपासना के लिये कोई मंत्र न बोलें या मंदिर न भी जा पाएं, फिर भी देव पूजा का सुख और फल पाया जा सकता है।

हिन्दू धर्मग्रंथ गीता में लिखा है कि -

स्वकर्मणा तमभ्यर्च्य सिद्धिं विन्दति मानवः

जिसका सरल अर्थ है यही है कि स्वाभाविक कामों के रूप में भगवान की उपासना करते हुए मनुष्य सिद्ध बन सकता है।

संकेत यही है कि व्यावहारिक जीवन में अहं या मोह के कारण इंसान अनेक गलतियां करते हुए गलत बातों और व्यवहार के कारण दोष का भागी ही नहीं बनता, बल्कि अच्छे संग और देव स्मरण से भी दूर होता है। इसलिए इंसान सुख पाने के लिये अगर देव स्मरण न भी करें, पर अहंकार और मोह को छोड़कर अपने कर्तव्यों को पूरा करता चले तो यह भी भगवान की पूजा ही मानी गई है। दायित्वों को पूरा करना ही सफलता, तरक्की और प्रतिष्ठा देने वाला साबित होता है। सार यही है कि कर्म को ही पूजा मानकर चलने वाले व्यक्ति पर भगवान भी मेहरबान रहते हैं।

कैसे रखें बृहस्पतिवार व्रत

बृहस्पतिवार का व्रत करना गुरु को बढ़ाने का सर्वोत्तम उपाय है, इस दिन व्रत करने के बाद बृहस्पति-भगवान की पूजा पाठ और केले के पेड़ में चने की दाल और गुड़ चढाना चाहिए, इस प्रकार का व्रत करने से महिला जातक को मनवांछित वर प्राप्त करने और पुत्र के प्राप्त करने में गुरु दोषों का अन्त हो जाता है, केवल एक बार ही खाना खाया जाता है और खाने में पीला भोजन बिना नमक के सूर्यास्त से पहले लिया जाता है, पीली रोटी बनाकर उसे घी से चुपड़ कर खाना चाहिए, भूल कर भी चन्द्र के रूप में दूध और शुक्र के स्व में शर्बत या जूस या दही आदि का प्रयोग नही करना चाहिए, केले भी नहां खाने चाहिए।

अच्छी बुरी शक्तियों के बाद में पता चलते हैं परिणाम

मनुष्य के अंदर अच्छे-बुरे प्रभाव करवाने वाली शक्तियां, उस समय करवा जाती है और उसके परिणाम बाद में पता लगता है। यदि किसी मनुष्य को यह पता लग जाए कि बीमारी की अवस्था में यह भोजन नुकसान करता है तो चाहे वह भोजन कितना ही अच्छा, स्वादिष्ट एवं उसकी रुचि का हो, फिर भी बीमारी से बचने के लिए वह उस मनपसंद भोजन को त्याग ही देगा यदि। पता लगने के बाद भी वह छोड़ने की हिम्मत करेगा। तभी उस स्वादिष्ट भोजन को त्याग सकेगा। जैसे किसी ने आपको बता दिया कि आपको मधुमेह का रोग है इसमें मीठा खाना हानिकारक है अर्थात उचित नहीं है। ऐसा बीमारी का पता लगने के बाद भी यदि आपने मीठा खा ही लिया। ऐसी अवस्था में वह मीठा खाने की सुख की आदत आपको विवश करके मीठा खिला ही गयी तो खाने के बाद आपको दुखी भी होना ही पड़ेगा। इसी तरह मनुष्य अपने मन अहंकार में आकर जैसा नहीं बोलना चाहिए वैसा दूसरों से बोल जाता है। ऐसा बोलने से दूसरे वैरी बनते हैं और उस वैरी से उसको अपने अंदर शंका तथा भय बना रहता है कि कहीं वह मेरा ज्यादा नुकसान तो नहीं कर देगा आदि। ऐसा होने पर उसको रात्रि के समय नींद भी सुखपूर्वक नहीं आएगी और उसी वैरी की सोच में पड़ा-पड़ा दुखी होता रहेगा। ऐसी बंधन की अवस्था में उसको आत्मा या परमात्मा की कोई समझ नहीं पड़ती कि आत्मा तथा परमात्मा क्या है? सबके अंदर वहीं ज्ञानरूप चेतन परमात्मा चला रहा है। शरीर के कार्य भी वहीं कर रहा है अर्थात पशु, पक्षी, पेड़, पौधे और जितने भी मनुष्य हैं सबके अंदर देह के कार्य वहीं कर रहा है। नींद में भी वही श्वास को खींचता तथा छोड़ता है और हमारे अंदर अन्न को हजम करता है। यह व्यापक चेतन शक्ति सबमें समानरूप से है। परंतु समानरूप से होती हुई ऐसी छिपी हुई बैठी है कि किसी को इसका अनुभव नहीं होता। इसका अपना अनुभव आनंद रूप है। इस चेतन शक्ति का पता नहीं लगने का नाम ही अविद्या है। इस अविद्या का ही उसके ऊपर पर्दा पड़ा हुआ है जो उस ज्ञानरूप चेतन शक्ति का बोध नहीं होने देता।

प्रभु सर्वसमर्थ एवं सर्वान्तर्यामी है

कभी कभी व्यक्ति से जाने अनजाने कुत्सित कर्म भी हो जाते है, जिसका अनुभव उसे बाद में होता है। पापकर्म का सर्वप्रथम प्रायश्चित पश्चाताप है,कारण पश्चाताप होने पर वह व्यक्ति उन पापों के निराकरण करनें के लिये प्रयासरत हो जाता है । वैसे भी हमारे शास्त्रों में लिखा है कि अपने किये हुए अच्छे तथा बूरे सभी कर्मो का फल किसी न किसी रूप में जीव को भोगना ही पडता है,परंतु पश्चाताप होने पर उसके द्वारा प्रायश्चितरूप में भगवद्भजन,आराधना और प्रार्थना करने पर वे कर्मो के फल बहुत हलके हो जाते है। भगवान उसे भुगता भी देते है और भोगनेवाले को विशेष कष्ट ाी अनुभूति भी नहीं होती । भजन का यह भी प्रभाव हैकि वह भवितव्यता को भी शिथिल कर देंता है। बिषयरूपी सांप का जहर उतारने के लिये भगवन्नाम मंत्र और महामणि है । ये ललाट पर लिखे हुए कठिनता से मिटानेवाले बुरे लेखों को मिटा देनेवाले है । परमात्मप्रभु सर्वसमर्थ एवं सर्वान्तर्यामी है। इसके साथ ही कल्याणनिधान भी है। इसलिये भगवान के भजन तथा प्रार्थना से पूर्व में किये गये पापों का निवारण भी संभव है । इसकी विशेष चिंता न करके अनन्य भाव से भगवान के भजन में सलंग्न हो जाना चाहिये तथा प्रतिदिन कुछ क्षणों का समय निकालकर एकान्त में आर्तभाव से प्रार्थना के रूप में प्रभु से अपने मन की बात कहनी चाहिए । प्रभु कहते है कि यदि कोई अतिशय दुराचारी भी अनन्यभाव से मेंरा भक्त होकर मुझे भजता है तो वह साधु ही मानने योग्य है क्योकि वह यथार्थ निश्चयवाला है अर्थात उसने भलीभांति निश्चय कर लिया है कि परमेश्वर के भजन के समान अन्य कुछ भी नही है।

मन अनमोल है, ऐसे रखें इसका खयाल...

हमारे मन में हर पल सैंकड़ों विचार चलते रहते हैं। कारण मन अस्थिर है। इसकी गति ध्वनि व प्रकाश से भी तेज है। मन में जो अच्छे विचार होते हैं वे मानसिक पर्यावरण को सकारात्मक (पॉजीटिव) करते हैं तो बुरे विचार नकारात्मक (निगेटिव) बनाते हैं। ये ही बुरे विचार मानसिक प्रदूषण भी बढ़ाते हैं। आपने बुरा करने का सोचा तभी आपके मन में प्रदूषण आ गया। आप प्रदूषित हो गए। जब मन प्रदूषित होता है तो जीवन की पूरी व्यवस्था चरमरा जाती है।

किनसे है खतरा-साधारण रूप से यदि हम मानसिक प्रदूषण के बारे में सोचें तो व्यसन यानि बुरी आदतें, मोह तथा अधर्म मानसिक प्रदूषण के कारण हैं। लोभ और अहंकार भी मानसिक प्रदूषण फैलाते हैं। इस प्रदूषण से हमारे विचार और व्यवहार प्रभावित होते हैं और इसका असर हमारे सामाजिक व्यक्तित्व पर दिखाई देता है।

कैसा असर-मानसिक प्रदूषण के कारण बदले की भावना, घृणा, क्रूरता, हिंसा, व्याभिचार पैदा होता है। आज के दौर में पश्चिमी संस्कृति का प्रभाव टीवी और फिल्मों के माध्यम से आम जनजीवन में फैल रहा है। इस कारण समाज में कई बुराइयां आ रही हैं। धर्म, संस्कृति और सभ्यता के प्रति हमारा नजरिया बदल रहा है। भौतिक सुख, संपन्नता के लिए नैतिकता, मानवता और चरित्र को गिराने से भी मनुष्य नहीं चूक रहा। नतीजा है कि आज चारों तरफ बदहवासी, भय, आतंक और अराजकता का माहौल है। जीवन गहरे तक नकारात्मकता (निगेटिवनेस) से भर गया है। आधुनिक समाज लगातार अहंकार और आपसी खींचतान के कारण मेल-मिलाप से दूर हो रहा है। एक-दूसरे के प्रति प्रेम, सद्भाव और संवेदनशीलता घटती जा रही है। इसका खामियाजा समाज से पहले व्यक्ति भुगतता है क्योंकि समाज तो व्यक्तियों का ही समूह है।

कैसे बचें-कहते हैं हम सुधरेंगे, जग सुधरेगा। हम बदलेंगे, जग बदलेगा। हम समाज की बुराइयों और सामाजिक प्रदूषण पर बात करते हैं लेकिन अपने मानसिक प्रदूषण को दूर करने में चूक जाते हैं। सच तो यह है हमें ख्याल भी नहीं आता कि हमारे बुरे विचारों से हमारा मन प्रदूषित हो रहा है। सबसे पहले इसका एहसास करें फिर अच्छे, सकारात्मक विचारों को आमंत्रित करें और सबसे बड़ा नकारात्मक विचारों को अपने मन से दूर करें।

भगवान की इच्छा में अपनी इच्छा माने

साधक के मन में इस बात का भारी उत्साह एवं चाव होना चाहिए कि हम केवल भगवान की अनन्य शरण में ही रहे। इससे ज्यादा हमारा सौभाग्य और क्या हो सकता है कि हमारे जीवन में वही हो जो भगवान चाहते है। इससे हमारा परम कल्याण निश्चित है। यहां पर एक बात और ध्यान देने की है कि अगर हम न चाहे तो भी होगा वहीं जो भगवान चाहते है। हम अपनी पूरी क्षमता, साधन, योग्यता की उपयोग करके भी भगवान के इच्छा अनुरूप होने वाली घटना, परिस्थिति को रोक नहीं सकते, उसमें परिवर्तन नहीं कर सकते। भगवान की इच्छा एवं विधान में बाधा उत्पन्न करने से हमारा कल्याण नहीं होगा अपितु पतन ही होगा। अतः हमरा परम कल्याण इसी में है कि हम भगवान की इच्छा में अपनी इच्छा मिलाकर उनके विधान के अनुसार होने वाले को निर्बाध होने दे, उसको बदलने की मांग भगवान से न करें। सांसारिक परिस्थितियों का तो महत्व ही क्या है? पल-पल में परिवर्तन होने वाली इन परिस्थितियों की कामना में फॅसकर हम अपने अनंत जन्म बिगाड़ते आये है। अतः कम से कम इस जन्म में तो भगवान की इच्छा में अपनी इच्छा मिलाकर इसका परम प्रभाव देख ले। दृढ़ निश्चिय कर लेना चाहिए कि मारजाना स्वीकार है किंतु कोई कामना कर अपनी भक्ति में कलंक नहीं लगायेंगे। अपने आपको भगवान के श्रीचरणों में पूरी तरह समर्पित कर देना चाहिए। हम केवल भगवान के ही है, अतः अपने ऊपर केवल भगवान का ही निरंकुश अधिकार मानना चाहिए। अपनी वस्तु को भगवान चाहे जैसे रखे इसमें हमें क्यों आपत्ति होनी चाहिए? निश्चय ही ये भावोर्मियां साधना की बहुत उंची स्थिति की सूचक है, किंतु इनको आदर्श मानकर तदनुसार जीवन बनाने की चेष्टा करने से साधक भगवान की कृपा से बहुत शीघ्र भारी आध्यात्मिक लाभ उठा सकते है और भगवान का प्रेम प्राप्त कर सकता है। भगवान का आश्रय लेकर प्रयत्न करने से कुछ भी कठिन या असंभव नहीं है।

गाले में इंग्लैंड के स्टूअर्ट ब्राड ने श्रीलंका के खिलाफ दो विकेट लिए।

संक्षिप्त समाचार

सिडनी टेस्ट में छाया रहा एक अंक

मुम्बई, (एजेंसी)। भारत और ऑस्ट्रेलिया के बीच सिडनी में बराबरी पर समाप्त हुए तीसरे क्रिकेट टेस्ट मैच में एक अंक का अजब प्रभाव देखा गया। भारत और ऑस्ट्रेलिया के बीच यह साल 2021 का पहला मैच था और दोनों टीमें सीरीज में 1-1 की बराबरी के बाद इस मैच में उतरी थीं। दोनों टीमों के बीच यह 101वां टेस्ट मैच भी था। पहले दिन बारिश की बाधा के कारण जब-जब खेल रुका तब ऑस्ट्रेलिया का स्कोर 21, 91 और 166 था यानी तीनों संख्या में एक अंक शामिल था। वहीं दूसरे दिन भी ऑस्ट्रेलिया की टीम जब आउट हुई तो उसकी पारी में दो बड़ी साझेदारियां 100 रनों की ही थीं। ऑस्ट्रेलिया की ओर से स्टीव स्मिथ ने 131 और मार्नस लाबुशेन ने 91 रन बनाये। इस प्रकार सभी स्कोरों में एक अंक शामिल रहा। वहीं भारतीय टीम ने अपनी पहली पारी में 100 ओवर खेले। वहीं ऑस्ट्रेलिया की दूसरी पारी में भी 103 और 104 रन की साझेदारियां हुई। भारत ने अपनी दूसरी पारी में 148 रन बनाये और इस दौरान 131 ओवर हुए। इस प्रकार हर जगह एक अंक शामिल रहा।

पुनीत की शानदार पारी से मेघालय जीता

चेन्नई, (एजेंसी)। कप्तान पुनीत बिष्ट की शतकीय पारी से मेघालय ने यहां सैयद मुश्ताक अली ट्रॉफी टी20 टूनार्मेंट के प्लेट ग्रुप मैच में मिजोरम पर शानदार जीत दर्ज की। पुनीत ने आक्रामक बल्लेबाजी करते हुए 51 गेंद में ही 146 रन की शतकीय पारी खेली। उनकी इस पारी से मुश्ताक अली ट्रॉफी टी20 टूनार्मेंट के प्लेट ग्रुप मैच में मिजोरम को 130 रनों से करारी हार का सामना करना पड़ा। पुनीत ने अपनी शतकीय पारी के दौरान छह चौके और 17 छक्के लगाये। इस मैच में पहले बल्लेबाजी करते हुए मेघालय ने पुनीत के शतक और योगेश तिवारी के 53 रन की सहायता से 20 ओवर में छह विकेट पर 230 रन बनाए। वहीं इसके बाद मिजोरम की टीम 20 ओवर में नौ विकेट पर केवल 100 रनों पर ही सिमट गयी। वहीं एक अन्य मैचों में बिहार ने सिक्किम जबकि चंडीगढ़ ने नगालैंड को हराया।

सात महीने बाद परिवार से मिलेंगे वकार

इस्लामाबाद, (एजेंसी)। पाकिस्तान के पूर्व कप्तान और गेंदबाजी कोच वकार यूनिस को अपने परिवार के साथ समय बिताने अनुमति मिल गयी है। वकार टीम के साथ यात्रा करने और जैविक रूप से सुरक्षित माहौल में रहने के कारण पिछले सात महीने से अपने परिवार से नहीं मिल सके थे पर अब आखिरकार उन्हें घर पर कुछ समय बिताने का मौका मिल गया है। वकार अपनी टीम के साथ इंग्लैंड दौरे पर थे, जिससे पहले देश ने जिम्बाब्वे की मेजबानी की थी। फिर टीम न्यूजीलैंड के दौरे पर चली गई थी। न्यूजीलैंड के खिलाफ पहले टेस्ट के बाद वकार को घर लौटने की अनुमति मिल गयी थी जिससे वह दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ अगले महीने होने वाली घरेलू श्रृंखला से पहले अपने परिवार के साथ समय बिता सकें। वकार ने कहा कि मैंने पिछले सात महीनों में अपने परिवार को नहीं देखा था और मुझे क्रिकेट बोर्ड से अपने परिवार के साथ समय बिताने की अनुमति मिल गयी। कोरोना महामारी के इस दौर में खेल के साथ ही परिवार के साथ रहना भी जरुरी है।

ऑस्ट्रेलियाई ओपन में नहीं खेलेंगे इस्नर

वाशिंगटन, (एजेंसी)। अमेरिकी टेनिस स्टार जॉन इस्नर ऑस्ट्रेलियाई ओपन में नहीं खेलेंगे। इस्नर ने कोविड-19 महामारी को देखते हुए ही ऑस्ट्रेलियाई ओपन से नाम वापस लिया है। इस्नर ने कहा है कि संक्रमण के बढ़ते खतरे को देखते हुए ही वह अपने परिवार के साथ अभी ज्यादा से ज्यादा समय बिताना चाहते हैं। उन्होंने कहा कि कोविड-19 के कारण अभी सामन्य जीवन में आगे बढ़ना कठिन है। इससे पहले जॉन डेलरे बीच ओपन के क्वार्टर फाइनल में वह अपने ही देश के सेबेस्टियन कोर्डा से 6-3, 4-6, 6-3 से हार गए थे। ओपन अगले माह 8 से 21 फरवरी तक आयोजित होगा। यह इसी माह होना था पर कोविड-।9 के कारण लगी पाबंदियों के कारण इसकी तारीखें आगे बढ़ा दी गयीं थीं।

तैराकी शिविर का संचालन करेंगे सोकोलोवास

नई दिल्ली, (एजेंसी)। मशहूर फिजियोलॉजिस्ट और खेल विज्ञान विशेषज्ञ डॉक्टर जी सोकोलोवास भारतीय तैराकों के लिए बेंगलुरू सीएसई में 21 फरवरी तक राष्ट्रीय तैराकी शिविर का संचालन करेंगे। भारतीय खेल प्राधिकरण (साइ) ने कहा है कि सोकोलोवास के मार्गदर्शन से श्रीहरि नटराज, कुशाग्र रावत, मिहिर आंब्रे जैसे टॉप्स में शामिल उभरते हुए तैराकों और सीनियर तैराकों को ओलंपिक की तैयारी में सहायता मिलेगी। सोकोलोवास अमेरिकी तैराकी महासंघ में फिजियोलॉजी और खेल विज्ञान विभाग के आठ साल तक प्रभारी रहे हैं। साइ ने कहा , उन्होंने अपनी रिसर्च तैयार करने में ओलंपिक पदक विजेता माइकल फेल्प्स समेत शीर्ष तैराकों से सलाह ली है। वहीं भारतीय तैराकी महासंघ के महासचिव मोनल ने कहा , मैं डॉक्टर जी सोकोलोवास को भारत लाने के एसएफआई के प्रस्ताव को सहमति देने के लिये साइ को धन्यवाद देता हूं। उनके दौरे से 2024 और 2028 ओलंपिक की तैयारी कर रहे हमारे तैराकों को काफी मदद मिलेगी।

प्रशंसकों ने दशक की सर्वश्रेष्ठ पुरुष और महिला फुटबॉल टीमों का चयन किया

नई दिल्ली , (एजेंसी)। अखिल भारतीय फुटबॉल महासंघ (एआईएफएफ) ने दशक की सर्वश्रेष्ठ फुटबॉल टीम के चयन का जो अवसर खेल प्रशंसकों को दिया है। उसका लाभ उठाते हुए प्रशंसकों ने दशक की सर्वश्रेष्ठ भारतीय पुरुष और महिला फुटबॉल टीमों का चयन किया है। इसमें सुनील छेत्री और आशालता देवी को पुरुष और महिला टीम में जगह मिली हैं। एआईएफएफ ने दशक की सर्वश्रेष्ठ भारतीय पुरुष और महिला फुटबॉल टीम चुनने के लिए प्रशंसकों को वोटिंग की सुविधा दी थी। इसकी अंतिम समयसीमा 31 दिसंबर रखी गई थी। एआईएफएफ ने कहा कि दशक की सर्वश्रेष्ठ भारतीय पुरुष और महिला फुटबॉल टीम चुनने के लिए प्रशंसकों ने वोटिंग के जरिये 29 में से उन खिलाड़ियों को चुना है, जिन्होंने पिछले 10 वर्षों से सीनियर स्तर पर भारतीय टीम का प्रतिनिधित्व किया है और अपने प्रदर्शन से देश को गौरवान्वित किया है।

दशक की सर्वश्रेष्ठ भारतीय पुरुष फुटबॉल टीम इस प्रकार है : गुरप्रीत सिंह संधू, सुभाशीष बोस, संदेश झिंगम, अनस इडथोडिका, प्रीतम कोटाल, हलीचरण नारजारे, अनिरुद्ध थापा, रोलिन बोरगे, उदांता सिंह, सुनील छेत्री, जेजे लालपेखलुआ। दशक की सर्वश्रेष्ठ भारतीय महिला फुटबॉल टीम : अदिति चौहान, रोजा देवी, आशालता देवी, स्वीटी देवी, डालिमा छिब्बर, रंजना चानू, बेम्बेम देवी, रतनबाला देवी, डांगमेई ग्रेस, बाला देवी, अंजू तमांग।

भारतीय टीम ने ब्रिसबेन में किया अभ्यास

ब्रिसबेन, (एजेंसी)। टीम इंडिया ने यहां शुक्रवार से शुरू हो रहे चौथे और अंतिम टेस्ट से पहले अभ्यास सत्र में भाग लिया। भारतीय टीम के कई खिलाड़ी अभी चोटिल हैं और ऐसे में उसके लिए अपने अंतिम ग्यारह खिलाड़ियों का चयन एक बड़ा सवाल बन गया है। इस अभ्यास सत्र में तेज गेंदबाज जसप्रीत बुमराह भी शामिल हुए हालांकि उन्होंने अभ्यास नहीं किया और वह गेंदबाजी कोच भरत अरूण के साथ चर्चा करते रहे। सिडनी में तीसरे टेस्ट के दौरान पेट की मांसपेशियों में खिंचाव के कारण उनका ब्रिस्बेन में खेलना संदिग्ध माना जा रहा है। बुमराह के अलावा सलामी बल्लेबाज रोहित शर्मा, शुभमन गिल, कप्तान अजिंक्य रहाणे सहित अन्य खिलाड़ी भी अभ्यास सत्र में पहुंचे। वहीं भारतीय क्रिकेट बोर्ड (बीसीसीआई) ने अपने ट्विटर हैंडल पर पोस्ट किया कि सिडनी में शानदार जज्बा दिखाने के बाद फिर एकजुट होने का समय। साथ ही कहा कि हमने गाबा में अंतिम टेस्ट के लिये अपनी तैयारियां शुरू कर दी हैं। इस दौरान चाइनामैन तेज गेंदबाज कुलदीप यादव को नेट में गेंदबाजी करते हुए देखा गया। ऐसी उम्मीद है कि उन्हें मैच के लिये चुना जा सकता है क्योंकि हरफनमौला रविंद्र जडेजा अंगूठे में फ्रेक्चर के कारण नहीं खेलेंगे।

तेज गेंदबाज शारदुल ठाकुर और हरफनमौला खिलाड़ी वाशिंगटन सुंदर भी अभ्यास सत्र में शामिल थे। गाबा में अंतिम एकादश में बुमराह की जगह टी नटराजन या शारदुल को उतारे जाने की उम्मीद है, जिससे मोहम्मद सिराज और नवदीप सैनी के साथ एक और युवा तेज गेंदबाज के पास अवसर होगा। वहीं मुख्य कोच रवि शास्त्री अभ्यास के दौरान खिलाड़ियों के साथ थे और उन्होंने टीम के खिलाड़ियों से बातचीत भी की। वह सहयोगी स्टाफ के अपने साथियों के साथ भी बात करते हुए दिखे जिसमें अरूण के अलावा बल्लेबाजी कोच विक्रम राठौड़ और क्षेत्ररक्षण कोच आर श्रीधर भी शामिल थे। भारतीय टीम को इस दौरे पर लगातार चोटों का सामना करना पड़ रहा है। टेस्ट श्रृंखला शुरू होने से पहले ही तेज गेंदबाज इशांत शर्मा और भुवनेश्वर कुमार चोटों के कारण बाहर हो गये थे।

ब्रिसबेन टेस्ट में पुकोवस्की की जगह हैरिस शामिल

ब्रिस्बेन, (एजेंसी)। ऑस्ट्रेलिया ने शुक्रवार से यहां ब्रिस्बेन में शुरू हो रह चौथे क्रिकेट टेस्ट मैच के लिए अपनी टीम में युवा बल्लेबाज विल पुकोवस्की की जगह मार्कस हैरिस को शामिल किया है। पुकोवस्की तीसरे टेस्ट के दौरान चोटिल हो गये थे। वह अभी तक फिट नहीं हुए हैं। इसी कारण अन्हें अंतिम टेस्ट के लिए टीम में जगह नहीं मिली है। वहीं टीम में शामिल हैरिस बाएं हाथ के बल्लेबाज हैं और घरेलू क्रिकेट में विक्टोरिया की ओर से खेलते हैं। पुकोवस्की को सिडनी टेस्ट मैच में फील्डिंग के दौरान कंधे में चोट लग गई थी। पुकोवस्की मैच के आखिरी दिन गेंद को रोकने के प्रयास में मैदान पर गिर गए थे। इसके बाद उन्हें स्कैन के लिए ले जाया गया था। कोच जस्टिन लैंगर ने भी कहा था कि पुकोवस्की का ब्रिस्बेन में खेलना संभव नहीं है। पुकोवस्की टीम के साथ ब्रिसबेन गए हैं पर उन्होंने ट्रेनिंग नहीं की है। हैरिस इस मैच में मैथ्यू वेड की जगह पारी की शुरूआत करेंगे। साल 2019 की एशेज सीरीज के बाद यह उनका पहला टेस्ट होगा। वहां भी उन्हें कैमरन ब्रैंक्रॉफ्ट के विकल्प के तौर पर लाया गया था। उस सीरीज में भी वह छह पारियों में केवल 58 रन ही बना पाए थे। हैरिस शुरूआत में टेस्ट टीम का हिस्सा नहीं थे पर पुकोवस्की और डेविड वॉर्नर के चोटिल होने से उन्हें दल में शामिल किया गया। हैरिस शेफील्ड शील्ड में विक्टोरिया की ओर से पुकोवस्की के साथ पारी की शुरूआत करते हैं।

डेलरे बीच में एक टेनिस टूर्नामेंट में ट्रॉफी के साथ पोज देते हुए सेबेस्टीयन व हूबर्ट।

गावस्कर के बयान से परेशान नहीं हूं : पेन

ब्रिसबेन, (एजेंसी)। ऑस्ट्रेलियाई क्रिकेट टीम के कप्तान टिम पेन ने कहा है कि भारतीय टीम के पूर्व कप्तान सुनील गावस्कर के उस बयान से उन्हें फर्क नहीं पड़ता जिसमें गावस्कर ने कहा था कि पेन अब अधिक समय तक कप्तान नहीं रहेंगे। पेन ने कहा है गावस्कर के बयान को लेकर वह बिलकुल भी परेशान नहीं हैं। सिडनी टेस्ट के दौरान पेन ने आर अश्विन पर छींटाकशी की थी इसी पर गावस्कर ने कहा था कि किसी भी के कप्तान को इस प्रकार की हरकत नहीं करनी चाहिये। साथ ही कहा था कि क्रिकेट ऑस्ट्रेलिया (सीए) उन्हें अधिक समय तक कप्तान बनाये नहीं रखेगा। वहीं यह पूछने पर कि क्या उन्होंने गावस्कर की टिप्पणी सुनी है, पेन ने कहा, मैने सुना पर मैं इसमें पड़ना नहीं चाहता। मेरा गावस्कर के साथ बहस का कोई इरादा नहीं है। उन्होंने कहा, वह अपनी बात रखने के लिए आजाद हैं पर इससे मुझपर प्रभाव नहीं पड़ता। गावस्कर को जो कहना है, वह कहते रहें मेरे पर प्रभाव नहीं पड़ेगाहै।

उन्होंने साथ ही कहा कि अब आगे से वह चेहरे पर मुस्कुराहट लिए खेलते रहेंगे। उन्होंने कहा, अपने पूरे कैरियर में अधिकांश समय मैं आराम से रहा हूं। उससे ही मैं सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन कर पाता हूं हालांकि उस दिन मैं गुस्से में आ गया था। उन्होंने कहा, मैने दर्शकों की तरफ देखा और मुझे महसूस हुआ कि मैं टेस्ट मैच में टीम की कप्तानी कर रहा हूं। मैने हमेशा इसका सपना देखा था। मैं काफी प्रतिस्पर्धी क्रिकेट खेलूंगा और जीतने के इरादे से ही खेलूंगा। वहीं छींटाकशी जारी रखने के सवाल पर पेन ने कहा, मैं स्वाभाविक खेल दिखाऊंगा। मैं हमेशा शांतचित्त होकर खेलता आया हूं। उस दिन थोड़ा भटक गया था। थोड़ा बहुत हंसी मजाक चलता है लेकिन स्टम्प माइक से सजग रहना होगा। अंपायरों, अधिकारियों और खिलाड़ियों के प्रति थोड़ा और सम्मान दिखाना होगा।

हनुमा ने सही नाम लिख बाबुल सुप्रियो को दिया करार जवाब

ब्रिसबेन, (एजेंसी)। बल्लेबाज हनुमा विहारी ने भाजपा नेता बाबुल सुप्रियो के उस बयान पर करारा जवाब दिया है। जिससें बाबुल ने हनुमा को क्रिकेट का हत्यारा करार दिया था। भाजपा सांसद बाबुल ने भारत और ऑस्ट्रेलिया के बीच खेले गए तीसरे टेस्ट मैच के दौरान दो ट्वीट किए। जिसमें उन्होंने कहा था कि हनुमा ने जीत की कोशिश ही नहीं की थी। हनुमा ने भारत की दूसरी व मैच की चौथी पारी में 161 गेंद पर 23 रन की नाबाद पारी खेली थी। हनुमा ने उनके उसी ट्वीट पर कमेंट किया और सिर्फ अपना नाम लिखा। दरअसल विहारी ने कमेंट में अपना नाम इसीलिए लिखा, क्योंकि सुप्रियो ने उनकी आलोचना करते हुए उनका नाम गलत लिखते हुए हनुमा बिहारी लिखा था और उनकी इस गलती को विहारी ने सुधारा। सुप्रियो ने कहा कि हनुमा विहारी ने 7 रन बनाने के लिए 109 गेंद खेल लिए यह बहुत ही कम है। हनुमा विहारी ने ना सिर्फ भारत की ऐतिहासिक जीत की संभावना को खत्म किया, बल्कि क्रिकेट की हत्या भी कर दी। भाजपा नेता ने इसी ट्वीट में आगे लिखा, मैं इतना जानता हूं कि मुझे क्रिकेट के बारे में कुछ भी नहीं पता है। घंटेभर बाद दूसरा ट्वीट करते हुए उन्होंने लिखा, यदि हनुमा ने थोड़ा भी प्रयास किया होता और खराब गेंदों पर चौके लगाए होते, तो भारत यह मैच जीत सकता था।

800 टेस्ट विकेट तक पहुंच सकते हैं अश्विन : मुरलीधरन

कोलंबो, (एजेंसी)। दिग्गज श्रीलंकाई गेंदबाज मुथैया मुरलीधरन ने भारतीय टीम के स्पिनर रविचंद्रन अश्विन की जमकर प्रशंसा करते हुए कहा है कि वह 700 से 800 विकेट ले सकते हैं पर ऑस्ट्रेलिया के नाथन लायन ऐसा नहीं कर पायेंगे। लायन शुक्रवार को ब्रिसबेन में अपना 100वां टेस्ट मैच खेलेंगे पर उनके नाम अभी तक 396 विकेट ही हैं वहीं अश्विन ने 74 टेस्ट मैचों में ही 377 विकेट लिए हैं। विश्व में सबसे अधिक विकेट लेने वाले गेंदबाज मुरलीधरन ने कहा, अश्विन के पास मौका है क्योंकि वह एक महान गेंदबाज हैं। इसके अलावा, मुझे नहीं लगता कि कोई और युवा गेंदबाज 800 विकेट हासिल कर पाएगा। वहीं लायन के पास यहां तक पहुंचने की प्रतिभा नहीं है। वह 400 विकेट के करीब हैं लेकिन 800 तक पहुंचने के लिए उन्हें कड़ी मेहनत करनी होगी। मुरलीधरन आजकल इंडियन प्रीमियर लीग में सनराइजर्स हैदराबाद के साथ हैं। मुरली ने कहा, टेस्ट क्रिकेट के साथ समस्या यह है कि टी20 और वनडे ने काफी नियम बदल दिए हैं।

उन्होंने कहा, वहीं जब मैं खेला करता था तब बल्लेबाज तकनीकी रूप से बहुत अच्छे थे और विकेट भी सपाट हुआ करते थे। अब वे टेस्ट मैचों को तीन दिन में समाप्त करना चाहते हैं। हमारे दौर में गेंदबाजों को गेंद को स्पिन कराने के लिए अधिक मेहनत करनी पड़ती थी और परिणाम हासिल करने के लिए कुछ जादू करना पड़ता था। आजकल अगर आप कुछ समय के लिए सही लाइन और लेंथ पर गेंदबाजी करें तो आपको पांच विकेट मिल जाते हैं। ऐसा होना निश्चित है क्योंकि बल्लेबाज ज्यादा समय तक आक्रमण किए बिना नहीं रह सकते।

लेंस फ्रांस में पेरिस सेंट जर्मेन के खिलाड़ी जीत के बाद ट्राफी के साथ उत्साहित नजर आये।

टीम इंडिया के बारे सोचने की जगह अपनी तैयारी करें टीम : लायन

ब्रिस्बेन, (एजेंसी)। ऑस्ट्रेलिया के अनुभवी स्पिनर नाथन लायन ने कहा है कि भारतीय टीमे के बारे में सोचने की जगह उनकी टीम को अपनी तैयारियों पर ध्यान देना चाहिये। लायन के अनुसार चाटिल होने के कारण कई प्रमुख खिलाड़ियों के बिना ही अंतिम टेस्ट के लिए यहां उतरने वाली भारतीय टीम को कमजोर आंकना भूल होगी। उन्होंने कहा कि कई खिलाड़ियों के चोटिल होने के बाद भी मेजबान टीम फायदे की स्थिति में नहीं है। लायन ने कहा कि मैं यह नहीं कहूंगा कि ऑस्ट्रेलिया फायदे की स्थिति में है। यह सही है कि भारत को कुछ बड़े खिलाड़ियों की कमी खल रही है पर इसके बाद भी उसके पास काफी अच्छे खिलाड़ी हैं। भारतीय टीम तेज गेंदबाज जसप्रीत बुमराह और ऑलराउंडर रवींद्र जडेजा के चोटिल होने से शुक्रवार से यहां शुरू हो रहे अंतिम टेस्ट में युवा गेंदबाजी आक्रमण के साथ उतरेगी।. लायन ने कहा कि हमें अपनी तैयारी की चिंता होनी चाहिए। उनके बारे में सोचने की जरूरत नहीं है। यह सही है कि गाबा की पिच हमारी गेंदबाजी के अनुकूल है और उम्मीद है कि हम अच्छा प्रदर्शन कर सकेंगे। ऑस्ट्रेलिया ने इस मैदान पर 55 में से 33 टेस्ट जीते, 13 ड्रॉ खेले और आठ गंवाये हैं जबकि एक मैच टाइ रहा।

लायन ने कहा कि हमारा यहां शानदार रिकॉर्ड है। टीम आत्मविश्वास से भरी है और हम सकारात्मक क्रिकेट खेलना जानते हैं, लेकिन सिर्फ उसके भरोसे नहीं बैठ सकते। हमें पता है कि भारतीय टीम कितनी प्रतिभाशाली है और सीरीज जीतने को लालायित भी।